E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

Adhunik Samachar

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

11 YEARS ANNIVERSARY

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -11 अंक -106 | प्रयागराज, गुरूवार 03 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

कहां से क्या मिलेगा

पीएम मोदी की 5 देशों की विदेश यात्रा क्यों अहम है, भारत के लिए ग्लोबल साउथ के हर देश रखते हैं बहुत मायने

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (बुधवार, 2 जुलाई, 2025)से घाना , त्रिनिदाद और टोबैगो , अर्जेंटीना , ब्राजील और नामीबिया की पांच देशों की यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा में वे इन देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों से मुलाकात करेंगे। वे आपसी सहयोग और विकास पर चर्चा करेंगे। साथ ही ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी सबसे पहले घाना जाएंगे और यात्रा के अंतिम चरण में स्वदेश वापसी के समय नामीबिया जाएंगे। पीएम मोदी की 8 दिनों की इस लंबी विदेश यात्रा को इस तरह से डिजाइन किया गया है,जिसमें ग्लोबल साउथ के भारतीय एजेंडे को नई धार मिल सके। प्रधानमंत्री जहां जा रहे हैं, वे सारे देश अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी हैं। ऐसे समय में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की वजह से अमेरिका को लेकर वैश्विक आशंकाएं बढ़ी हैं, बदलते जियोपॉलिटिक्स में भारत अपनी नई भूमिका तलाश रहा है। इस वजह से भी प्रधानमंत्री मोदी की यह विदेश यात्रा बहुत ही खास है, वहीं भारत के अपने हित के लिए भी इन सभी देशों के साथ बेहतर रिश्तों का आगे चलकर खास रोल रहने वाला है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत घाना से कर रहे हैं। यह उनकी घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। इस दौरान प्रधानमंत्री घाना के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। दोनों नेता मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा करेंगे। वे आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा सहयोग और विकास सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर भी बात करेंगे। घाना पश्चिमी अफ्रीका की तेजी से बढ़ती

अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत और घाना के बीच व्यापार और निवेश लगातार बढ़ रहा है। घाना से भारत में होने वाले आयात में 70फीसदी से ज्यादा सोना होता है। घाना के लिए भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश है।घाना के बाद प्रधानमंत्री मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे। वे तीन और चार जुलाई को यहां रहेंगे, जहां प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री वहां की संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। त्रिनिदाद और टोबैगो के ये दोनों ही नेता भारतीय मूल की हैं। यहां कैरेबियाई क्षेत्र में भारतीय मूल के 40-45फीसदी लोग रहते हैं। पीएम मोदी की यह त्रिनिदाद और टोबैगो की पहली यात्रा होगी। साथ ही, 1999 के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा भी है। प्रधानमंत्री ने नवंबर 2024 में गुयाना का दौरा किया था। आठ महीनों में कैरेबियाई क्षेत्र में उनकी यह दूसरी यात्रा है। इससे पता चलता है कि भारत इस क्षेत्र को कितना महत्व देता है। इस यात्रा में त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय आप्रवासियों के आगमन के 180 साल पूरे होने का जश्न मनाया जाएगा। भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच आर्थिक संबंध बहुत ही ज्यादा मजबूत हुए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 341.61 मिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।अपनी यात्रा के तीसरे चरण में 4-5 जुलाई को प्रधानमंत्री अर्जेंटीना की यात्रा पर रहेंगे। वे राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में भारत-अर्जेंटीना की साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति मिलेई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'पसंदीदा राष्ट्रपति' माना जाता है। 57 वर्षों में यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली अर्जेंटीना यात्रा होगी। दोनों नेता पहले नवंबर 2024 में रियो डी जनेरियो में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे। भारत और अर्जेंटीना ने खनिज संसाधन क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाया है। खासकर लिथियम के क्षेत्र में। लिथियम भारत की हरित ऊर्जा के लिए बहुत जरूरी है। अर्जेंटीना, भारत को सोयाबीन और सूरजमुखी तेल का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता भी है। 2024 में, भारत अर्जेंटीना का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार और निर्यात सहयोगी था।अपनी यात्रा के चौथे चरण में प्रधानमंत्री 5 से 8 जुलाई तक ब्राजील जाएंगे। यहां वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2025 में भाग लेंगे। इसके बाद वे ब्राजील की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। प्रधानमंत्री की यह चौथी ब्राजील की यात्रा होगी। 17वां ब्रिक्स लीडर्स समिट रियो डी जनेरियो में होगा। शिखर सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा करेंगे। आतंकवाद पर भारत को अपना पक्ष दुनिया के सामने रखने का यह एक बेहतर मौका है। इनके अलावा वैश्विक शासन में सुधार, शांति और सुरक्षा, बहुपक्षवाद को मजबूत करना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जिम्मेदारी से उपयोग, जलवायु कार्रवाई, वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक और वित्तीय मामले भी शामिल रहेंगे।

भारत-अमेरिका ने डिफेंस में 10 साल के फ्रेमवर्क पर करि चर्चा,रक्षा संबंध सभी स्तंभों में अहम-जयशंकर

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका द्विपक्षीय रक्षा सहयोग

को लेकर 10 सालों के फ्रेमवर्क की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए इस वक्त वॉशिंगटन डीसी में हैं। इस दौरान उनकी अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ से मुलाकात हुई । भारत में अमेरिकी दूतावास के एक बयान के मुताबिक, अमेरिकी और भारतीय समकक्ष ने माना कि दोनों, देश सुरक्षा चिंताओं को समझते हैं।दोनों ही देशों में इस चुनौती का सामना करने की क्षमता है। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच उपकरणों को सफलतापूर्वक शामिल किए जाने की भी चर्चा हुई थी। अमेरिकी पक्ष ने भारत की इन्वेंटरी में अमेरिकी डिफेंस आइटम्स के इंटीग्रेशन से खुशी जताई।हेगसेथ ने कहा कि ऐसे में उम्मीद है कि अमेरिका भारत को निलंबित पड़ी यूएस डिफेंस खरीद को पूरा कर पाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हम अपने साझे डिफेंस इंडस्ट्रियल विकास को विस्तार दे पाएंगे और साथ ही जल्द औपचारिक तौर पर 10 सालों के लिए यूएस इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप पर औपचारिक तौर पर मुहर लगा पाएंगे।बयान आगे कहता है कि फरवरी में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बैठक में, दोनों नेताओं ने जैवलिन एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल्स की खरीद को लेकर घोषणा की थी। इसके साथ साथ अतिरिक्त पि-81 मेरिटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट के खरीद को लेकर भी ऐलान किया गया था। भारत ने पहले से ही सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस, सी-17 ग्लोबमास्टर 3 और पोजाइडिन एयरक्राफ्ट जैसे अपने हथियारों को इंटीग्रेट कर लिया है। इसके साथ ही सीएच-47एफ चिनूक एमएच-6आर सी हॉक, एएच-64ई अपाचे को भी इंटीग्रेट किया गया है। इसके अलावा दोनों पक्षों ने अगली यूएस- भारत एक्सीलेरेशन इकोसिस्टम समिट में सहभागिता को लेकर भी चर्चा की।इस मौके पर विदेश मंत्री जयशंकर ने रक्षा संबंधों को द्विपक्षीय संबंधों का आधार बताया, कहा ये केवल साझा हितों पर आधारित नहीं है लेकिन ये क्षमताओं और जिम्मेदारियों का एक समावेश भी है।

अभी योगी जी यूपी के सीएम हैं और दिल्ली में जगह खाली नहीं.. निशिकांत दुबे का बड़ा बयान

नयी दिल्ली। बीजेपी सांसद

निशिकांत दुबे ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि योगी अभी मुख्यमंत्री हैं, दिल्ली में पद खाली नहीं है। झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। एक पॉडकास्ट के दौरान उन्होंने कहा है कि योगी आज मुख्यमंत्री हैं और दिल्ली की जगह खाली नहीं है। 20 साल 25 साल बाद क्या स्थिति होगी ये कोई नहीं जानता है। 20 साल राजनीति में बहुत लंबा समय होता है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने आगे कहा कि साल 2017 में जब योगी उत्तर प्रदेश के मंत्री बने तो उनके नाम पर यूपी के लोगों ने मतदान नहीं किया। लोगों ने पीएम मोदी के नाम पर वोट दिया। देश की आम जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही वोट देती है।लोगों में सीएम योगी की पसंद को लेकर निशिकांत दुबे ने कहा कि जनता उन्हें पसंद तो कर रही है, लोग तो असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को भी पसंद कर रहे हैं। लोग तो महाराष्ट्र की सीएम देवेंद्र फडणवीस को भी पसंद करते हैं।

दो टूक- कोरोना वैक्सीन और हार्ट अटैक से मौतों के बीच कोई संबंध नहीं- स्वास्थ्य मंत्रालय

नयी दिल्ली। हाल के दिनों में हार्ट अटैक से अचानक मौत के मामलों

में इजाफा देखने को मिला है। इसके बाद ये सवाल उठने लगे कि कहीं इसका कोविड वैक्सीन से कनेक्शन तो नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस मुद्दे पर महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है। मंत्रालय ने कहा है कि कोविड-19 वैक्सीन लेने और युवाओं की अचानक होने वाली मौतों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र ने अलग-अलग रिसर्च के आधार पर ये जानकारी दी है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी कहा कि कोविड वैक्सीनेशन से अचानक मौत का खतरा नहीं बढ़ता। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कोविड वैक्सीन को लेकर उठाए गए सवालों के बाद यह जानकारी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश में कई एजेंसियों के माध्यम से अचानक होने वाली मौतों के मामलों की जांच की गई है। इन अध्ययनों से यह साबित हो गया है कि कोविड-19 टीकाकरण और देश में अचानक होने वाली मौत की खबरों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।मंत्रालय ने यह भी बताया कि अचानक हार्ट अटैक से होने वाली मौतों के कई कारणों से हो सकती हैं। इनमें आनुवंशिकी, लाइफस्टाइल, पहले से मौजूद स्वास्थ्य स्थिति और कोविड के बाद की जटिलताएं शामिल हैं। आईसीएमआर और एनसीडीसी के अध्ययनों से पता चला है कि भारत में कोविड-19 के टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं। इनसे गंभीर दुष्प्रभाव के मामले बहुत ही कम हैं।सरकार की ओर से यह प्रतिक्रिया कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के उस आरोप के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोविड वैक्सीन को जल्दबाजी में मंजूरी देना और लोगों को बांटना भी दिल के दौरे से हुई मौतों का कारण हो सकता है। अधिकारियों के अनुसार, हसन जिले में पिछले 40 दिनों में कम से कम 22 लोगों की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। इनमें से पांच की उम्र 19 से 25 साल के बीच थी। ज्यादातर मौतें बिना किसी लक्षण के हुईं। कई लोग घर या सार्वजनिक जगहों पर अचानक गिर पड़े।सिद्धारमैया ने एक बयान में कहा कि पिछले एक महीने में, हसन जिले में ही दिल के दौरे से बीस से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। इन मौतों के कारणों का पता लगाने और समाधान खोजने के लिए, डॉ. रवींद्रनाथ के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई है। उन्हें 10 दिनों के भीतर एक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कोविड-19 के टीके सुरक्षित हैं और अचानक होने वाली मौतों का कारण नहीं हैं।

वीआईपी कार छोड़, कूड़ा गाड़ी में सवार हो गए योगी के ये मंत्री 'असीम अरुण'

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के मंत्री असीम अरुण ने स्वच्छता कर्मचारियों के साथ कूड़ा गाड़ी में सवार होकर कन्नौज शहर का दौरा किया. जापान के 'गेंबा वॉक' से प्रेरित इस पहल में उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था की प्रभावशीलता का आकलन किया. उन्होंने कर्मचारियों की समस्याएं समझी और सुधार के सुझाव मांगे. स्वच्छता अभियान के शुरू होने के बाद से ही पूरे देश में तमाम सवच्छता से संबंधित व्यवस्थाएं की जा रही हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत की थी. इस अभियान का असर अब शहरों से लेकर गांवों तक दिखाई देने लगा है. इसी अभियान की प्रगति को समझने और जांचने के लिए उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कन्नौज में एक अनोखी पहल की. मंत्री असीम अरुण

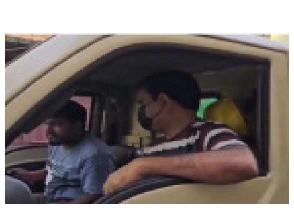

ने अपनी पहचान छिपाकर, मास्क लगाकर सफाईकर्मियों के साथ कूड़ा गाड़ी में बैठकर कन्नौज शहर के विभिन्न मोहल्लों का दौरा किया. उन्होंने सुबह की शिफ्ट में इन कर्मचारियों की मेहनत, दिनचर्या और समस्याओं को नजदीक से देखा और समझा. इस दौरे का उद्देश्य था यह जानना था कि डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की व्यवस्था कितनी प्रभावी है और कहां सुधार की जरूरत है. मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया है, उन्होंने पोस्ट में जापान की गेंबा वॉक का जिक्र किया, जिसमें मैनेजर और अधिकारी फ्लोर पर जाकर कर्मचारियों के साथ उनका कामकाज समझते हैं. उन्होंने लिखा कि पुलिस सेवा में भी उन्होंने कई बार ऐसा किया है और पाया है कि सिर्फ दो घंटे की ज़मीनी समझ कई दिनों के प्रशिक्षण से ज़्यादा असरदार होती है.असीम अरुण ने बताया कि उन्होंने सफाई कर्मचारियों, गौतम जी और विकास जी के साथ पहचान छिपाकर मोहल्लों का दौरा किया और इस दौरान उन्होंने चार पन्नों के नोट्स भी बनाए।

'महाराज जी मैं पढ़ना चाहती हूं' सीएम योगी के जनता दरबार में पहुंची 7वीं की छात्रा,लगाई मदद की गुहार

लखनऊ। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में पहुंची 7वीं क्लास की छात्रा पंखुड़ी

त्रिपाठी ने मदद की गुहार लगाई. पंखुड़ी ने सीएम को बताया कि उसके परिवार का आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. इस कारण से उसकी पढ़ाई छूटने की कगार पर पहुंच गई है.उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन यानी मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित दिग्विजयनाथ सभागार में जनता दरबार लगाया. जनता दरबार में गोरखपुर के कोतवाली क्षेत्र के पुरदिलपुर की रहने वाली कक्षा सात की छात्रा पंखुड़ी त्रिपाठी भी पहुंची थी. एक जुलाई को नए शैक्षिक सत्र का पहला दिन पंखुड़ी के लिए आजीवन यादगार बन गया. बच्ची के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने चलते उसकी पढ़ाई छूटने की कगार पर थी, लेकिन सीएम योगी से मुलाकात के बाद उसकी सभी समस्यायों का हल हो गया.मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर स्थित दिग्विजयनाथ सभागार में जनता दरबार लगाया. वह एक-एक कर लोगों के पास जाकर उनकी समस्या सुन रहे थे. साथ ही उनकी समस्या का निस्तारण के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित भी कर रहे थे. वहीं, मुलाकात करने वाले लोगों की लाइन में गोरखपुर के पुर्दिलपुर में रहने वाली 7वीं क्लास की छात्रा पंखुड़ी त्रिपाठी भी बैठी थी.मुख्यमंत्री जब पंखुड़ी के पास पहुंचे और उसके प्रार्थना पत्र को देखा तो वह बोल पड़ी महाराज जी मैं पढ़ना चाहती हूं. फीस माफ करवा दीजिए या फिर इसका इंतजाम कर दीजिए. उसकी बात सुनते ही मुख्यमंत्री रुक गए और उससे बातचीत करने लगे. बातचीत के दौरान छात्रा पंखुड़ी ने अपनी सारी परेशानी उनको बताई. इस दौरान छात्रा ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ती है।

प्रयागराज में बुड्ढा ताजिया की मेहंदी को कंधा देने उमड़ी भीड़,अकीदत से निकाली गई मेहंदी, गूंजी या अली या हुसैन की सदाएं

प्रयागराज। मोहर्रम की पांच तारीख को बुड्ढा ताजिया की मेहंदी

अकीदत के साथ उठाई गई। मेहंदी को कंधा देने के लिए देर रात हजारों की भीड़ उमड़ी। पुराने शहर में या अली या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। मेहंदी इमामबाड़े से उठकर खुल्दाबाद चौराहे से करेली बैरियर तक गश्त करती रही। मेहंदी को गुलाब के फूलों से सजाया गया था। सड़क के दोनों तरफ मेहंदी देखने वालों की भीड़ जमा रही। औरतें और बच्चे छतों, बारजे से मेहंदी का दीदार करते रहे। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। फोर्स के साथ ही ड्रोन से निगरानी की जाती रही। मेहंदी उठने से पहले ही नूरुल्ला रोड पर मेला सा लगा रहा। प्रयागराज में मोहर्रम पर मातम, मजलिस, मेहंदी, अलम जुलूस निकलने का सिलसिला चांद नजर आने के साथ ही शुरू हो गया था। अब हर रोज अलग अलम इमामबाड़ों से मेहंदी निकाली जा रही है। सब्जीमंडी की मेहंदी के बाद बुड्?ढा ताजिया की मेहंदी को कंधा देने के लिए शहरियों की भीड़ पहुंची। साथ ही इमामबाड़ों पर जियारत का सिलसिला चल रहा है। डीसीपी सिटी अभिषेक भारती, एसीपी राजकुमार मीणा खुद ही पुराने शहर में गश्त करते रहे। खुल्दाबाद, कोतवाली, शाहगंज, अतरसुइया, मुट्?ठीगंज थाने की फोर्स मौजूद रही। मेहंदी को कंधा देने के लिए बुड्?ढा ताजिया, रोशनबाग, अटाला, अकबरपुर, करेली, खुल्दाबाद, निकालपुर, शाहगंज, नखासकोहना, सब्जीमंडी, रसूलपुर, मंसूर पार्क, गुलाब बाड़ी, बड़ा ताजिया, चकिया, बहादुरगंज, दरियाबाद आदि के लोग पहुंचे।मोहम्मद शमीम, असरार नियाजी, इसरार अंसारी, अकरम शगुन, चांद मियां, गुलाम नबी, शम्स ताज, गुलाम मोहम्मद, गुड्डा भाई, अनवर निराला, असलम, महबूब डाबर, मोहम्मद आमिर, सरफराज अहमद, फैयाज अहमद, उमर अली, ताहा तालिब, फैजी, जमाल, रोमी, कलीम, नाजिम आदि शामिल रहे।

नेता जी नेतागिरी करके गए, हमारे बच्चे जेल काट रहे,सांसद ने कहा था उपद्रव करने वाले हमारी पार्टी के नहीं

प्रयागराज। प्रयागराज में बवाल के बाद सांसद चंद्रशेखर के बयान के बाद दलितों में

नाराजगी है। करछना इलाके के दलितों का कहना है कि हमारे बच्चे भीम आर्मी से जुड़े हैं, लेकिन चंद्रशेखर कह रहे हैं कि वहां पहुंचे लोग उनकी पार्टी के नहीं थे। यह तो बहुत ही गलत है। परिजनों ने पुलिस पर लड़कों को बेवजह ही घर से घसीट-घसीटकर अरेस्ट करने का आरोप लगाया है। पीड़ितों का कहना है कि 12 गांवों में लोगों की अरेस्टिंग हुई हैं। वहीं, पुलिस का दावा है कि सिर्फ उन्हीं लड़कों पर कार्रवाई हुई हैं, जो फोटो या वीडियो में दिख रहे हैं। 29 जून को भीम आर्मी प्रमुख सांसद चंद्रशेखर आजाद को करछना के ईसौटा गांव के रहने वाले दलित देवी शंकर के परिवार से मिलना था। 13 अप्रैल को गांव के ही ठाकुरों ने देवी शंकर की हत्या करके पेट्रोल डालकर लाश खेत में जला दी थी। मगर, नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को करछना पहुंचने से पहले सर्किट हाउस में ही पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर दिया। इसके बाद वह करछना नहीं पहुंच सके। वहीं, पुलिस ने पीड़ित परिवार को चंद्रशेखर से मिलवाने के लिए ले जाने का प्रयास करने लगी, लेकिन इससे पहले भीम आर्मी के समर्थकों ने भडेवरा स्थित हनुमान पुरी चौराहे पर पहुंच कर चक्का जाम की दिया। हंगामा करते हुए तोड़फोड़ करने लगे। समर्थकों ने पुलिस पर पथराव करते हुए वाहनों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने एक्शन लेते हुए 75 आरोपियों को जेल भेजा है।

अखिलेश के जन्मदिन पर कर दी किडनी दान, प्रयागराज की समाजसेवी अर्चना ने पति की अंतिम इच्छा पर किया अंगदान

प्रयागराज। जब लोग जन्मदिन पर उपहार लेते हैं, तब कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जो दूसरों को जीवन

का तोहफा देते हैं। प्रयागराज की धरती पर समाजसेवा का ऐसा ही अनोखा उदाहरण पेश किया है समाजवादी पार्टी की बांदा जिला अध्यक्ष और समाजसेवी अर्चना सिंह पटेल ने। उन्होंने अपने 47वें जन्मदिन पर एक जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी किडनी दान कर न केवल जीवनदान दिया, बल्कि यह पवित्र कार्य उन्होंने अपने दिवंगत पति की अंतिम इच्छा और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन को समर्पित किया।पूर्व शिक्षिका रहीं अर्चना सिंह पटेल का जीवन पूरी तरह समाज सेवा को समर्पित है। वर्ष 2021 में उनके पति का निधन हो गया था। पति के जाने के बाद उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। अर्चना बताती हैं कि उनके पति की यह इच्छा थी कि वह अपने करियर से बाहर निकलकर समाज की सेवा करें। उसी भावना को आत्मसात करते हुए उन्होंने शिक्षक पद से इस्तीफा दे दिया और समाज सेवा की राह पकड़ ली।उन्होंने कहा, 'मेरे पति ने हमेशा मुझे प्रेरित किया कि मैं अपनी क्षमताओं का उपयोग समाज के लिए करूं। उन्होंने मुझे नौकरी छोड़ने के लिए कहा, ताकि मैं पूरी तरह समाज सेवा में लग सकूं। उनकी यह इच्छा मेरे लिए किसी वचन से कम नहीं थी।'अर्चना पटेल ने अपने इस कार्य को तीन महान अवसरों से जोड़ा है। पहला- उनका अपना जन्मदिन, दूसरा- डॉक्टर्स डे और तीसरा- उनके राजनीतिक आदर्श और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन, जो 1 जुलाई को ही होता है।

प्रयागराज बेगम बाजार में पेट्रोल टैंकर पलटा,कोई हताहत नहीं

प्रयागराज। बमरौली इलाके के बेगमबाजार में आज सुबह करीब 5:15 बजे एक बड़ा हादसा टल

गया, जब एक पेट्रोल से लबालब भरा टैंकर अचानक तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। जिस वक्त हादसा हुआ, सड़क पर ट्रैफिक बहुत कम था, जिससे किसी जानमाल की क्षति की खबर नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंकर के पलटते ही एक जोरदार आवाज हुई और सड़क पर पेट्रोल फैलने लगा। टैंकर से पेट्रोल लीक होता देख स्थानीय लोग तुरंत सतर्क हो गए और घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों ने आग लगने की आशंका के चलते तुरंत पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही बेगम बाजार पुलिस चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और आस-पास की पूरी जगह को घेराबंदी कर खाली कराया। इसके बाद दमकल विभाग को भी सूचित किया गया। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ियां भी घटनास्थल पर पहुंच गईं और सुरक्षा के सभी इंतजाम करते हुए टैंकर से पेट्रोल को ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की गई।दमकल और पेट्रोलियम विभाग की टीम मिलकर पेट्रोल को सुरक्षित तरीके से निकाल रही है, ताकि आग लगने या विस्फोट जैसी कोई दुर्घटना न हो। इसके बाद क्रेन की मदद से टैंकर को सीधा किया जाएगा और सड़क को पूरी तरह से यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इस हादसे के चलते बेगमबाजार से सटे कुछ इलाकों में ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी से एक बड़ी अनहोनी टल गई। फिलहाल घटनास्थल पर स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

प्रयागराज में किराए पर दे दिया पीएम आवास योजना का आवंटित फ्लैट,माफिया अतीक अहमद से खाली करायी जमीन पर बना था फ्लैट

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद से लूकरगंज में खाली करायी जमीन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना नगरीय के अंतर्गत 76 फ्लैट का निर्माण कराया गया। दो साल में तैयार फ्लैट लॉटरी के जरिए बेघर और गरीबों को आवंटित कर दिया गया।इसमें यह शर्त थी कि पांच साल तक फ्लैट किसी को दिया नहीं जा सकेगा। उसके बाद भी कुछ आवंटियों ने फ्लैट को आवंटन के दो साल के अंदर ही किराए पर दे दिया और खुद पहले की तरह ही रहने लगे हैं। इसकी शिकायत योजना में फ्लैट आवंटियों ने ही की है। पीडीए तक शिकायत पहुंचने के बाद अब इसकी जांच करायी जा रही है।माफिया अतीक अहमद की अवैध संपत्ति और सरकारी जमीन कब्जा करने के मामले में सीएम योगी शुरू से एक्शन में है। इसी को देखते हुए पीडीए ने लूकरगंज में करोड़ों की जमीन माफिया के चंगुल से मुक्त करायी थी। इसके बाद सीएम ने यहां आकर 2021 में भूमि पूजन किया था।इसके बाद भूमि पर फ्लैट के निर्माण का कार्य शुरू हो गया था। करीब दो साल में फ्लैट निर्माण का कार्य पूरा किया। इसके बाद भव्य आयोजन के बीच आवंटियों को फ्लैट की चाभी दी गई। गरीबों को आवंटित फ्लैट का रुपया पांच साल में छोटी किस्तों में देने की व्यवस्था पीडीए की तरफ से की गई थी।पीएम आवास योजना के फ्लैट को आवंटियों द्वारा किराए पर दिए जाने की सूचना पर पीडीए के सचिव अजीत कुमार सिंह ने कहा कि यह गंभीर मामला है। नियमतः आवंटी ऐसा नहीं कर सकते हैं। पीडीए संबंधित अधिकारी से इसकी जांच कराएगी। अगर शिकायत सही पायी गई। तो ऐसे आवंटियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के शासनकाल में शहर के राजरूपपुर में कांशीराम आवास योजना का निर्माण कराया गया था। उसमें भी गरीबों और बेघरों को आवास आवंटित किए गए थे। यहां भी आवंटन के बाद कुछ लोगों ने कुछ दिन बाद ही अपने घर दूसरे लोगों को किराए पर दे दिए और खुद पहले की तरह ही झोपड़ियों में रहने लगे।

प्रयागराज में बारिश से अंबेडकर की मूर्ति हुई खंडित,लोगों ने रोष जताया, प्रशासन ने नई मूर्ति लगाने का दिया भरोसा

प्रयागराज। करछना क्षेत्र के धरवारा गांव में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति टूटने की खबर से तनाव का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास शुरू कर दिया। करीब दो घंटे के बाद ग्रामीण शांत हुए। प्रशासन ने ग्रामीणों को स्वसन दिया कि एक बार फिर से सम्मान के साथ मूर्ति को स्थापित किया जाएगा। करछना के धरवारा गांव में अंबेडकर की मूर्ति टूटने को लेकर हुए हंगामे के बाद मौके पर पुलिस और प्रशासन ने पहुंचकर स्थिति को संभालने का प्रयास करते हुए जांच शुरू करा दी। जांच में सामने आया की मूर्ति बारिश की वजह से टूटी थी। वही जांच के बाद मूर्ति स्थापित करने वालों ने भी इस बात की पुष्टि की है।आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराने के लिए प्रशासन ने ग्रामीणों से बातचीत भी की। दोनों पक्षों में सहमति बनी की नई मूर्ति को पूरे सम्मान के साथ फिर से स्थापित किया जाए। पुलिस ने मौके पर बहुत कोई स्थिति को संभाला और ग्रामीणों को शांत कराया। प्रशासन ने क्षेत्र में शांति बनाए रखने की अपील की है। जबकि इस घटना को लेकर पहले अफवाहों को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नई मूर्ति स्थापित करने का आश्वासन दिया है। वही एसीपी करछना अरुण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मूर्ति तोड़ी नहीं गई है। बारिश के कारण मूर्ति टूट गई है। मूर्ति को तोड़ने की बात पूरी तरह से अफवाह है।

पुरुष आयोग की मांग को लेकर प्रयागराज की जन कल्याण समिति 170 संस्थाओं के साथ जंतर-मंतर पर करेगी विरोध

प्रयागराज। देश में पुरुषों के अधिकारों और सुरक्षा की मांग को लेकर एक नई मुहिम शुरू हो गई है। इलाहाबाद जन कल्याण समिति के बैनर तले देशभर की 170 सामाजिक संस्थाएं एकजुट होकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन करने जा रही हैं। इस आंदोलन की अगुवाई समिति के अध्यक्ष मोहम्मद हन्जला उर्फ सद्दाम हुसैन कर रहे हैं। हन्जला ने कहा कि देश में पशुओं, महिलाओं, बच्चों और कई वर्गों के हित में आयोग और मंत्रालय बने हुए हैं, लेकिन आज तक पुरुषों के लिए न कोई आयोग है और न ही कोई मंत्रालय। यह एक गंभीर सामाजिक असंतुलन है। उन्होंने कहा कि देश में पुरुषों की आबादी अधिक होने के बावजूद उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिला कानूनों का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा है। अक्सर प्रभावशाली और संपन्न पुरुषों पर झूठे आरोप, खासकर नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत लगवाए जाते हैं। फिर पीड़ित को ब्लैकमेल कर समझौते के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है। हन्जला का कहना है कि झूठे आरोप लगाना कानूनन अपराध है, लेकिन इस पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिससे इस प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'जब तक झूठी शिकायतों और मुकदमों पर सख्त कानून नहीं बनते, तब तक कई निर्दोष पुरुषों की जिंदगी बर्बाद होती रहेगी।' समिति ने देश के सभी पुरुषों और समानता में विश्वास रखने वाले नागरिकों से अपील की है कि वे इस मुहिम में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। हन्जला ने कहा, 'न जाने कब किसी निर्दोष पर झूठा आरोप लग जाए और उसकी पूरी जिंदगी तबाह हो जाए। इससे पहले हमें आवाज़ उठानी होगी।' समिति का यह आंदोलन पुरुषों को समान अधिकार और न्याय दिलाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। धरने की तारीख और अधिक जानकारी जल्द जारी की जाएगी।

गोंडा में बाइक से जानलेवा स्टंट का वीडियो वायरलःकार चला रहे युवक ने वीडियो बनाया, एक्स पर पोस्ट किया

गोंडा। गोंडा के बालपुर में एक युवक द्वारा मोटरसाइकिल पर किए गए खतरनाक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह घटना 1 जुलाई की रात की है। एक कार सवार ने इस घटना को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया और एक्स पर पोस्ट कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि युवक बीच सड़क पर मोटरसाइकिल पर स्टंट कर रहा है। वह दोनों हाथ छोड़कर बाइक चलाता दिख रहा है, साथ की दोनों पैर एक साइड करके दूसरी ओर देख रहा है। बिना किसी सुरक्षा उपकरण के यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहा है। पुलिस नहीं लगा पाई युवक का पता इस दौरान उसकी और दूसरे लोगों की जान को खतरा बना हुआ था। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर चिंता जताई है। वीडियो वायरल होने के बाद भी पुलिस को अभी तक स्टंट करने वाले युवक के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

निवेश के नाम पर कारोबारी से 39.13 लाख की ठगीःसाइबर ठगों ने अलग-अलग खातों में मंगाए रुपए, 2 महीने बाद रिपोर्ट दर्ज

कानपूर। कानपुर में स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम कारोबारी से साइबर ठगों ने 39.13 लाख रुपए की ठगी की। करीब दो माह तक पीड़ित को धोखे में रखकर यह पैसा विभिन्न खातों में ट्रांसफर कराया गया। खाते में जमा रकम वापस मांगने पर साइबर ठगों ने और रुपए मांगे जिस पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ। कारोबारी ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।चकेरी के मौर्य भवन निवासी गौरव कुमार मूल रूप से मुजफ्फरनगर सिसौली के रहने वाले हैं। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर गौरव को स्टॉक में निवेश करने पर कई गुणा राशि कमाने का लालच दिया गया।जिसके बाद उन्हें टेलीग्राम पर वैनगार्ड फोरम-2-8 ग्रुप में जोड़ा गया। इंफोनेटिव सॉल्यूशन कंपनी के आईपीओ दिलाने के नाम पर उनसे अलग-अलग खातों में कई बार में 39.13 लाख रुपये जमा कराए गए। 6 फरवरी से 28 अप्रैल 2025 के बीच यह पैसा जमा करवाया गया।अलग-अलग खातों में पैसा मंगाए जाने पर भी गौरव को शक नहीं हुआ। ग्रुप पर उनके नाम आईपीओ अलॉट हो गया और पैसा भी कई गुना दिखाई देने लगा। थाना प्रभारी के मुताबिक जब गौरव ने पैसा वापस मांगा तो उनसे तरह-तरह के बहाने बनाकर और रुपयों की मांग की गई।इस पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि जिन खातों में रुपए मंगाए गए हैं, उन्हें सीज कर रुपए बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है।

40 बीघा की अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर,पीडीए ने की कार्रवाई कहा-जमीन खरीदने से पहले जांच करें

प्रयागराज। प्रयागराज में पीडीए की तरफ से अवैध प्लाटिंग के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। मंगलवार को भी प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से कोइलहा, जीटीरोड पर 40 बीघा की जमीन पर की गई अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त किया गया। इसके पहले भी प्राधिकरण की तरफ से लगातार कार्रवाई जारी है। पीडीए की तरफ से लगातार लोगों को सचेत किया जा रहा है कि अवैध प्लाटिंग में हो रही प्लाटिंग में जमीन खरीदने के पहले उसकी जांच करा लें। जिससे अवैध निर्माण के खिलाफ होने वाली कार्रवाई से बचा जा सकें।प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से मंगलवार को हुई कार्रवाई के दौरान अलग-अलग आर आरजी संख्या 86, 87, 89, 88,94, व 73 मौजा में 40 बीघा पर किए गए अवैध प्लाटिंग के खिलाफ बुलडोजर चलाकर प्लाटिंग की वालबाउंड्री को ध्वस्त किया गया। इस दौरान पीडीए के अधिकारियों के साथ ही संबंधित थाने के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस बारे में पीडीए के अधिकारियों ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। शहर के कई इलाकों में लगातार अवैध प्लाटिंग की जा रही है। ऐसे लोगों के जाल में फंसकर लोग प्लाट ले रहे हैं। जबकि प्लाट लेने के पहले लोगों को पीडीए से उसकी वास्तविक स्थिति का पता कर लेना चाहिए। जिससे आम लोगों का कम से कम नुकसान हो सके।

प्रयागराज में रात में हुई बारिश, अब हल्की धूप,अगले 3 दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा, 24 घंटे में गंगा के जलस्तर 5 सेमी बढ़ा

प्रयागराज। प्रयागराज में मंगलवार को दिन में लगातार रुक-रुक कर हुई बारिश के बाद बुधवार की सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। हालांकि सूरज बादलों के बीच से झांकने की कोशिश करता रहा, लेकिन बादलों ने उसे पूरे समय घेरे रखा। दिन में 11 बजे के बाद तेज धूप निकल आई। जिससे उमस बढ़ गई। दोपहर में करीब डेढ़ बजे से बादलों की लुका छिपी शुरू हो गई। वहीं एक्सपर्ट्स का कहना है कि शाम तक बारिश के आसार बने हुए हैं। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों की माने तो आने वाले तीन दिनों तक इसी प्रकार बारिश की संभावना बनी हुई है। पिछले 24 घंटे में फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में 5 सेमी की बढ़ोतरी हुई है।लंबे समय से गर्मी की मार झेल रहे लोगों को पिछले तीन से चार दिनों में हुई बारिश ने राहत पहुंचायी है।आसमान में छाए बादलों के साथ ही चल रही हल्की ठंडी हवाओं ने भी लोगों को राहत दी है। लेकिन उमस अभी बरकरार है। हालांकि मंगलवार को दिन में हुई तेज बारिश के कारण प्रयागराज के कई इलाकों में सड़क पर जल जमाव की स्थिति बन गई, लेकिन कुछ घंटों में पानी निकलने के बाद समस्या का समाधान हो गया। उधर इलाहाबाद डिग्री कॉलेज की दीवार भी ढह गई। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ।प्रयागराज के साथ ही पहाड़ों पर हो रही बारिश का असर भी प्रयागराज में गंगा के बढ़ते जल स्तर पर देखा जा सकता है। सिंचाई विभाग की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार बुधवार को गंगा नदी में फाफामऊ घाट पर जल स्तर 76.84 दर्ज किया गया। यानी जल स्तर में पांच सेमी की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। छतनाग घाट पर चार सेमी की बढ़ोत्तरी पिछले 24 घंटे में दर्ज की गई। यमुना के जल स्तर की बात करें तो उसमें पिछले 24 घंटों में गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक यमुना नदी के जल स्तर में 12 सेमी कमी आयी है।

डीएम ने जी.आई.सी. के छात्र सुरेश पाल को टैबलेट एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

20 वर्षो के पश्चात जनपद की टॉप 10 की सूची में जी.आई.सी. के छात्र ने नवम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को किया गौरवान्वित

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित वर्ष 2025 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा में जी.आई.सी. के छात्र सुरेश पाल पुत्र गंगाराम को हाईस्कूल की परीक्षा में 565/600 कुल 94.17 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिये कलेक्ट्रेट कार्यालय में टैबलेट एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सुरेश पाल ने माध्यमिक शिक्षा परिषद की आयोजित हाईस्कूल की परीक्षा में जनपद में नवम स्थान एवं विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर राजकीय इण्टर कालेज, रायबरेली को गौरवान्वित किया है।उल्लेखनीय है कि विगत 20 वर्षो के पश्चात राजकीय इण्टर कालेज के छात्र सुरेश पाल द्वारा जनपद की टॉप-10 की सूची में नवम स्थान प्राप्त किया गया है। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य रत्नेश कुमार व छात्र के अभिभावक उपस्थित रहें।

इनर व्हील क्लब का रक्तदान शिविर,सात डॉक्टरों का किया सम्मान, स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र दिए

प्रयागराज। इनर व्हील क्लब ऑफ इलाहाबाद ने एक बार फिर मानवता की सेवा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए आज एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह शिविर प्रयागराज के सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित आनहा चैरिटेबल ब्लड सेंटर (गर्ल्स हाई स्कूल के पास) में आयोजित किया गया, जो सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य था जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित और स्वेच्छिक रक्त एकत्र करना, साथ ही समाज में रक्तदान को लेकर जागरूकता बढ़ाना। क्लब की अध्यक्ष नूपुर कपूर ने बताया कि 'एक यूनिट रक्त से तीन जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। यह एक छोटा सा प्रयास किसी के लिए जीवन रक्षक बन सकता है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग आगे आएं और इस पुनीत कार्य में हिस्सा लें।'रक्तदान में भाग लेने वाले सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र और रिफ्रेशमेंट प्रदान किया गया। शिविर में न केवल रक्तदान हुआ, बल्कि सेवा भाव रखने वाले सात डॉक्टरों का भी सम्मान किया गया। क्लब की चेयरमैन प्रीति अग्रवाल के नेतृत्व में इन डॉक्टरों को दुपट्टा और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

प्रयागराज के अग्रवाल समाज ने 80 सीए का किया भव्य स्वागत

प्रयागराज। राष्ट्रीय चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस के अवसर पर मंगलवार को प्रयागराज के अग्रवाल समाज की तरफ से होटल नवीन कॉन्टिनेंटल, जीरो रोड में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहां पर प्रयागराज के अग्रवाल समाज की तरफ से समाज के 80 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) को उनके उत्कृष्ट योगदान और सेवाओं के लिए शॉल और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए समाज के अध्यक्ष पियूष रंजन अग्रवाल ने कहा कि 'हमारे युवा और वरिष्ठ सीए सदस्यों की ईमानदारी, निष्ठा और विशेषज्ञता समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह सम्मान समारोह उनके प्रति हमारी श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है।' वरिष्ठ अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने इस आयोजन को समाज में नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा का वाहक बताया, जबकि पूर्व सचिव विपुल मित्तल ने इसे समाज की प्रतिभाओं के प्रति सम्मान की परंपरा का सशक्त उदाहरण कहा। कोषाध्यक्ष मनीष गोयल ने आयोजन की तैयारियों की पारदर्शिता और समर्पण की भावना को रेखांकित किया, और संयोजक सीए नीरज अग्रवाल ने सीए समुदाय को न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक नेतृत्व का भी प्रतीक बताया। महामंत्री अभिषेक मित्तल ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में समरसता, संवाद और प्रेरणा को नई दिशा प्रदान करते हैं। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने कहा, 'ऐसे आयोजन समाज की सकारात्मक छवि को सामने लाते हैं और युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। मीडिया का यह दायित्व है कि इस तरह के सकारात्मक प्रयासों को जन-जन तक पहुँचाया जाए। इस मौके पर राम कृष्ण अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, विनय कुमार अग्रवाल, रमेश चन्द्र अग्रवाल, एवं नवीन चन्द्र अग्रवाल को विशेष रूप से स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह के अवसर पर अग्रवाल समाज की तरफ से दो बाल प्रतिभाओं को भी सम्मानि किया गया। इसमे अन्या अग्रवाल (11 वर्ष) और अनिकेत अग्रवाल (15 वर्ष) को उनके साहसी तैराकी प्रयासों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही 12वीं ऑल डिस्टिक्ट एएचसी टॉपर एवं कल्पना चावला पुरस्कार प्राप्त पूजा अग्रवाल को भी मंच से प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान युवा मंडल अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, महामंत्री वैभव गोयल, महिला मंडल अध्यक्ष मोना अग्रवाल, महामंत्री सलोनी अग्रवाल सहित समाज के सभी पदाधिकारी, सदस्यगण और अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय और सेना के बीच एमओयू, अब सेना के साथ आपदा प्रबंधन व सूचना प्रौद्योगिकी लिए भी काम करेगा ए.यू

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज और भारतीय सेना के सेंट्रल कमांड के बीच रक्षा और सामरिक विषयों के लिए एमओयू समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव की उपस्थिति में भारतीय सेना के मुख्यालय केंद्रीय कमान की ओर से मेजर जनरल राजेश भट, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, पूर्व यूपी एवं एमपी सब एरिया और इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर के पश्चात् मेजर जनरल राजेश भट और कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव के बीच औपचारिक फोल्डर विनिमय हुआ, जो इस संस्थागत साझेदारी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक था। इस शैक्षणिक सहयोग का उद्देश्य रणनीतिक नीति निर्माण, संघर्ष प्रबंधन, शांति प्रयासों, आपदा प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और मोबाइल नेटवर्क सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में आपसी आदान-प्रदान के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करना है। इस एमओयू से भारतीय सशस्त्र बलों के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों को इलाहाबाद विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान होंगे।अब इलाहाबाद विश्वविद्यालय रणनीतिक और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भारतीय सेना के साथ संयुक्त अनुसंधान, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और शोध पत्रों के प्रकाशन भी कर सकेगा। इस समझौते के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए एक समन्वय समिति गठित की गई है, जो दीर्घकालिक शैक्षणिक और रणनीतिक रोडमैप तैयार करेगी। इस एमओयू में शैक्षणिक उत्कृष्टता और सैन्य विशेषज्ञता के समन्वय के माध्यम से राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने और संस्थागत विकास को बढ़ावा देने में मद्द मिलेगी। यह साझेदारी अकादमिक अनुसंधान और नीति-निर्माण के बीच की खाई को पाटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय विमर्श को समृद्ध करना और भारत की सुरक्षा तथा विकास से जुड़े क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास में योगदान देना है। इस अवसर पर 'डिफेंस एंड स्ट्रैटजिक स्टडीज विभाग' की अध्यक्ष प्रो. भारती दास, डिप्टी रजिस्ट्रार देवेश गोस्वामी, 'डिफेंस एंड स्ट्रैटजिक स्टडीज विभाग' के शिक्षक डा. सर्वश्रेष्ठ धामी, सहायक कुलसचिव निखिल आनंद आदि रहे।

मेजा में नाले से मिला युवक का शव,ग्रामीणों ने दोपहर में देखा तैरता शव, पुलिस जांच में जुटी

प्रयागराज।प्रयागराज के मेजा थाना अंतर्गत सिंह पुर इलाके के एक नोए मे 40 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिलने से लोगो मे हड़कंप मच गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कों नाले से बाहर निकाल शीनख्त हेतु घंटो प्रयास किया,लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।पुलिस ने शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। पुलिस मामले की जाँच मे जुट गई है।मिली जानकारी के अनुसार,मेजा थाना क्षेत्र के सिंह पुर गाव स्थित नाले मे बुधवार की दोपहर शौंच कों गए विनोद नामक युवक ने तैरता हुआ शव देखा।उसने ग्रामीणों कों जानकारी दी तो भारी भीड़ जुट गई।इसकी सूचना तत्काल ग्रामीणों ने पुलिस कों दिया।उक्त सूचना कोहड़ार् चौकी इंचाइज मय हमराह घटनास्थल पहुँचे।पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव कों नाला से बाहर निकलवाया।इसके बाद पुलिस शव की शीनख्त मे घंटो प्रयासरत रही।लेकिन शव की पहचान मे पुलिस कों सफलता नहीं मिल सकी।वहीं पुलिस ने शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। पुलिस मामले की जाँच मे जुट गई है।मामले मे कोहड़ार् चौकी इंचार्ज अमित कुमार सिंह ने बताया की शव की पहचान नहीं हो पै है।शव पीएम भेज अग्रिम जाँच की जा रही है।

प्रयागराज-प्रतापगढ़ हाईवे पर ऑटो से उतरते समय हादसा,तेज रफ्तार वाहन ने मरी टक्कर,पत्नी के साथ जा रहा था घर

प्रयागराज। प्रयागराज के सोरांव थाना क्षेत्र में बुधवार को एक सड़क हादसे में 37 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। मृतक राजू प्रतापगढ़ के कुंडा थाना क्षेत्र के भदरी गांव का रहने वाला था।घटना उस समय हुई जब राजू अपनी ससुराल सोरांव के ददौली गांव से वापस लौट रहा था। हाईवे पर ऑटो से उतरते समय एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई।राजू अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। छह साल पहले उसकी शादी सुशीला देवी से हुई थी। दंपति की कोई संतान नहीं है। वह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस फरार वाहन और चालक की तलाश कर रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। पुलिस ने फरार चालक की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

पोस्टमार्टम के बाद 'जिंदा' हो गया शख्स, पुलिस के लिए बना सिर दर्द

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक का शव मिला. युवक की पहचान की गई और उसको दफना दिया गया. लेकिन बाद में पता चला कि जिस शख्स के रूप में शव की पहचान कर दफिना किया गया है. वह जिंदा है. उसने गांव वालों को अपने जिंदा होने की जानकारी दी. अब जिस व्यक्ति को दफनाया गया है. उसकी पहचान कराना पुलिस के लिए सिर दर्द बन गया है.उत्तर प्रदेश के औरैया के सदर कोतवाली क्षेत्र से एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है. कोतवाली क्षेत्र के पुरवा रहट में मिले एक युवक के शव को अयाना थाना क्षेत्र के सेंगनपुर गांव के रहने वाले लोगों ने रिश्तेदार समझकर उसकी शिनाख्त नूर मोहम्मद के रूप में की. पोस्टमार्टम के बाद उसको कब्रिस्तान में दफना दिया गया. लेकिन जिस व्यक्ति की

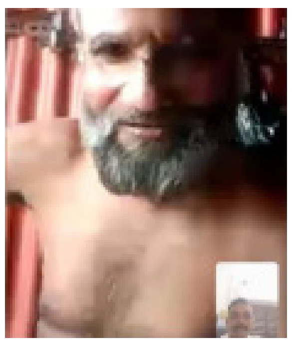

पहचान कर दफिना किया गया. वह जिंदा है.मोहर्रम का त्योहार करीब आने पर जिस शख्स को मृत समझकर दफनाया गया था. उसने ग्रामीणों से संपर्क कर अपने जिंदा होने की जानकारी दी. अब जिस शख्स को दफनाया गया उसकी पहचान कराना पुलिस के लिए सिर दर्द बन गई है. दरअसल, सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव पुरवा रहट स्थित काशी ईंट भट्ठे के पास 27 जून की दोपहर को एक 40 वर्षीय युवक का शव मिला था.ग्रामीणों ने जानकारी दी कि जिस युवक का शव मिला. वह मानसिक रूप से बीमार था. उसे दो-तीन दिन से गांव के आसपास घूमते देखा गया था. शव की शिनाख्त के लिए पुलिस ने उसके फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किए थे. सोशल मीडिया पर पुलिस की ओर से अपलोड की गईं फोटो को देख सेंगनपुर के रहने वाले गुलमीर का बेटा समशुल और उनका पड़ोसी युसूफ खान पुलिस के साथ मोर्चरी पहुंचे.उन्होंने चेहरे से शव की पहचान समशुल के भांजे 40 साल के नूर मोहम्मद के रूप में की. उन्होंने बताया था कि नूर मोहम्मद मुंबई में प्राइवेट जॉब करता था. इसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजन को सौंप दिया था. परिजन शव को घर ले आए और रात में उसको गांव के ही कब्रिस्तान में दफन कर दिया. शव को दफनाने के बाद से 40वें की तैयारियों में जुटे गए थे.इसी बीच मंगलवार को नूर मोहम्मद ने अपने घरवालों से वीडियो कॉल पर बात की और मोहर्रम पर घर आने की जानकारी दी. ये जानकर कि नूर जिंदा है ग्रामीण और परिजन भौचक्का रह गए. लेकिन मृतक की असली पहचान करवाना अब पुलिस मुश्किल हो गया है. क्षेत्राधिकारी अजीतमल महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिजन के मुताबिक हमशक्ल होने के चलते भूलवश शिनाख्त हो गई. नूर मोहम्मद के गांव आने के बाद ही मामला साफ हो सकेगा. घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई है.

अनुप्रिया के खिलाफ बगावत, 'अपना मोर्चा' बनाया, लखनऊ में राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले-9 विधायक संपर्क में,ग्रीन सिग्नल का इंतजार कर रहे

लखनऊ। यूपी में मंगलवार को अनुप्रिया पटेल के अपना दल (एस) के बागी नेता खुलकर सामने आ गए। इन बागी नेताओं लग गए। केंद्र सरकार की राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल की अपमानित करने वाली हरकतों से आजिज कार्यकर्ता अब खुद

ने लखनऊ प्रेस क्लब में बैठक कर नए राजनीतिक मोर्चे 'अपना मोर्चा' बनाने का ऐलान किया। राष्ट्रीय जन सरदार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंत चौधरी इस मोर्चा का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अपना दल (एस) के 9 विधायक उनके संपर्क में हैं। दिल्ली से 'ग्रीन सिग्नल' मिलते ही ये विधायक पार्टी छोड़कर उनके साथ आ जाएंगे। माना जा रहा है कि यह यूपी की कुर्मी सियासत में बड़ा धमाका है।अपना दल (एस) के युवा मोर्चा के अध्यक्ष रह चुके हेमंत चौधरी ने कहा- जो 9 विधायक हमसे संपर्क में हैं, वो अपना दल में खुद को गुलामी कि जंजीरों में जकड़ा महसूस कर रहे हैं। उन्हें अगर सांस भी लेनी है, तो पार्टी अध्यक्ष की सहमति लेनी होती है। यहां तक कि किसी काम से मंत्री या सीएम से मिलना भी हो, तो इजाजत लेनी पड़ती है।हेमंत चौधरी ने कहा- अपना दल सोनेलाल की सच्चाई जाननी हो तो पिछले एक साल का सोशल मीडिया देखिए। हर महीने की बैठक में 13 में से सिर्फ 3-4 विधायक आते हैं। नाराज नहीं हैं, तो गायब क्यों हैं?' आशीष पटेल पर निशाना साधते हुए कहा कि सदन में सिर्फ वही बोलते हैं, नेता को मौका नहीं मिलता। समिति में शामिल होने पर विधायक को जलील किया जाता है। मंत्री या सीएम से मिलने पर बागी कह दिया जाता है। आज पार्टी में संवाद नहीं, सजा मिलती है। यही कारण है कि हम अलग हुए हैं। मोर्चे के संयोजक बृजेंद्र प्रताप सिंह पटेल ने कहा- 2017 में जब मां (कृष्णा पटेल) और बेटी (अनुप्रिया पटेल) का झगड़ा चल रहा था, तभी कार्यकर्ताओं ने अपना दल (एस) पार्टी बनाई थी। जवाहर लाल पटेल इस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। जो पार्टी कार्यकर्ताओं ने बनाई, उसी पार्टी को अपनी पावर के दम पर अनुप्रिया पटेल ने रातोंरात खरीद लिया। साथ ही अपने पति को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बना दिया। उन्होंने कहा- अनुप्रिया पटेल ने बिरादरी (कुर्मी समाज) से विश्वासघात किया। अब कार्यकर्ता दल चलाएंगे। 10 साल तक कंधों पर ढोकर हम उन्हें सत्ता के दरवाजे तक लाए, लेकिन पति-पत्नी ने कार्यकर्ताओं को अपमानित करने का काम किया है।बृजेंद्र प्रताप सिंह पटेल ने कहा- अपना दल (एस) के संस्थापकों ने लंबी चर्चा के बाद 'अपना मोर्चा' बनाया है। मोर्चा ही अब अपना दल सोनेलाल के कार्यकर्ताओं की अधिकृत आवाज माना जाए। अब तक हम जिन्हें कमेरा समाज का भरोसेमंद चेहरा समझ रहे थे, वो अनुप्रिया सिंह पटेल परिवारवादी हैं। उससे कहीं आगे जाकर वह सिर्फ पतिवादी साबित हुई हैं। उनका झूठ कार्यकर्ता जान चुके हैं। लेकिन, अफसोस यह कि सच्चाई साबित होने और समाज तक आने में 10 साल दल की कमान संभालेंगे। अपना दल सोनेलाल की स्थापना करने वाले बहुसंख्य नेता और जिलों-गांवों के मिशनरी कार्यकर्ता अब 'अपना मोर्चा' के साथ हैं। 2 दिन बाद हम बाकी लोगों को भी साथ आने की अपील करेंगे।बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- हम बागी नहीं, अपना दल की आत्मा हैं। 10 साल का दर्द, अपमान और संघर्ष अब एकजुट हुआ है। जिनको कभी निकाला गया, अपमानित किया गया, अब वे सब साथ हैं। अपना दल सोनेलाल और बलिहारी अब हममें जीवित हैं। 2017 में पार्टी हाईजैक हुई थी, आज हम मानसिक रूप से आजाद हैं। यही मोर्चा अब असली अपना दल है।बौद्ध अरविंद पटेल ने कहा कि पिछली बार के 9 विधायकों में सिर्फ एक को मजबूरी में टिकट दिया गया। क्योंकि उसका कोई खरीदार नहीं था। जैकी जी की ही सीट बदल दी गई। इसका मतलब पैसे के ही चक्कर में ये सब किया गया। जहां तक पैसे की बात है, तो पार्टी की बैठक में स्वीकार किया गया कि 6 करोड़ रुपए चंदा आया है। जौनपुर में एक बाहुबली की पत्नी को जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने के लिए पार्टी की अधिकृत प्रत्याशी खुद का वोट तक उन्हें दे आईं। फिर भी वे पार्टी में बनी हुई हैं। इसका जवाब आशीष पटेल या अनुप्रिया पटेल को देना चाहिए कि ये किसके निर्देश पर हुआ और एक्शन क्यों नहीं लिया गया?मोर्चा ने मांग रखी कि अब भारतीय जनता पार्टी की लीडरशिप इस बात का सर्वे कराए कि किसान-कुर्मी-कमेरा मतदाता किसके साथ है? हम जानते हैं कि ये लोग बिखर गए हैं। इसीलिए हम बिखर गई टीम को एकजुट करने का अभियान चला रहे हैं। एनडीए में हमें गृहमंत्री अमित शाह लाए थे। वह भी देख लें कि अनुप्रिया पटेल और उनके पति ने जो हरकतें पिछले 10 साल में कार्यकर्ताओं और बिरादरी के साथ की हैं, उससे कुर्मी बिरादरी का एनडीए से भी मोह भंग हुआ है। अनुप्रिया पटेल कार्यकर्ताओं के बीच भरोसा खो चुकी हैं। बिरादरी में भी उनके प्रति कोई सहानुभूति नहीं बची।बृजेंद्र सिंह ने कहा- 2 जुलाई को मोर्चा की बैठक लखनऊ में पिकनिक स्पॉट रोड फरीदीनगर के कुर्मी क्षत्रिय भवन में दोपहर 1 बजे है। इसमें आगे की योजना पर विचार होगा। मोर्चा यूपी विधानसभा- 2027 से पहले पंचायत चुनाव में अपना दम दिखाने की तैयारी में है।इस मौके पर अपना दल बलिहारी के अध्यक्ष धर्मराज पटेल, बौद्ध अरविंद सिंह पटेल (सदस्य पूर्वांचल विकास बोर्ड), अपना दल सोनेलाल के पूर्व राष्ट्रीय सचिव-किसान नेता केदारनाथ सचान, अपना दल यूनाइटेड के अध्यक्ष बच्चा सिंह पटेल, किसान-नौजवान संघ के कार्यकारी अध्यक्ष पटेल महेंद्र सिंह सहित कई बागी नेता मौजूद रहे।

लखनऊ में पकड़ी गई ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की अवैध फैक्ट्री, जनरल स्टोर की आड़ में चल रही थी,1.20 करोड़ के इंजेक्शन बरामद

लखनऊ। लखनऊ के काकोरी इलाके में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (औषधि अनुभाग) और ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने की पूर्व में सूचना मिली थी। इसको लेकर सर्विलांस और मुखबिर को

एसटीएफ की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। हनुमंत किराना एंड जनरल स्टोर की आड़ में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाया जा रहा था। मौके से तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।छापेमारी में 2396 भरी बोतलें मिलीं। हर बोतल में 180श्थ प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन, 77,900 भरे एम्प्यूल, हर एम्प्यूल में 2श्थ, 800 खाली बोतलें, रबर कैप, एल्युमिनियम सील, प्लास्टिक कूप्पियां, नमक के पैकेट और इंजेक्शन भरने की पाइप मिली है। इनकी कीमत करीब 1.20 करोड़ रुपए बताई जा रही है। टीम ने इंजेक्शन का नमूना लेकर जांच के लिए भेज दिया है। बाकी बचे इंजेक्शन और सामग्री को सीज कर दिया है।अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित सक्रिय किया गया था। 2 जुलाई को सूचना मिली कि काकोरी में हनुमंत किराना एंड जनरल स्टोर के आवासीय परिसर में प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने की अवैध फैक्ट्री चल रही है।सूचना के आधार पर अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अमित कुमार नागर और सहायक आयुक्त (औषधि) बृजेश कुमार के निर्देशन में टीम ने छापा मारा। टीम में औषधि निरीक्षक विवेक कुमार सिंह, इंस्पेक्टर दिलीप तिवारी और एसटीएफ के अन्य अधिकारी शामिल रहे।टीम ने खगेश्वर पुत्र सुकई निवासी बसंत सिंह पुरवा सीतापुर, अवधेश पाल पुत्र लीला पाल, निवासी बुद्धेश्वर मॉडल सिटी लखनऊ और अनमोल पाल पुत्र अवधेश पाल, निवासी मायापुरम् लखनऊ को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ काकोरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया।

यही वाले सांप ने काटा हैं मेरे पति को 'साहब सांप देखकर इलाज करो

लखनऊ। महोबा के घटेवरा गांव में 52 वर्षीय हरगोविंद को सांप ने काटा. उनकी पत्नी रामधकेली ने पति को अस्पताल ले जाते समय, सांप को भी साथ ले गई. ताकि डॉक्टरों को सांप की पहचान करने में मदद मिल सके और बेहतर इलाज हो सके. यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है जिसमें रामधकेली के पति के प्रति प्रेम की सराहना की जा रही है.उत्तर प्रदेश के महोबा से एक ऐसा मामला सामने आया है जिससे सुनने के बाद हर कोई सन्न रह गया. जी हां, यहां पर एक महिला अपने पति को सांप के काटने के बाद इलाज के लिए ले गई. हॉस्पिटल में उसने डॉक्टर से पति का इलाज करने को कहा. साथ ही महिला उस सांप को भी हॉस्पिटल ले गई जिसने उसके पति को काटा था. महिला को इस बात पर यकीन था कि डॉक्टर को अगर ये पता चल जाए कि किस सांप ने काटा है तो उसके पति का बेहतर इलाज

किया जा सकता है.यह चौंकाने वाली घटना महोबा के पनवाड़ी विकाखंड की है, जहां पर घटेवरा नाम के गांव में 52 साल के हरगोविंद को एक सांप ने काट लिया. हरगोविंद को सांप ने तब काटा जब वह पशुओं के बाड़े में काम कर रहे थे. जब सांप ने उन्हें काटा तो हरगोविंद चिल्लाए और पास में पड़े डंडे से उन्होंने सांप को मार डाला. सांप के काटने के बाद चिल्लाने की आवाज हरगोविंद की पत्नी रामधकेली ने सुन ली और वह दौड़कर अपने पति के पास पहुंची.पत्नी ने तुरंत पड़ोसियों को बुलाया, गांव के एक सपेरे को भी बुलाया गया जिसने जहर निकालने की कोशिश की. जब आराम लगते नहीं दिखा तो उनकी पत्नी ने पड़ोसियों की मदद से अपने पति को हॉस्पिटल पहुंचाया. हॉस्पिटल में जब डॉक्टर जांच करने के लिए आए तो उन्होंने हरगोविंद को तुरंत आईसीयू में भर्ती किया और उसका इलाज शुरू कर दिया. इसी दौरान रामधकेली ने डॉक्टर को आवाज लगाई. जब डॉक्टर ने रामधकेली की ओर देखा तो उसने अपने हाथ में वही सांप पकड़ा हुआ था जिसने उनके पति को काटा था.रामधकेली से जब सांप को लाने का कारण पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस बात पर भरोसा था कि अगर डॉक्टर सांप को देख लेंगे कि उनके पति को किस सांप ने काटा है तो उनके पति का इलाज और भी बेहतर और कारगर हो सकता है. बस इसलिए रामधकेली मरे हुए सांप को थैली में रखकर अपने साथ ले गई थी. रामधकेली के हाथ में सांप देखकर पूरे हॉस्पिटल में हड़कंप मच गया. हालांकि इस दौरान कुछ लोग उनका अपने पति के लिए प्यार देखकर उनकी तारीफ भी करते हुए दिखाई दिए.

1 लाख के इनामी लुटेरे की तेजी कि डेढ़ घंटे में 3 महिलाओं को लूटा था,पुलिस ने लगाया ब्रेक, एक पैर में गोली

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में मंगलवार देर रात पुलिस और लुटेरे की मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने लुटेरे को रुकने महिलाओं से लूट की थी। ब्रजेश पहले ही गिरफ्तार हो चुका है।डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि मंगलवार को रात करीब अपने साथी ब्रजेश तिवारी के साथ 28 जून की सुबह पांच बजे से करीब 6:30 बजे के बीच कृष्णा नगर, गोमतीनगर और विकास नगर में

का इशारा किया तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने घेराबंदी की। जवाबी कार्रवाई में लुटेरे के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके अस्पताल में भर्ती कराया।उसकी पहचान 1 लाख के इनामी लुटेरे अनुभव शुक्ला उर्फ राजा निवासी लखीमपुर के रूप में हुई। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 30 मुकदमे दर्ज हैं। 28 जून को उसने अपने साथी ब्रजेश तिवारी निवासी सुभाष, नगर लखीमपुर के साथ मिलकर डेढ़ घंटे में 3 10 बजे ग्वारी चौराहे के पास पुलिस टीम चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस की तरफ आते दिखा। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो दूसरी तरफ पैदल भागने लगा। पुलिस ने पकड़ने के लिए पीछा तो उसने पुलिस पर फायरिंग दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो उसके पैर में गोली लगी। पूछताछ में उसकी पहचान लखीमपुर निवासी अनुभव शुक्ला उर्फ राजा के रूप में हुई। आरोपी ने बताया कि उसने तीन महिलाओं से चेन, बाली और पैंडल लूटे थे। उन्होंने बताया कि ब्रजेश तिवारी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। उसने साथी अनुभव का नाम बताया था। क्रिमिनल हिस्ट्री की जांच की गई तो अनुभव पर 30 से ज्यादा मुकदमे दर्ज मिले। इसके आधार पर उस पर 1 लाख का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी के पास लूट का सामान, पिस्टल, कारतूस और खोखा बरामद हुआ है।शशांक सिंह ने बताया कि पीड़ितों ने बयानों में लुटेरों का एक जैसा हुलिया बताया था। जिसके बाद सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से ब्रजेश को पकड़ा गया। ब्रजेश से पूछताछ में सामने आया कि वह अपने साथी अनुभव के साथ चोरी की बाइक से लूट करते थे। कोई पकड़ न सके इसलिए नंबर प्लेट भी नहीं लगाते हैं। इन लूट के लिए भी लखीमपुर से एक बाइक चोरी की थी। जिसके बाद सुबह लखीमपुर से आकर लूटपाट कर वापस घर लौट गए थे। ब्रजेश के खिलाफ खीरी और सीतापुर में पांच मुकदमे दर्ज हैं। गोमतीनगर इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया लुटेरों ने कृष्णा नगर में लूटी गई चेन का एक टुकड़ा राह चलते व्यक्ति को बेच दिया था। इन लुटेरों ने सीतापुर में भी लूट की एक लूट की थी।कृष्णा नगर के गीतापल्ली निवासी सचिवालय में तैनात अपर निजी सचिव विजन कुमार सिंह की पत्नी सुरुचि सुबह करीब पांच बजे मॉर्निंग वॉक पर गई थीं। बृजेश और अनुभव ने चेन लूट ली थी। गोमतीनगर विवेक खंड निवासी पद्मा पांडेय की चेन और पेंडेंट लूट था। उनके पीछा करने पर गलियों से भाग निकले थे। विकास नगर तुलसी पार्क के पास महेंद्र प्रताप जायसवाल की मां से पान मसाला खरीदने के बहाने बाली लूटे थे।

लखनऊ में दीवार तोड़कर घर में घुसी स्कॉर्पियो,3 लोग घायल बीजेपी ब्लॉक प्रमुख का स्टिकर लगा था; बीयर की बोतलें मिलीं

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार देर रात एक तेज रफ्तार

स्कॉर्पियो कार संकल्प वाटिका के पास एक मकान की दीवार तोड़ते हुए अंदर घुस गई। हादसे में घर में रहने वाले दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्कॉर्पियो सवार एक युवक भी घायल हो गया। स्कॉर्पियो सवार दो युवक और एक युवती मौके से फरार हो गई। स्कॉर्पियों के डैश बोर्ड पर बियर की बोतल रखी थी। बीजेपी के ब्लॉक प्रमुख का स्टिकर चस्पा था। स्कॉर्पियो उत्तराखंड नंबर की है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बीती रात यानी मंगलवार को स्कॉर्पियो बेकाबू होकर मकान की दीवार फाड़ती हुई घर के अंदर घुस गई। स्कॉर्पियो में तीन युवक और एक युवती सवार थे। सभी नशे की हालत में नजर आ रहे थे। हादसे के बाद एक युवक कार में ही घायल पड़ा रहा, बाकी दो युवक और युवती मौके से फरार हो गई। कार से बियर की बोतल और नशे से जुड़ा सामान मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्कॉर्पियो बहुत तेज रफ्तार में थी और झूमते हुए आ रही थी।स्कॉर्पियो पर बीजेपी ब्लॉक प्रमुख का स्टिकर कैसे और क्यों लगा था? क्या सत्ताधारी दल के प्रभाव से स्कॉर्पियो सवार सड़क पर हुड़दंगई कर रहे थे? उत्तराखंड नंबर की स्कॉर्पियो लखनऊ की सड़कों पर बिना चेकिंग कैसे घूम रही थी?महानगर पुलिस का कहना है कि स्कॉर्पियो को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। फरार लोगों की पहचान की जा रही है। बीयर की बोतल और गाड़ी में मिले अन्य सामान की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी।

वीरांगना ऊदा देवी पासी अवध एवं पासी समाज की शान थीं - दिवाकर मिश्र

रायबरेली। अवध के लखनऊ शहर में महान देश भक्त वीरांगना ऊदा देवी पासी ने उजरिया रियासत के जमींदार के यहाँ आज ही के दिन जन्म लिया था, वीरांगना ऊदा देवी पासी उजरिया रियासत की एकमात्र वारिस थीं। इनकी शादी अर्जुनगंज के रियासतगीर के पुत्र महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी मक्का पासी के साथ हुई थी। मक्का पासी लखनऊ के बादशाह वाजिद अली शाह के सेना के सेनापति थे, जो अंग्रेजों की सेना ने रात में धोखे से 200 सैनिकों सहित मक्का पासी के ऊपर अंधाधुंध गोली, बम से हमला कर मार डाला था, पति का प्रतिशोध लेने व क्रोध में वीरांगना ऊदा देवी पासी ने अँग्रेजी सेना के ऊपर वर्तमान समय में सिकन्दरबाग चौराहे पर स्थित पीपल के वृक्ष पर चढ़कर 36 अंग्रेजो को गोली मारकर मौत के घाट उतारने के बाद 16 नवम्बर 1857 को वीरगति को प्राप्त हुई थीं। उक्त उद्गार भाजपा कार्यालय अटल भवन में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मण्डल उपाध्यक्ष दिवाकर मिश्र ने व्यक्त किये। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय पासी सेना के अध्यक्ष संजय पासी ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुबोध कुमार बाजपेयी मण्डल उपाध्यक्ष, नन्द कुमार सिंह मण्डल अध्यक्ष, गोविन्द शुक्ला मण्डल महामंत्री, सुखदेव यादव, सहदेव सरोज, अनुराग पासी, अमरेश पासी, रामदीन पासी, अयोध्या पासी, उमेश पासी, अनूप पासी, राकेश पासी, दिनेश पासी, चन्दन पासी सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीड़ित मानवता की सेवा ही चिकित्सक का धर्मःडॉ रमेश चंद्रा

प्रयागराज। आज अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर विगत चार दशक से चिकित्सा कार्य कर रहे विश्व संवाद परिषद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय प्रति चिकित्सा परिषद के क्षेत्रीय मंत्री डॉ रमेश चंद्रा जी को समाज में उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए नगर के होटल विलास में नव नियुक्त हुए लायंस क्लब इंटरनेशनल के मंडलाध्यक्ष डॉ अर्पण धर दुबे एवं उपमंडलाध्यक्ष उदय चंदानी और उमेश चंद कक्कड़ द्वारा सम्मानित किया गया।यह अवार्ड नगर के प्रतिष्ठित चिकित्सकों को लायंस क्लब इंटरनेशनल प्रत्येक वर्ष देता रहता है। आज के आयोजन में लगभग पचास से अधिक लोगों को यह अवार्ड दिया गया। लायंस क्लब प्रयागराज रॉयल के तीन चिकित्सक डॉ रमेश चंद्रा, डॉ दीपक सोनी एवं डॉ सूर्यनाथ प्रजापति को सम्मानित किया गया।

आजमगढ़ के भाजपा नेता ने की थी आगरा में फायरिंग,ताजमहल के पास सोमवार को हुई थी घटना, खुद को बता रहा था भारत सरकार का अधिकारी; पत्नी-बच्चों के साथ घूमने आया था

आगरा। आगरा में ताजमहल के पास फायरिंग करने वाले मानसिक रोगी

ने खुद को भारत सरकार का अधिकारी बताया था। कार में ही ताजमहल के गेट तक जाना चाहता था। मना करने पर पुलिसकर्मियों से अभद्रता भी की थी। पुलिस ने आरोपी पंकज कुमार सिंह के साथ ही कार ड्राइवर नंदलाल को जेल भेज दिया है। आरोपी पंकज आजमगढ़ में भाजपा नेता है।सोमवार सुबह ताजमहल के पश्चिमी गेट पार्किंग के पास अमरूद का टीला पर एक व्यक्ति ने हवाई फायरिंग की थी। वो प्रतिबंधित क्षेत्र में कार सहित जाना चाहता था। मना करने पर तीन राउंड फायरिंग की। फायरिंग करते ही वो वहां से फरार हो गया।घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए। फुटेज से कार का नंबर निकाला गया। कार को कब्जे में लिया गया। कार ड्राइवर से पूछताछ की। ड्राइवर ने बताया कि आरोपी ने दूसरी कार एत्माउद्दौला से बुक कर ली थी। आरोपी लखनऊ एक्सप्रेस वे से लखनऊ पहुंच गया था। जहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।आरोपी पंकज कुमार सिंह आजमगढ़ का रहने वाला है। पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी मानसिक रोगी है। उसका 20 सालों से लखनऊ में नूर मंजिल साइकेट्रिक सेंटर में इलाज चल रहा है। आरोपी अपने बीवी-बच्चों सहित परिवार के 6 सदस्यों के साथ घूमने निकला था।प्रयागराज से पहले मथुरा पहुंचे। गोवर्धन में मंदिर देखे। पुलिस को पूछताछ में उसने बताया कि मथुरा के गोवर्धन में बीवी-बच्चों से किसी बात पर झगड़ा हो गया। इसके बाद वो अकेला ही वहां से कार बुक कर आगरा ताजमहल देखने पहुंचा था।आरोपी पंकज आजमगढ़ में भाजपा नेता है। आजमगढ़ में भाजपा का जिला उपाध्यक्ष रह चुका है। किसान मोर्चा का उपाध्यक्ष भी रहा है। लेकिन 6 महीने पहले विवाद के कारण उसे हटा दिया गया।

सपा नोएडा महानगर ने बड़ी धूमधाम से मनाया सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन

नोएडा सपा नोएडा महानगर ने महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय

गुप्ता के नेतृत्व में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 52 वा जन्मदिन , केक काटकर बड़े धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया, इस अवसर पर नोएडा महानगर संगठन द्वारा सबसे पहले वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया उसके बाद, नोएडा सेक्टर 31रोटरी क्लब व सेक्टर 39 सरकारी अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बहुत सारे समाजवादी साथियों ने रक्तदान किया। रक्त दान करने वाले मुख्य लोगों में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता, गौरव चाचरा, रविंदर यादव ,मयंक लाल, टीटू यादव, ऋषि कुमार,सागर, राणा मुखर्जी, मेहकार तंवर, बिल्लू सैफी, सुरेंद्र कुमार, रोहित यादव, उदय सिंह महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने अखिलेश यादव जी की उत्तम स्वास्थ्य की कामना की, प्रदेश सचिव सुनील चौधरी, प्रधान भरत यादव, जय करण चौधरी के साथ-साथ महानगर संगठन के सभी साथियों ने जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके दीर्घायु जीवन की कामना की। आज के कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में महासचिव विकास यादव, मोहम्मद तसलीम, संजय त्यागी, मुकेश प्रधान, नीतीश बसोया, बबलू चौहान, गौरव कुमार, यादव,मोहम्मद नौशाद,भीष्म यादव, विवेक यादव, दिव्यांशु यादव, बबली शर्मा ,रामवीर यादव, तनवीर, राम सहेली, केपी यादव, चिंटू त्यागी, शालिनी खारी, विनोद प्रधान, हरपाल सिंह जाटव, लखन यादव, मुकेश यादव, सुमित अंबावत, कविता गुर्जर, गौरव यादव, दिलशाद, अमित बसोया, अंकित यादव, अमित यादव, नकुल चौहान, गुलजार अल्वी, मोहित यादव, सोनू त्यागी, पंकज चौरसिया, संजय धींगान, भैया राम यादव आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

8 तालों की सील से निकला 350 साल पुराना ताजिया,मुगल और ईरानी आर्ट का नायाब नमूना है

वाराणसी। वाराणसी के दोषीपुरा स्थित बारादरी इमामबाड़े

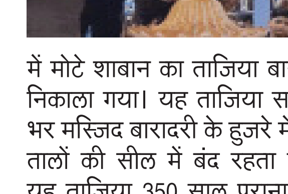

में मोटे शाबान का ताजिया बाहर निकाला गया। यह ताजिया साल भर मस्जिद बारादरी के हुजरे में 8 तालों की सील में बंद रहता है। यह ताजिया 350 साल पुराना है और साल 1981 से 6 मोहर्रम को यह ताजिया मस्जिद में बने हुजरे से पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में 8 तालों की सील हटाकर बाहर निकाला जाता है। ताजिया बाहर निकालने के दौरान मस्जिद के बाहर और अंदर सैकड़ों लोग मौजूद थे। ताजिया 42 पार्ट में अलग-अलग करके रखा गया था। जिसे निकाला गया।साल 1981 से बारादरी मस्जिद के 10गुने10 के हुजरे में बंद मोटे शाबान का ताजिया (हाईकोर्ट का ताजिया) हर साल की तरह 6 मोहर्रम की सुबह 10 बजे बाहर निकाला गया। 8 तालों की सील में साल 2024 की 12 मोहर्रम की रात में बंद किया गया ताजिया पुलिस की मौजूदगी में सील खोलकर बाहर निकाला गया। इस सील पर मुतवल्ली गुलजार अली और जैतपुरा पुलिस की मुहर लगी होती है। एसओ जैतपुरा बृजेश मिश्रा की मौजूदगी में सील खोलकर सभी ताले खोले गए और ताजिया बाहर निकाला गया।42 पार्ट में अलग-अलग करके रखें जाने वाले इस ताजिया को शाम तक बारादरी में बैठाया जाएगा। इस समय अंजुमन के लोग इस ताजिया के 42 पार्ट को अलग-अलग साफ-सफाई में लगे हुए हैं। इसके बाद एक-एक पार्ट को इसमें जोड़ा जाएगा और फिर इसे सजाकर बारादारी में बैठाया जाएगा।ताजिये के बारे में बात करते हुए मुतवल्ली गुलजार अली ने बताया- यह ताजिया 350 साल पुराना है। इसे साल 1981 से मस्जिद बारादरी के हुजरे में रखा जाता है।इसके बाद निकालकर 6 दिन के लिए बारादरी पर रखा जाता है।

पुजारी ने नवागत उपजिलाधिकारी का किए स्वागत

घोरावल/सोनभद्र स्थानीय दुबे द्वारा नवागत

तहसील में आए नवागत उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार यादव को घोरावल तहसील का प्रभार मिलने पर बुद्धवार को 12 बजे प्रधान पुजारी शिवद्वार धाम सुबास गिरी द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया एवं भगवान उमा महेश्वर कि स्मृति चिन्ह सप्रेम भेट किए शिवद्वार मंदिर मे विराजमान उमा महेश्वर के प्रतिमा के विषय में जानकारी दिए एवं श्रीकांत उपजिलाधिकारी से कुशलक्षेम किए मंदिर पर आयोजित होने वाले श्रावण मास के मेले के आयोजन हेतु प्रशासनिक बैठक के विषय में शिव पार्वती प्राचीन काशी सेवा समिति के पदाधिकारियों ने चर्चा किया एसडीएम महोदय के बधाई एवं स्वागत दौरान श्रीकांत,अमित,मोहित, भैरव प्रसाद मिश्र, प्रसांत,रविंद्र, सुबास समेत आदि लोग उपस्थित रहे.

विधवा पेंशनर फैमिली आईडी संख्या 07 जुलाई तक कराए उपलब्धः जयपाल वर्मा

रायबरेली। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) प्राप्त कर रही समस्त लाभार्थियों से कहा है कि राशन कार्ड संख्या अथवा किसी कारणवश राशन कार्ड न बनपाने की स्थिति में जन सुविधा केंद्र के माध्यम से फैमिली आई0डी0 बनवाते हुए फैमिली आई0डी0 संख्या 07 जुलाई 2025 तक जिला प्रोबेशन कार्यालय, विकास भवन, रायबरेली में उपलब्ध कराए ताकि ससमय पेंशन की धनराशि का भुगतान किया जा सके।

शक्तिनगर में मसाला लदी मशीन नाली में धंसी,मकान की बाउंड्री वॉल टूटी

सोनभद्र। सोनभद्र के बीना पुलिस चौकी क्षेत्र में एक मिलर को तोड़ते हुए अंदर धंस गया। इस

मशीन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना बीना बस स्टैंड के पास हुई, जहां मसाला लदी मिलर मशीन कोयला खदान की ओर जा रही थी। चालक जब पुलिया के नीचे से गुजर रहा था, तब सामने से एक बाइक आती दिखी।बाइक से बचने के लिए चालक ने वाहन को किनारे किया। मशीन में अधिक लोड होने के कारण उसका एक तरफ का पहिया नाली की कमजोर दीवार घटना में पास के एक मकान की बाउंड्री वॉल भी क्षतिग्रस्त हो गई।मशीन को नाली से निकालने के लिए टीम को नाली का कुछ और हिस्सा तोड़ना पड़ा। काफी प्रयास के बाद वाहन को बाहर निकाला गया। ठेकेदार ने मकान मालिक को आश्वासन दिया है कि उनकी संपत्ति को हुई क्षति की मरम्मत जल्द करवा दी जाएगी।

यूपी बोर्ड की इंप्रूवमेंट और कंपार्टमेंट एग्जाम,हाईस्कूल के 140 और इंटर के 301 छात्र देंगे परीक्षा

सोनभद्र। यूपी बोर्ड की इंप्रूवमेंट और कंपार्टमेंट परीक्षा 19 जुलाई केंद्र पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।परीक्षार्थियों को मोबाइल,

को राजकीय बालिका इंटर कालेज रॉबर्ट्गंज में आयोजित की जाएगी। हाईस्कूल की परीक्षा सुबह 8:30 से 11:45 बजे तक होगी। इंटरमीडिएट की परीक्षा दोपहर 2:00 से शाम 5:15 बजे तक चलेगी।हाईस्कूल में 140 और इंटरमीडिएट में 301 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। फरवरी-मार्च में हुई मुख्य परीक्षा में हाईस्कूल के 24,295 विद्यार्थियों में से 18,154 और इंटर के 19,553 विद्यार्थियों में से 16,925 उत्तीर्ण हुए थे।परीक्षा स्मार्ट वॉच या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रश्नपत्रों को डबल लॉक वाली अलमारी में रखा जाएगा। स्ट्रांग रूम की 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी।केंद्र व्यवस्थापक को परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर भीड़ न होने देने की जिम्मेदारी दी गई है। परीक्षार्थी, केंद्र व्यवस्थापक, अध्यापक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के अलावा किसी को भी परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

खेत में काम करते समय बभनी में किसान की मौत,पोस्टमार्टम से चलेगा कारण

सोनभद्र। बभनी थाना क्षेत्र के घघरा गांव में एक दुखद घटना सामने आई। गांव के 34 वर्षीय किसान उदय प्रताप की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। उदय प्रताप गुरुवार को अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक गिरकर बेहोश हो गए। उनकी पत्नी राजमती ने तुरंत परिवार को सूचना दी।परिजन उन्हें झारखंड के एक निजी अस्पताल ले गए। गुरुवार से मंगलवार तक उदय प्रताप को होश नहीं आया। मंगलवार को उनकी हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने वाराणसी रेफर कर दिया। परिजन उदय प्रताप को घर ले आए, जहां मंगलवार शाम को उनकी मृत्यु हो गई।बुधवार को मृतक के पिता रामजीत की शिकायत पर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। पंचनामा के बाद शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया गया। उप निरीक्षक रामअवतार यादव ने बताया कि पिता की शिकायत पर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का सही कारण पता चल पाएगा।

हॉस्पिटल का फीता काटकर शुभारम्भ करते राज्यमंत्री व सदर विधायक, मंत्री ने बनारस पाली/हर्ष चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का किया शुभारम्भ

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज शहर के उरमौरा में बनारस पाली/हर्ष चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का भव्य शुभारम्भ प्रदेश ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा मानवता के प्रति सबसे बड़ी सेवा है। सर्वे भवन्तु सुखिनः का अर्थ है सभी आधुनिक सुविधाओं से लैश बनारस पाली/हर्ष चिल्ड्रेन हॉस्पिटल स्थापित किया गया है। अस्पताल में महिला

सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गौंड़, सदर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा नेता रमेश मिश्रा व अशोक मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान पूर्वक पूजन अर्चन के पश्चात फीता काटकर किया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि ने कहा कि इस तरह के आधुनिक अस्पतालों का खुलना एक महत्वपूर्ण कदम है। अस्पताल में अच्छे विशेषज्ञों की सेवाएं मिलेंगी, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। सदर विधायक भूपेश चौबे सुखी हों और सभी खुश रहें। इसी तर्ज पर आज इस हॉस्पिटल का शुभारम्भ हुआ है। इसके लिए उन्होंने हॉस्पिटल के पूरी टीम को बधाई दिया।हॉस्पिटल के डॉ. सूर्य प्रकाश पाण्डेय व प्रशांत कुमार पाण्डेय ने बताया कि उनका सपना क्षेत्रवासियों की सेवा करना है। कोरोना महामारी के दौरान क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। इसी समस्या को हल करने के उद्देश्य से राबर्ट्सगंज में यह बेहतरीन व एवं शिशु चिकित्सा के साथ-साथ सामान्य चिकित्सा, सर्जरी और अन्य आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस मौके पर जेपी शुक्ला, रामविलास पाण्डेय, हृदय नरायण पाठक, डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. पीयूष श्रीवास्तव, नीतीश पाण्डेय, संजीव तिवारी, दीपक पाण्डेय, अशोक श्रीवास्तव, रमेश पटेल, रामेश्वर शुक्ला, मोहन कुशवाहा, डॉ डीके पटेल, डॉ रविरंजन शर्मा, डॉ अमन सिंह पटेल, डॉ आनंद राज, डॉ शबा हसन, डॉ अर्चना, डॉ पवन, डॉ सुदीश आदि रहे।

शत्रुंजय मिश्रा तीसरी बार बने प्रवक्ता, अवधेश सिंह बने उपाध्यक्ष

सोनभद्र। जिला कॉंग्रेस कमेटी

सोनभद्र की सूची बुधवार को उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने स्वीकृति प्रदान कर दिया है ट इसको लेकर कॉंग्रेस कार्यकर्ताओं मे काफी उत्साहित है ट वही जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने कहा की संगठन मे काम करने वाले लोगों को मौका दिया गया है। उन्होंने कहा की सांसद कॉंग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गाँधी हमेशा समाजिक न्याय की बात करते है उनकी सोच के कारण बुधवार को जिला कॉंग्रेस कमेटी मे पिछड़ों, अल्पसंख्यको, दलित, आदिवासियों, 20इ महिलाओं को संगठन मे काम करने का मौका मिला है ट संगठन मे 1 प्रवक्ता 1 कोषाध्यक्ष, 8 उपाध्यक्ष, 12 महासचिव, 40 सचिव बनाया गया है ट मजबूत संगठन को लेकर पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव मे उतरेगी कॉंग्रेस त्वही जिला कॉंग्रेस कमेटी जारी होने पूर्व विधायक भगवती चौधरी, शहर अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद, कोओडीनेटर रामाधार जोसेफ और विधि सिंह, कॉंग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव करम चंद विंद और सेवा दल के अध्यक्ष कौशलेश पाठक, महिला कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे, युवा कॉंग्रेस के जिलाध्यक्ष शशांक मिश्रा, सूरज यादव, सहित तमाम कॉंग्रेस पदाधिकारियों ने नव नियुक्त पदाधिकारीयो को बधाई दिया है।

थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा,सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ट्रेस कर खोये हुए 01 अदद एंड्रायड मोबाइल फोन को बरामद कर सम्बन्धित मोबाइल स्वामी को किया गया सुपुर्द

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के द्वारा साइबर अपराध की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस के सीसीटीएनएस कार्यालय द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 01 अदद एंड्रायड मोबाइल फोन की बरामदगी की गयी तथा सम्बन्धित मोबाइल स्वामी सत्येन्द्र यादव पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम पटना थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र को आज दिनांक 02.07.2025 को सुपुर्द किया गया । मोबाइल पाने के बाद मोबाइल स्वामी द्वारा प्रसन्न होकर थाना ओबरा पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा की गयी। मोबाइल बरामद करने वाली पुलिस टीम- 1.प्रभारी निरीक्षक हेमन्त कुमार सिंह थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र। 2.30नि0 सुक्खु राम यादव थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र। 3.का0आप0 विशाल कुमार थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र।

झोलाछाप के इंजेक्शन लगाने के बाद आदिवासी की मौत,हाथ दर्द का किया था इलाज

सोनभद्र। सोनभद्र के घोरावल कोल को मंगलवार को हाथ में तेज

कोतवाली क्षेत्र में एक अवैध चिकित्सक की लापरवाही से 55 वर्षीय आदिवासी व्यक्ति की जान चली गई। कनेटी गांव के शिवदास दर्द की शिकायत थी। परिजन उन्हें मुंगेहरी चट्टी स्थित एक अवैध क्लिनिक ले गए।क्लिनिक में डॉक्टर ने शिवदास को इंजेक्शन लगाया। घर लौटने के मात्र आधे घंटे बाद उनकी मृत्यु हो गई। परिजन तुरंत एम्बुलेंस से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोरावल ले गए। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की छह बेटियां हैं, जिनमें से तीन विवाहित हैं।चौकी इंचार्ज अजय कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, मृतक के भाई शिवलाल की सूचना पर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मुंगेहरी चट्टी में कई अवैध क्लिनिक संचालित हैं। यहां बिना डिग्री वाले लोग मरीजों का इलाज कर रहे हैं। अस्पताल में मृतक की पत्नी छब्बी और बेटी सीमा सहित अन्य परिजन शोक में डूबे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

13 किलोमीटर पैदल चलकर थाने बेटी पहुंची दुद्धी कोतवाली,बोली-साहब, मेरी मां को डायन कहकर पीटते हैं

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के

दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा ने अपनी मां को अंधविश्वास के नाम पर हो रहे अत्याचार से बचाने के लिए खुद 13 किलोमीटर पैदल चलकर थाने पहुंची। पुलिस से इंसाफ की गुहार लगाई।थाने पहुंचते ही बच्ची फूट-फूटकर रो पड़ी और पुलिसकर्मियों से बोली - 'साहब, मेरी चाची मां को डायन कहती है, गालियां देती है और मारती है। मैंने विरोध किया तो मुझे भी पीटा गया।' बच्ची की मासूम अपील सुनकर पुलिसकर्मी भी स्तब्ध रह गए। बच्ची ने सारी घटना लिखित में पुलिस को सौंपी।बताया जा रहा है कि बच्ची की चाची और कुछ पट्टीदारों ने अंधविश्वास के चलते उसकी मां को 'डायन' करार दे दिया। इसके बाद से वे लगातार उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। बच्ची जब मां को बचाने आगे आई, तो उसे भी पीट दिया गया। घटनाओं से आहत बच्ची ने किसी को कुछ बताए बिना घर से निकलने का फैसला किया। वह 13 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करके दुद्धी कोतवाली पहुंची।दुद्धी कोतवाली पहुंचकर बच्ची ने पुलिस को पूरी जानकारी दी। पुलिस ने पहले उसे ढांढस बंधाया और फिर कार्रवाई का भरोसा दिया। बच्ची द्वारा लिखित शिकायत पत्र भी लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है और जल्द उचित कदम उठाए जाएंगे।

पूंजीपतियों के निजी विद्यालय चलाना चाहती है सरकारःरमेश गौतम

सोनभद्र। योगी सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के निर्णय पर तत्काल रोक लगाने को लेकर आम आदमी पार्टी सोनभद्र के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष है। योगी सरकार के मर्जर आदेश से शिक्षा के अधिकार अधिनियम व बाल अधिकार अधिनियम का उल्लंघन किया गया है जो कि कानून का अतिक्रमण है। उक्त कानूनों के धड़ल्ले से मान्यता दी जा रही है और अपने नाक के नीचे बिना मान्यता प्राप्त स्कूल भी चलवा रही है , ऐसे विद्यालय 3 साल पर ही बच्चों को प्रवेश दे रहे हैं, जबकि

रमेश गौतम के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट लोढ़ी में विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा योगी सरकार द्वारा बिना सोचे समझे कानून का उल्लंघन करते हुए 16 जून, 2025 को एक शासनादेश निर्गत किया गया हैं। जिसमें कहा गया है कि जो कम छात्र संख्या वाले परिषदीय विद्यालय हैं, उनको पास के बड़े विद्यालयों में मिला कर स्कूलों को बंद कर दिया जाएगा। एक तरफ योगी सरकार मदिरालयों को खोलने का रिकॉर्ड बना रही है। 2024 में 27308 मदिरालय खोले गये, वहीं दूसरी तरफ योगीराज में अब तक 26000 से अधिक विद्यालय बंद हो चुके हैं और अब बच्चों के कम संख्या के बहाने 27000 और प्राथमिक विद्यालय बंद करने जा रही है, जिसको हमलोग होने नहीं देंगे। पार्टी संस्थापक सदस्य ज्योतिजंग सिंह ने कहा राज्यपाल से पूछना चाहते है, आप ही बताइए की उत्तर प्रदेश को क्या चाहिए ? पाठशाला या फिर मधुशाला ।अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के कम संख्या वाले परिषदीय विद्यालयों को बंद किये जाने सम्बन्धी 16 जून, 2025 के आदेश पर आम आदमी पार्टी कई आपत्तियां हैं, जिनको प्रदेश सरकार दूर तत्काल दूर करनी चाहिए।16 जून, 2025 को जारी मर्जर आदेश में कहीं भी न्यूनतम अथवा अधिकतम संख्या का निर्धारण नहीं किया गया। प्रदेश की शिक्षा विरोधी योगी सरकार समाज से उठ रहे विरोध एवं प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी चतुराई से कई चरणों में कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को बंद कर रही है। पहले चरण में 10 से 20 छात्र वाले स्कूल, दूसरे चरण में 20 से 50 वाले स्कूल, कई जगह तो 50 से अधिक छात्र जहां हैं उन स्कूलों को भी बंद करने का प्रस्ताव जारी कर दिया अनुसार ही गांवों में विद्यालय स्थापित किये गए थे। अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रिजवान खान गाजी ने कहाँ ऊँ एक्ट जो कि उत्तर प्रदेश में लागू है, उसके भाग 3 धारा 4 में स्पष्ट लिखा है कि एक किलोमीटर की सीमा में विद्यालय होना आवश्यक है।इसे किसी शासनादेश के माध्यम से अतिक्रमित नहीं किया जा सकता। यह अनाधिकार चेष्टा है। महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दुर्गा देवी ने कहा RTE एक्ट में परिवर्तन करे बिना हर एक किलोमीटर पर स्कूल की अवधारणा में परिवर्तन संभव नहीं है। एक्ट में परिवर्तन शासन के आदेश से नहीं बल्कि विधायिका के द्वारा ही संभव है। यूथ विंग के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चौरसिया ने कहा मर्जर आदेश से प्रदेश के 27000 हजार परिषदीय विद्यालय अपना अस्तित्व खो देंगे। उस विद्यालय में काम कर रहे कर्मी विशेषकर शिक्षामित्र और रसोईया की सेवा आगे चलकर सरकार समाप्त कर देगी। स्कूलों को बंद करने से प्रदेश के लगभग 1,35,000 सहायक शिक्षकों के पद तथा 27000 प्रधानाध्यकों के पद एक साथ समाप्त हो जाएंगे। इसके पूर्व भी योगी सरकार ने सहायक अध्यापकों एवं प्रधानाध्यापकों के पद बड़ी संख्या में समाप्त किए हैं। ओबरा विधान सभा अध्यक्ष बृजेश कन्नौजिया ने कहा योगी राज में 26 हज़ार प्राथमिक विद्यालय पहले ही बंद हो चुके हैं और 27 हज़ार प्राथमिक विद्यालय फिर बंद हो रहे हैं ऐसे में परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक भर्ती की आस में लाखों की संख्या में टीईटी उत्तीर्ण नौजवान अवसाद मे जा रहे हैं, बेरोजगारी बढ़ रही है। सदर विधानसभा अध्यक्ष दिनेश पटेल ने कहा योगी सरकार निजीकरण को बढ़ावा दे रही है जहां पर पहले से सरकारी परिषदीय विद्यालय स्थापित है वहां पर मानकविहीन निजी स्कूलों को परिषदीय विद्यालय में 6 साल पर प्रवेश हो रहा है। योगी सरकार बीमारी (छात्रों का कम नामांकन) को ठीक करने के बज़ाय मरीज (विद्यालय) को ही मार देना चाहती है । वरिष्ठ जिलाउपाध्यक्ष संतोष त्यागी ने कहा हम राज्यपाल से अनुरोध करते है कि प्रदेश की योगी सरकार को निर्देशित करें कि वह पेयरिंग के नाम पर स्कूलों को बंद करने संबंधी 16 जून, 2025 के आदेश को तत्काल वापस ले और परिषदीय विद्यालयों की गुणवत्ता बढ़ाए। यदि आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में विश्वस्तरीय सरकारी स्कूल बना सकती है, जहां प्राइवेट स्कूल के बच्चे अपना नाम प्राइवेट स्कूल से कटाकर सरकारी स्कूल में पढ़ने आ रहे हैं, तो फिर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती ? वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष केवल सिंह कुशवाहा ने कहा राज्यपाल के माध्यम से आम आदमी पार्टी योगी सरकार से मांग करती है कि सरकारी स्कूलों को बंद करने के फैसले को तत्काल प्रभाव से वापस ले ट अन्यथा आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से और सरकारी स्कूलों को बचाने के लिए प्रदेश व्यापी आंदोलन करने को मजबूर होगी ट आज के विरोध प्रदर्शन में जिला महासचिव विमलेश सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार मौर्या, यूथ विंग के प्रदेश सचिव राकेश कुमार, जिला सचिव शिवम सिंह घमडी,पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीकांत तिवारी, बल्ली पाठक, यूथ जिला उपाध्यक्ष शुभम मिश्रा, राजेंद्र मौर्या,अनवर अली,लक्ष्मण मौर्या,प्रेम नाथ कन्नौजिया,शंभू नाथ, राकेश कुमार,राजेश कुमार,वशिष्ठ पनिका,रमाकांत पनिका,अखिलेश देव पांडे,नागेंद्र मौर्या,राजू सोनकर,राम विलास निषाद,संतोष मौर्या, सुभाष कुमार, नौशाद अली, महेंद्र पाल, रफीक आदि शामिल रहे।

3 पीढियों से रह रहें परिवार को नहीं मिल रहा ठिकाना,कनहर सिंचाई परियोजना के चलते हटाया जा रहा, सूची में नाम नहीं

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के दुद्धी तहसील अंतर्गत बरखोहरा गांव की 65 वर्षीय शांति देवी की जिंदगी इन दिनों डर, दर्द और बेबसी में गुजर रही है। कनहर सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र में आने के कारण उनका घर कभी भी पानी में समा सकता है। लेकिन उन्हें अब तक विस्थापितों की सूची में जगह नहीं मिल पाई है। बरामदे के एक कोने में बैठी शांति देवी की आंखों में आंसू हैं, चेहरा चिंता की लकीरों से भर गया है और दिल में बस एक सवाल–'हम कहां जाएंगे?'शांति देवी का परिवार तीन पीढ़ियों से बरखोहरा गांव में बसा है। उनके पति की मृत्यु वर्षों पहले हो चुकी है। उनके चार बेटों में सबसे बड़े बेटे संतोष की भी असमय मृत्यु हो चुकी है। संतोष की पत्नी और तीन छोटे बच्चे शांति देवी के साथ रहते हैं। बाकी तीन बेटे शिव कुमार, राजू कुमार और सुशील कुमार भी अपनी-अपनी पत्नियों और बच्चों के साथ इसी पुराने, जर्जर मकान में जीवन बिता रहे हैं। 15 लोगों का यह परिवार आज भी एक ही छत के नीचे किसी तरह गुजारा कर रहा है।कनहर परियोजना के चलते उनके घर के चारों ओर पानी भर चुका है। शिव कुमार बताते हैं, 'बारिश से हालात बहुत खराब हो गए हैं। अब हमारे घर तक पहुंचने का सिर्फ एक रास्ता बचा है। अगर जलस्तर थोड़ा और बढ़ा, तो हमारा घर डूब जाएगा।' इस भय के साथ पूरा परिवार हर दिन किसी बड़ी अनहोनी के साये में जी रहा है।शांति देवी का दर्द यह है कि उनका नाम आज तक विस्थापितों की सूची में शामिल नहीं किया गया। उनका सवाल है, 'हम कई साल से यहीं रह रहे हैं, फिर भी हमें क्यों विस्थापित नहीं माना गया? सिंचाई विभाग के अधिकारी बार-बार धमकी देते हैं कि यहां से हट जाओ, नहीं तो प्रशासन से जबरन हटवा देंगे।

लेकिन हम कहां जाएं? हमारा दूसरा कोई ठिकाना नहीं है।' शिव कुमार कहते हैं कि, 'हमारे पास यही एक घर है। हमें विस्थापितों के हक से क्यों वंचित किया जा रहा है? सर्वे में हमारा नाम क्यों नहीं जोड़ा गया? कोई अधिकारी इसका सही जवाब देने को तैयार नहीं है।'परिवार के सबसे छोटे बेटे सुशील कुमार का कहना है, 'जब तक हमारा नाम विस्थापितों की सूची में नहीं जुड़ता, हम यहां से नहीं जाएंगे। चाहे हमें पानी में डूबना ही क्यों न पड़े। अगर हमारे साथ कुछ होता है तो इसके जिम्मेदार प्रशासन और सिंचाई विभाग होंगे।' बरखोहरा गांव के कसीयवा खाड़ टोला का लगभग 70फीसदी हिस्सा इस समय पानी में डूब चुका है। गांव के प्रधान पति सुरजमन यादव भी मानते हैं कि शांति देवी का परिवार तीन पीढ़ियों से यहां रह रहा है। वे कहते हैं, 'सर्वे में गड़बड़ी हुई है, यह सिंचाई विभाग की लापरवाही है। परिवार को विस्थापन सूची में जोड़ना चाहिए।'कनहर सिंचाई परियोजना की शुरुआत 1978 में नारायण दत्त तिवारी ने की थी। इस परियोजना के कारण उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड के कुल 21 गांव डूब क्षेत्र में आ गए। अब तक चार बार सर्वे किए गए–1980, 2014, 2016 और 2021 में। कुल 4143 विस्थापितों को मुआवजा देने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। विभाग के अनुसार 97फीसदी भूभाग खाली कराया जा चुका है और 260 करोड़ रुपए मुआवजा बांटा जा चुका है। अब सिर्फ 35 करोड़ रुपए का मुआवजा देना बाकी है।सिंचाई विभाग के अधिकारियों का कहना है, 'अगर कोई परिवार छूट गया है तो वे एसएलओ कार्यालय से प्रपत्र 6 भरें। जांच के बाद नाम जोड़ा जाएगा।' लेकिन गांव वालों का आरोप है कि अधिकारी सिर्फ आश्वासन देते हैं, जमीन पर कोई कार्रवाई नहीं होती।शांति देवी और उनके जैसे कई परिवार सालों से प्रशासन के दरवाजे खटखटा रहे हैं। लेकिन आज भी वे अपने अधिकार से वंचित हैं। क्या प्रशासन इन पीड़ित परिवारों की सुध लेगा? क्या इन्हें विस्थापितों की सूची में जगह मिलेगी? या फिर ये परिवार डर, दर्द और जलस्तर के बीच अपनी पूरी जिंदगी यूं ही बिता देंगे?इस तरह की बातें सामने आ रही है केवल यही नहीं कई और गांव के लोग है।इसकी हम जांच कराएंगे जिसकी रिपोर्ट राजस्व और कनहर सिंचाई विभाग द्वारा दी जाएगी। शासनादेश के क्रम में जो भी सहायता उनको उपलब्ध कराई जा सकती है वो मानवीय दृष्टिकोण से हम उसे मुहैया कराएंगे

घर को कैसे रखें सुरक्षित, सांप काटे तो तुरंत करें ये 5 काम

नयी दिल्ली। मानसून में बारिश के पानी से घास बढ़ी हो जाती है। दरारों के जरिए जमीन के भीतर जाता है। इन दरारों और बिलों में पानी भरने और ठंडक बढ़ने की वजह से सांप अपने बिलों से निकलकर सूखी और सुरक्षित जगहों की तलाश करते हैं। इस दौरान वे घरों, दुकानों, खेतों और जंगलों में घुस आते हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहां मेडिकल सुविधाएं कम हैं वहां सांपों का काटना जानलेवा बन सकता है। हालांकि, सही जानकारी और थोड़ी सी सावधानी हमें इस खतरे से बचा सकती है। भारत सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में हर साल 30-40 लाख लोग सर्पदंश का शिकार बनते हैं, जिसमें से 50 हजार से ज्यादा की जान चली जाती है। यह आंकड़ा दुनिया भर के सर्पदंश से होने वाली मौतों का आधे से ज्यादा है। चौंकाने वाली बात ये है कि सिर्फ 30फीसदी पीड़ित ही हॉस्पिटल पहुंच पाते हैं। सांप काटने के अधिकांश मामले मानसून सीजन में सामने आते हैं। बारिश में सांप अपने ठिकाने छोड़कर ऐसी जगहों पर जाते हैं जहां पानी कम हो और छिपने की जगह मिले। ये जगहें हैं:- पानी भरे इलाकेः नदी, तालाब और पानी के गड्ढों के आसपास। झाड़ियां और लंबी घासः खेतों, जंगलों और बगीचों में। कंस्ट्रक्शन साइट्सः अधूरी इमारतों में सांप छिप जाते हैं। पहाड़ी रास्तेः ट्रेकिंग के दौरान सांपों का खतरा बढ़ जाता है। बांस के जंगलः यहां सांपों को छिपने की परफेक्ट जगह मिलती है। घरों के आसपासः कचरे के ढेर, दरारें और खुली नालियां सांपों को आकर्षित करती हैं।

मच्छरदानी लगाकर सोएंः अगर आप जमीन पर सोते हैं तो इसे अपनी आदत बनाएं। साफ-सफाई रखेंः घर के आसपास कचरा, घास, या लकड़ियां जमा न होने दें। दरवाजे-खिड़कियां बंद करेंः जाली या डोर स्वीप्स यूज करें ताकि सांप अंदर न घुसें। नालियों को ढकेंः ग्रिल्स लगाकर सांपों का रास्ता रोकें। अगर जंगल के आसपास हैं तो बाहर निकलते वक्तः लॉन्ग बूट्स पहनेंः खेत, जंगल या पहाड़ों में पैरों को ढंककर रखें। लकड़ी का इस्तेमालः जमीन पर लकड़ी से ठक-ठक करें, सांप वाइब्रेशन से भागते हैं। सांपों के छिपने की जगहों से बचेंः पत्थर, लकड़ियों या गड्ढों को न छुएं।अगर आपकी दुकान या घर में सांप दिख जाए, तो घबराएं बिना आसानी से ये काम करें- शांत रहें, सांप से थोड़ी दूरी बनाएं और उसे डिस्टर्ब न करें। हल्का सा केरोसिन या फिनाइल छिड़क दें, इसकी गंध सांपों को भगाती है। प्रोफेशनल बुलाएं, वन विभाग या सांप विशेषज्ञ को कॉल करें। खुद न पकड़ें, सांप को मारने या पकड़ने की कोशिश खतरनाक हो सकती है।हेल्पलाइन पर यानी वाइल्डलाइफ 9917109666 पर तुरंत कॉल करें। भारत में 4 सांप ऐसे हैं जो सबसे ज्यादा मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। कोबरा का न्यूरोटॉक्सिक जहर सांस लेने की प्रक्रिया को रोक देता है। वहीं, रसेल वाइपर का हीमोटॉक्सिक जहर खून को जमाता है और अंदरूनी ब्लीडिंग की वजह बन सकता है। सांप के काटने पर फर्स्ट एड के तौर पर यह उपाय अपना सकते हैं। पीड़ित को सीधा लिटाकर रखना चाहिए क्योंकि शरीर में हलचल होने से जहर फैल सकता है। सांप के काटने पर जहर तुरंत शरीर में नहीं फैलता है। इसका मेडिकल ट्रीटमेंट संभव है। इसलिए पीड़ित व्यक्ति को ढांढस बंधाएं। पीड़ित के शरीर से आभूषण जैसे अंगूठी, पायल, चेन, कड़ा, कंगन, घड़ी या जूता-चप्पल सभी चीजें उतार दें। कोशिश करते रहें कि पीड़ित व्यक्ति बेहोश न हो। अगर सांप ने पीड़ित के हाथ में काटा है तो उसे नीचे की ओर लटकाकर रखें। ऐसा करने से जहर दिल तक पहुंचने में वक्त लगेगा। अगर सांप ने व्यक्ति के पैर में काटा है तो पलंग से पैर को नीचे की तरफ लटका दें। जिस अंग में सांप ने काटा है, उसे हिलने-डुलने या चलने-फिरने न दें क्योंकि वह अंग जितना मूवमेंट करेगा, जहर उतना ही शरीर में फैलेगा। डॉ. रोहित शर्मा के मुताबिक, सांप के काटने पर इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि पीड़ित को किस सांप ने काटा है। अगर सांप को किसी ने नहीं देखा है तो यह पता लगाना बहुत मुश्किल हो जाता है कि सांप किस प्रजाति का है। ऐसे में इलाज करना चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे अधिकांश मामलों में डॉक्टर्स सांप के काटने के निशान और पीड़ित के लक्षणों पर ध्यान देते हैं।करैत और कोबरा में सांप में न्यूरोटॉक्सिक जहर होता है, जिसके काटने से शरीर में पैरालिसिस, लंग्स कोलैप्स, सांस फूलना, बेहोशी जैसी हालत होती है। ऐसे ज्यादातर मामलों में वेंटिलेटर और आर्टिफिशियल ऑक्सीजन की जरूरत होती है। गौरतलब है कि न्यूरोटॉक्सिक जहर तुरंत असर करता है। इसका इलाज जल्द-से-जल्द होना बहुत जरूरी होता है। जबकि हीमोटॉक्सिक जहर में सूजन, शरीर के ऊपरी अंगों में दर्द बढ़ना, ब्लड क्लॉटिंग और मांसपेशियों में जकड़न जैसे लक्षण दिखते हैं। हीमोटॉक्सिक जहर धीरे-धीरे शरीर में फैलता है। रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर में हीमोटॉक्सिक जहर होता है।

एशिया कप 5 से 21 सितंबर तक हो सकता है,मीडिया रिपोर्ट्स में दावा,दो बार भिड़ंत हो सकता हैं भारत-पाकिस्तान का

नयी दिल्ली। एशिया कप 5 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में शुरू हो सकता है। टूर्नामेंट का फाइनल 21 सितंबर को खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज और सुपर-4 फॉर्मेट के तहत एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का पहला मुकाबला 7 सितंबर को खेला जाएगा। अगर दोनों टीमें सुपर-4 में पहुंचती हैं, तो इनकी दूसरी टक्कर 14 सितंबर को हो सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इससे पहले, एशिया कप की मेजबानी भारत के पास थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की वजह से यूएई को टूर्नामेंट होस्ट करने को कहा गया है। 17 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 6 टीमें भाग लेंगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने अगले 3 एशिया कप साइकल के बारे में भी बताया है। 2027 में पाकिस्तान में यह टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला जाएगा। वहीं 2029 में बांग्लादेश और 2031 में श्रीलंका इसे होस्ट करेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपनी-अपनी सरकारों से टूर्नामेंट खेलने की मंजूरी लगभग मिल चुकी है। टूर्नामेंट के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर सोनी स्पोर्ट्स ने प्रमोशनल पोस्टर भी जारी कर दिया है।टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और यूएई टीमें हिस्सा लेंगी।अभी तक कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है, लेकिन एशियन क्रिकेट काउंसिल इस हफ्ते फैसला ले सकती है। एसीसी अगले 2-3 दिन में टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी कर सकती है। इस बार भारत को मेजबान देश बनाया गया है, लेकिन सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट को न्यूट्रल वेन्यू पर कराने की बात चल रही है।अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से 6-7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध खराब हैं। ऐसे में एशिया कप में पाकिस्तान के भारत आने की संभावना खत्म हो गई है। इसलिए एसीसी टूर्नामेंट को यूएई में कराने पर विचार कर रही है। भारत ने 8 बार जीता एशिया कप एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।इस साल फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं गई थी। भारत के सभी मैच यूएई में कराए गए थे, यही नहीं एक सेमीफाइनल और फाइनल भी यूएई में ही हुए थे। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हरा कर खिताब अपने नाम किया था। अक्टूबर में भारत में होने वाला विमेंस वनडे वर्ल्ड कप हाइब्रिड मॉडल पर खेला जा रहा है। पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में होंगे। इस टूर्नामेंट में भारत-पाक की विमेंस टीम लीग में आमने-सामने होंगी। वहीं, 2026 में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय विमेंस और पाकिस्तान विमेंस टीम लीग के दौरान भिड़ेंगी। 2008 के मुंबई हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज बंद हैं। अब दोनों टीमें अब केवल आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में एक-दूसरे का सामना करती हैं। ऐसे में जब भी भारत-पाकिस्तान मैच होता है तो दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजरें इस मुकाबले पर टिकी होती हैं। ऐसे में आयोजक और ब्रॉडकास्टर भारत-पाकिस्तान मैच से ज्यादा से ज्यादा कमाई करते हैं।टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे।पाकिस्तान ने 2012-13 में भारत का आखिरी दौरा किया था। उस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की बाइलैटरल सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी।

स्मृति मंधाना आईसीसी टी-20 बैटर्स रैंकिंग में नंबर-3 पर पहुंचीःइंग्लैंड के खिलाफ शतक का फायदा मिला, वनडे में नंबर-1 पर कायम

नयी दिल्ली। इंडिया विमेंस क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति

मंधाना को घ्ण्ण टी-20 बैटर्स रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 में संेचुरी लगाने के बाद वे तीसरे नंबर पर पहुंच गईं। 112 रन की पारी खेलने के चलते मंधाना ने करियर बेस्ट 771 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर लिए। स्मृति वनडे रैंकिंग में नंबर-1 पर कायम हैं। टी-20 करियर की पहली संेचुरी लगाई थी इंग्लैंड के खिलाफ शतक मंधाना का टी-20 इंटरनेशनल करियर में पहला ही शतक था। इसी के साथ वे तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर बनीं। मंधाना मंगलवार रात 11 बजे से इंग्लैंड के खिलाफ अपना 150वां टी-20 भी खेलेंगी। भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाए रखी है। मंधाना ने करियर बेस्ट इनिंग खेलकर बैटर्स रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैक्ग्रा को चौथे नंबर पर धकेल दिया। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी पहले और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज दूसरे नंबर पर बरकरार हैं। भारतीय प्लेयर्स में शेफाली वर्मा भी 1 नंबर की छलांग लगाकर 13वें स्थान पर पहुंच गईं। हरमनप्रीत कौर 12वें नंबर पर हैं। जेमिमा रोड्रिग्ज को 1 स्थान का नुकसान हुआ, वे 15वें नंबर पर पहुंच गईं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 में 23 गेंद पर 43 रन बनाने वालीं हरलीन देओल की बैटर्स रैंकिंग में वापसी हुईं। वे 86वें नंबर पर पहुंच गईं।टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में भारत की ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह को 1-1 स्थान का नुकसान हुआ। दीप्ति तीसरे और रेणुका छठे स्थान पर खिसक गईं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल टॉप पर कायम हैं। ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड दूसरे नंबर पर पहुंच गईं। वहीं इंग्लैंड की लौरेन बेल ने चौथा स्थान हासिल कर लिया। सबसे छोटे फॉर्मेट की टॉप-10 ऑलराउंडर्स रैंकिंग में 1 ही बदलाव हुआ। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन एक स्थान के नुकसान के बाद 11वें नंबर पर पहुंच गईं। उनकी जगह पाकिस्तान की फातिमा सना 10वें नंबर पर पहुंचीं। भारत की दीप्ति शर्मा तीसरे नंबर पर कायम हैं। वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज पहले और न्यूजीलैंड की अमीलिया केर दूसरे नंबर पर हैं।

2036 ओलिंपिक के लिए भारत ने अहमदाबाद का नाम दिया,8 महीने पहले दावेदारी पेश की थी, सऊदी अरब, तुर्किये भी मेजबानी की दौड़ में शामिल

नयी दिल्ली। भारत ने 2036 ओलिंपिक गेम्स की मेजबानी के लिए अहमदाबाद का नाम इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी

आईओसी के सामने पेश किया है। मंगलवार को स्विट्जरलैंड के लॉजान में हुई बैठक में केंद्रीय खेल मंत्रालय, गुजरात सरकार और आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा सहित भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आईओए के सामने अपनी बात रखी। ये मीटिंग ऐसे वक्त में हुई, जब नई इंटरनेशनल ओलिंपिक काउंसिल आईओए अध्यक्ष कर्स्टी कोवेन्ट्री ने भविष्य के ओलिंपिक होस्ट बिडिंग प्रोसेस पर रोक लगा दी थी। आईओए सदस्य चाहते हैं कि मेजबान देश के चुनाव में उनकी भूमिका ज्यादा हो, इसीलिए एक वर्किंग ग्रुप बनाकर नई प्रक्रिया तैयार की जाएगी। 2036 ओलिंपिक की दौड़ में भारत अकेला नहीं है। सऊदी अरब, इंडोनेशिया, तुर्किये (टर्की) और चिली जैसे देश भी मेजबानी की दौड़ में शामिल हैं। पिछले साल एक अक्टूबर को भारत सरकार ने लेटर ऑफ इंटेंट के जरिए आईओए से गेम्स का आयोजन कराने की इच्छा जाहिर की थी। अहमदाबाद को क्यों चुना गया? भारत की तरफ से ओलिंपिक में पहली बार आधिकारिक रूप से किसी शहर का नाम दिया गया है। भारत की ओलिंपिक कमेंटी ने कहा, अहमदाबाद में ओलिंपिक आयोजित करने से 60 करोड़ युवा भारतीयों को पहली बार देश में ओलिंपिक देखने का मौका मिलेगा। साथ ही भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश देते हुए ओलिंपिक को दुनियाभर के लोगों के लिए एक परिवार जैसा अनुभव बनाया जाएगा। हर्ष संघवी गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी ने कहा, हम आईओसी के साथ मिलकर इस साझा सपने को साकार करने की कोशिश में हैं। आने वाले महीनों में हम एक मजबूत साझेदार बनने के लिए तैयार हैं। आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कहा, भारत में ओलिंपिक सिर्फ एक भव्य आयोजन नहीं होगा, यह पीढ़ियों तक असर डालने वाला ऐतिहासिक आयोजन होगा। आईओसी की नई अध्यक्ष ने कहा, आईओसी के सदस्यों की मांग थी कि उन्हें चुनाव प्रक्रिया में बड़ी भूमिका दी जाए। इसी वजह से नई मेजबानी नीति पर पुनर्विचार करने के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाया जाएगा। भारत अब तक 3 मल्टी स्पोर्ट्स गेम्स की मेजबानी कर चुका है। देश ने आखिरी बार 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी। इससे पहले भारत में 1982 और 1951 के एशियन गेम्स भी कराए जा चुके हैं।

जेसिका पेगुला विंबलडन के पहले राउंड से बाहरःइटली की कोकियारेटो ने हराया, डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज की जीत से शुरुआत

नयी दिल्ली। दुनिया की नंबर-3 टेनिस स्टार जेसिका पेगुला विम्बलडन-2025 के पहले राउंड में

उलटफेर का शिकार हो गई हैं। तीसरी सीड पेगुला को वर्ल्ड रैंकिंग में 116वें नंबर की खिलाड़ी एलिसाबेटा कोकियारेटो ने महज 58 मिनट में हरा दिया। 31 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने यह मैच सीधे सेट में 6-2, 6-3 से गंवाया। यह उनका इस साल का सबसे खराब प्रदर्शन है। पेगुला पिछले 5 साल में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के पहले राउंड से बाहर हुई हैं। इससे पहले वे 2020 में फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुई थी। पेगुला से पहले डेनियल मेदवेदेव और 8वीं सीड होल्गर रून उलटफेर का शिकार हुए। 2 बार के चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जीत से शुरुआत की। उन्होंने इटली के फैबियो फोगनिनी को 4 घंटे से ज्यादा चले मैच में 7-5, 6-7 (5-7), 7-5, 2-6, 6-1 से हराया। अब उनका मुकाबला 21 साल के टार्वेट से होगा, जिन्होंने विंबलडन में अपने पहले मैच में स्विट्जरलैंड के लिएंड्रो रीडी को हराया है। दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने टूर्नामेंट में बेहतरीन जीत से आगाज किया। सबालेंका ने कनाडा की कार्सन ब्रेंस्टीन को लगातार सेट में 6-1, 7-5 से हराया। यह सबालेंका की वर्ल्ड नंबर-1 रहते ?हुए विमेंस टेनिस एसोसिएशन में 50वीं जीत रही। वे ऐसा करने वाली 9वीं ?खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले, हिंगिस, सेरेना, डेवनपोर्ट, जस्टिन हेनिन, वोज्नियाकी, अजारेंका, बार्टी और स्वातेक ने ऐसा कर चुकी है। डेनियल मेदवेदव और टूर्नामेंट के 8वीं सीड होल्गर रून पहले राउंड में उलटफेर का शिकार हुए। रून को निकोलस जैरी ने 4-6, 4-6, 7-5, 6-3, 6-4 और मेदवेदव को बेंजामिन बोंजी ने 7-6, 3-6, 7-6, 6-2 से हराया।

संजू सैमसन को सीएसके टीम में शामिल करना चाहती हैःऋतुराज के बदले हो सकता है ट्रेड; राजस्थान को 2022 में फाइनल में पहुंचाया

नयी दिल्ली। आईपीएल में खिलाड़ियों की ट्रेडिंग विंडो खुल चुकी है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स अपनी टीम में शामिल करना चाहती है। हालांकि अभी तक सीएसके की रॉयल्स मैनेजमेंट से कोई ऑफिशियल बातचीत नहीं हुई है। क्रिकबज से बात करते हुए सीएसके के एक सीनियर अधिकारी ने बताया, हम संजू को लेकर निश्चित रूप से सोच रहे हैं। वह एक इंडियन ओपनर हैं, विकेटकीपर भी हैं और अगर उपलब्ध हुए, तो हम जरूर उन्हें लाने पर विचार करेंगे। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि उनके बदले किस खिलाड़ी को ट्रेड किया जाएगा। संजू सैमसन ने बतौर कप्तान 2022 में राजस्थान को 14 साल बाद आईपीएल फाइनल में पहुंचाया था। संजू के बदले ऋतुराज को छोड़ सकती है सीएसके आईपीएल 2025 में संजू सैमसन राजस्थान द्वारा 18 करोड़ में रिटेन किए गए पहले खिलाड़ी थे। वहीं, सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी इतने ही रुपए पर रिटेन किए गए थे। ऐसे में दोनों के बीच ट्रेड की चर्चा उठना स्वाभाविक है। लेकिन कोच स्टीफन फ्लेमिंग पहले ही कह चुके हैं कि ऋतुराज को कप्तान लंबी योजना के तहत बनाया गया है। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 के बाद हाल ही में लंदन में रिव्यू मीटिंग की थी, जिसमें कोच राहुल द्रविड़ भी मौजूद थे। मीटिंग में माना गया कि कई फ्रेंचाइजियों ने संजू समेत कई खिलाड़ियों के लिए रुचि दिखाई है। आरआर के पास संजू के अलावा ध्रुव जुरेल जैसा एक और विकेटकीपर-बल्लेबाज है, जो टीम के लिए वैल्यूएबल एसेट बनकर उभरे हैं। संजू 2021 से आरआर के कप्तान संजू सैमसन 2013 से राजस्थान रॉयल्स सेटअप का हिस्सा बने और 2021 में उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया। केरल के इस बल्लेबाज ने आईपीएल में 4000 से अधिक रन बनाए हैं और उनके नाम तीन शतक हैं। 2021 में रॉयल्स के कप्तान के रूप में उनके पहले सीजन में उन्होंने 484 रन बनाए, जिसमें कप्तान के रूप में अपने पहले आईपीएल मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ 63 गेंदों में 119 रनों की शानदार पारी शामिल है।1. ट्रेडिंग विंडो 2 बार खुलती है आईपीएल 2025 खत्म होने के 7 दिन बाद से लेकर आईपीएल 2026 की नीलामी के 7 दिन तक।

शमी अपनी पत्नी-बेटी को हर महीने देंगे रु4 लाख,कोलकाता हाईकोर्ट का आदेश पिछले 7 साल से लागू होगा फैसला

नयी दिल्ली। मोहम्मद शमी को कोलकाता हाईकोर्ट ने तलाक में अपनी पत्नी से अलग रहे हसीन

जहां और बेटी आयरा को हर महीने 4 लाख रुपए देने का आदेश दिया है। मोहम्मद शमी को ये रुपए महीने के मेंटेनेंस के लिए देने होंगे। शमी के इस केस की सुनवाई 21 अप्रैल, 2025 को हुई थी, जिस पर 1 जुलाई, 2025 को फैसला आया। आदेश के मुताबिक हसीन जहां को 1.50 लाख रुपए और बेटी आयरा को 2.50 लाख रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। यह राशि पिछले सात साल से लागू होगी। वहीं, निचली अदालत को छह महीने में मामले का निपटारा करने का निर्देश दिया गया है। क्या है मामला? कोलकत्ता हाईकोर्ट ने निचली अदालत को भी अगले छह महीने के अंदर इस केस को डिस्पोजल करने का आदेश दिया है। मोहम्मद शमी और हसीन जहां का निकाह 7 अप्रैल, 2014 में हुआ था। शादी के करीब एक साल बाद 17 जुलाई, 2015 को दोनों के एक बेटी ने जन्म लिया। शमी को बेटी आयरा के होने के बाद पता चला कि हसीन जहां पहले से शादी-शुदा थी और उसके पहली शादी से दो बच्चे भी थे। मोहम्मद शमी की पत्नी ने क्रिकेटर और उनके परिवार पर हिंसा करने का आरोप लगाया। इसके बाद 2018 से ही इस मामले में सुनवाई चल रही है। इस पर फैसला पहले ही आ चुका है। लेकिन शमी की पत्नी को मिलने वाली राशि कम लग रही थी, इसलिए उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

शुभमन बोले- बुमराह फिट, लेकिन खेलने पर फैसला अभी नहींःइंग्लिश कप्तान स्टोक्स ने कहा- पंत खतरनाक प्लेयर, मुझे उनकी बैटिंग पसंद

नयी दिल्ली। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि जसप्रीत बुमराह दूसरा मुकाबला खेलने के लिए अवेलेबल और फिट

हैं, लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट देखते हुए ही फैसला लेंगे कि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा बनेंगे या नहीं। वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा, ऋषभ पंत खतरनाक प्लेयर हैं, लेकिन उनकी बैटिंग देखना पसंद है। गिल ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें बस 20 विकेट लेने वाले सही बॉलिंग कॉम्बिनेशन की तलाश है। साथ ही हमें थोड़े रन भी बनाने होंगे। मैच से पहले पिच देखने के बाद ही फैसला लेंगे कि प्लेइंग-11 क्या होगी। बुमराह के बिना बेस्ट कॉम्बिनेशन पर फोकस शुभमन ने आगे कहा, 'बुमराह अगर नहीं खेल सकें तो टीम को उनकी कमी खलेगी। हालांकि, हमें सीरीज से पहले ही पता था कि वे 3 ही मुकाबले खेल सकेंगे। इसलिए मैनेजमेंट ने मिलकर पहले ही डिसाइड कर लिया है कि अगर बुमराह नहीं खेलें तो उनकी जगह कौन लेगा। हमारा फोकस उनके बिना बेस्ट बॉलिंग कॉम्बिनेशन तलाशने पर है।'गिल बोले, 'टीम फिलहाल बैटिंग और बॉलिंग दोनों में गहराई तलाशना चाह रही है। ताकि बैटिंग में नंबर-8 से नीचे भी कुछ रन बन सके। साथ ही बॉलिंग में 4 तेज गेंदबाजों के साथ 2 पार्ट टाइम बॉलर्स भी अवेलेबल हों। अगर हम सीरीज के दौरान यह कॉम्बिनेशन हासिल कर पाएं तो बहुत बेहतर होगा।' इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पंत भले ही दूसरी टीम में हैं, लेकिन मुझे उनकी बैटिंग पसंद है। जब आप पंत जैसे टैलेंटेड प्लेयर को छूट देते हैं तो उनका बेस्ट प्रदर्शन सामने आता है। वे बहुत खतरनाक प्लेयर हैं, मुझे उनकी बैटिंग देखना पसंद है।' स्टोक्स ने आगे कहा, 'मोईन अली टीम के साथ जुड़कर युवा स्पिनर्स की मदद कर रहे हैं। मुझे लगता है कि मोईन जैसे जितने ज्यादा अनुभवी प्लेयर्स टीम का मार्गदर्शन करेंगे, युवा प्लेयर्स उतना ही बेहतर परफॉर्म करेंगे। उन्होंने शोएब बशीर के साथ बहुत देर बातचीत की और बॉलिंग स्ट्रैटजी में उनकी मदद की।'भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट जीतकर 5 मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टीम इंडिया दूसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 में 2 या 3 बदलाव कर सकती है। इंग्लैंड ने प्लेइंग-11 में बदलाव नहीं किया इंग्लैंड ने मुकाबले से पहले ही दूसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 रिलीज कर दी। टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ। इंग्लिश टीम क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर के बॉलिंग कॉम्बिनेशन के साथ ही उतरेगी। ऑलराउंडर के रूप में स्टोक्स भी बॉलिंग करते हैं। इंग्लैंड की प्लेइंग-11ः बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), ब्रायडन कार्स, जोश टंग, क्रिस वोक्स और शोएब बशीर। भारत की पॉसिबल प्लेइंग-11ः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), करुण नायर/ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 328 रन से टेस्ट हरायाः153 रन बनाने वाले प्रिटोरियस प्लेयर ऑफ द मैच; कॉर्बिन बॉश को 5 विकेट

नयी दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने बुलवायो में हुए पहले टेस्ट में जिम्बाब्वे को 328 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इसी के साथ मेहमान टीम ने 2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली। डेब्यू टेस्ट में 153 रन की पारी खेलने वाले 19 साल के लुहान डी प्रिटोरियस प्लेयर ऑफ द मैच रहे। साउथ अफ्रीका से ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश ने पहली पारी में संेचुरी बनाने के बाद दूसरी पारी में 5 विकेट भी लिए। टीम से दूसरी पारी में वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए, उन्होंने संेचुरी भी लगाई। वहीं जिम्बाब्वे में शॉन विलियम्स ही संेचुरी लगा सके। पहली पारी में चिवांगा को 4 विकेट बुलवायो में 28 जून को साउथ अफ्रीका ने बैटिंग चुनी। टीम ने पहली पारी 418/9 के स्कोर पर डिक्लेयर की।

एआई के जोखिम और संभावनाओं को समझना क्यों जरूरी है?

यदि एआई कहे कि आपका आइडिया बहुत शानदार है, तो क्या भरोसा करोगे? पीजी कर रहे और एआई का बहुत ज्यादा उपयोग करने वाले छात्र दुर्भाग्य से इस पर भरोसा करते हैं। क्योंकि वे अपने प्रोजेक्ट्स पर अनुभवी प्रोफेसर्स के महत्वपूर्ण सुझाव नहीं लेना चाहते। 'एआई चाटुकारिता' के छोटे किंतु गंभीर खतरों के प्रति शोधकर्ता चेतावनी दे रहे हैं। और वो सही हैं। हाल ही मैंने पढ़ा कि ओपन एआई ने माना है कि एलएलएम नाम से लोकप्रिय चैट जीपीटी के ताजा लार्ज लैंग्वेज मॉडल का लहजा चाटुकारिता भरा था। ये यूजर्स की चापलूसी करता है और सच की कीमत पर भी उनकी हां में हां मिलाता है।ओपन एआई ने ये अपडेट वापस लेते हुए कहा कि वो इसे हल करने के लिए टेस्ट कर रहा है। पर शोध में पाया गया कि अत्यधिक सहमत होने का व्यवहार सभी एआई असिस्टेंट की बड़ी समस्या है। ये पूर्वाग्रह मजबूत कर सकते हैं, सीखना कम कर सकते हैं, यहां तक कि एआई यूजर्स के निर्णय लेने के गुण में भी दखलंदाजी कर सकते हैं। मैंने इसके गंभीर प्रभावों को इसी मंगलवार को तब महसूस किया जब मैं ग्रेजुएशन कर रहे भोपाल के कुछ स्टूडेंट्स से मिला, जो गर्मी की छुट्टियों के बाद वापस कॉलेज आए थे। उनमें से कुछ ने मुझे अपना परिचय इस प्रकार दिया कि वह ऐसे छात्र हैं, जो हमेशा समय पर अपना शोध कार्य पूरा करते हैं। मैंने उनसे अनौपचारिक बातचीत की, जिसमें अकादमिक चर्चा नहीं थी। इसमें मैंने देखा कि उनमें से कुछ छात्रों में उस विशिष्ट जोश की कमी थी, जिसे अधिकांश नियोक्ता तलाशते हैं। वो मुझे दिखा रहे थे कि एआई क्या जवाब दे रहा है और इस पर तर्क भी कर रहे थे। वे इस बात को महसूस ही नहीं कर पा रहे थे कि तकनीक कैसे उन्हें गलत तरीके से संतुष्ट कर रही है। मौजूदा विश्वविद्यालय की शिक्षा पर उनकी स्कूली शिक्षा हावी हो रही थी। मेरा मतलब है कि वे जॉब मार्केट प्रतिस्पर्धा के लिए पूरी तरह परिपक्व नहीं हुए थे, जहां व्यक्ति के विपरीत तर्कों को भी स्वीकारने और उन पर विचार करने की जरूरत होती है। और यही कारण है कि उनकी शोध विषय पर होमवर्क पूरा करने की क्षमता और परीक्षा में मिले अंकों के बीच बड़ी विसंगति होती है। तब मुझे समझ आया कि ये एक ऐसी पीढ़ी है, जो तुरंत जवाब चाहती है। चूंकि ये छात्र, सीखने को बेहद आसान बनाने का वादा करने वाले चैट जीपीटी जैसे एलएलएम पर बहुत निर्भर हैं, इसलिए वे मशीन के पहले जवाब को ही मान लेते हैं और इस पर शोध करने में विफल रहते हैं। यही चीज उन्हें सीखने से रोकती है।अमेरिका के कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान व निर्णय विज्ञान के प्रोफेसर डेनियल ओपेनहेमर का कहना है कि उनकी अपनी लैब में किए अध्ययन में भी उन्होंने देखा है कि जो छात्र अपने कार्य को पूरा करने के लिए एआई का उपयोग करते हैं, वो होमवर्क करने में तो बेहतर होते हैं, पर परीक्षा में उनका प्रदर्शन बेहद खराब होता है। हालांकि साथ ही वह एआई को पूरी तरह खारिज करने के बारे में भी सावधान करते हैं। वह छात्रों को सलाह देते हैं कि वे एलएलएम द्वारा तैयार प्रारूप की आलोचना करें और इसे साबित करने के लिए उससे सवाल पूछें। रोजमर्रा के विषयों में एलएलएम का उपयोग करने वाले 4500 विद्यार्थियों पर हुए शोध में शामिल पेन्सिलवेनिया के व्हार्टन स्कूल में मार्केटिंग प्रोफेसर शिरि मेलुमद का कहना है, 'युवा सबसे पहले एलएलएम की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन यदि हम उन्हें जानकारी छांटना, इसकी व्याख्या करना नहीं सिखाते तो हम गहराई से सीखने की उनकी क्षमता को जोखिम में डाल रहे हैं।' बेशक, एआई ने सीखना आसान किया है। संभवतः बहुत अधिक, इसलिए हम रोजमर्रा में इसे उपयोग कर रहे हैं। पर इसने न केवल कमजोर समझ और विषयों को लेकर कमतर ज्ञान को प्रदर्शित किया, बल्कि हमें विपरीत नजरिए को स्वीकार करना भी नहीं सिखाते। ये हमारे व्यवहार पर बहुत खराब प्रभाव डाल सकता है। फंडा यह है कि 'सेपियंस' के लेखक युवाल नोआ हरारी कहते हैं 'एआई और कुछ नहीं बल्कि एलियन इंटेलिजेंस है'। यह होमोसेपियंस की दुनिया में धीमे-धीमे बढ़ रही नई प्रजातियां हैं।' जितना जल्दी हम इसके जोखिम व संभावनाओं को समझ लेंगे, मानवता के लिए उतना ही बेहतर होगा।

दुनिया के देश अमेरिका के बिना भी फैसले ले सकते हैं

देशों के गठबंधनों की क्षमताओं को लेकर निराश होना स्वाभाविक है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट लक्ष्यों पर 2023 के शिखर सम्मेलन, समिट ऑफ फ्यूचर तथा जलवायु परिवर्तन को लेकर संयुक्त राष्ट्र के 2024 के कई सम्मेलनों और हाल ही हुए अन्य अंतरराष्ट्रीय जमावड़ों से भी अधूरी प्रतिबद्धताएं ही सामने आई हैं।ऐसे में जब ट्रम्प अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं से पीछे हट रहे हैं, बहुपक्षीय पहलों को नकार रहे हैं, विश्व-व्यापार में अराजकता और असमंजस पैदा कर रहे हैं, तो सवाल उठता है कि क्या स्पेन के सेवील में शुरू हुई कॉन्फ्रेंस ऑन फाइनेंसिंग फॉर डेवलपमेंट (एफएफडी4) में कुछ बेहतर हो पाएगा?यकीनन अमेरिका वहां भी रंग में भंग डालेगा या वहां होने वाले समझौतों की अवमानना करेगा। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इससे यह समिट बेकार हो जाएगी। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प 2015 के पेरिस जलवायु समझौते से कुछ ही महीनों में हट गए थे। लेकिन इससे यह समाप्त नहीं हो गया।यह सच है कि उसकी गति?विधियों में कमी आई है, लेकिन लगभग सभी यह मानते हैं कि इस समझौते के बिना जलवायु-परिवर्तन में और तेजी ही आएगी। उसके बाद, इस साल अप्रैल में शिपिंग उद्योग को कार्बन उत्सर्जन रहित बनाने संबंधी अंतरराष्ट्रीय मैरिटाइम संगठन (आईएमओ) से भी अमेरिका अलग हो गया था। उसने चेतावनी भी दी थी कि यदि उसके जहाजों पर ईंधन के उपयोग के लिए कोई नए शुल्क लगाए गए तो वह भी जवाबी कार्रवाई करेगा। लेकिन फिर भी आईएमओ 108 देशों से जहाजों के लिए नए ईंधन मानक और वैश्विक उत्सर्जन मूल्य प्रणाली मंजूर कराने में सफल रहा ही। यह साफ है कि दुनिया के देश अपनी साझा चुनौतियों पर अमेरिका के बगैर भी फैसले ले सकते हैं। वास्तव में एफएफडी4 से अमेरिका की गैरमौजूदगी फायदेमंद ही होगी। क्योंकि उसका रिकॉर्ड रहा है कि पहले वह अपनी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हित के रास्ते खोजता है और फिर येन-केन-प्रकारेण किसी समझौते पर हस्ताक्षर करने या उसे लागू करने से इनकार कर देता है। 2021 में तय हुई ओईसीडी ग्लोबल टैक्स डील पर बातचीत इसका एक उदाहरण है। लेकिन अमेरिका के बिना भी सफलता पाने के लिए जरूरी है कि दुनिया के अन्य देश वैश्विक-नेतृत्व के रिक्त स्थान को भरें और बहुपक्षीय सहयोग के प्रति भरोसेमंद प्रतिबद्धता जाहिर करें। सौभाग्य से एफएफडी4 आउटकम दस्तावेज का पहला प्रारूप इस अनिवार्यता को स्वीकार करता है और कई उपयोगी और व्यावहारिक प्रस्तावों को आगे बढ़ाता है। इस दस्तावेज में व्यापक स्तर पर घरेलू संसाधन जुटाने पर जोर दिया गया है। पुरानी अंतरराष्ट्रीय कर-प्रणाली और गैरकानूनी वित्तीय प्रवाह पर अपर्याप्त नियंत्रण निम्न और मध्यम आय वाले देशों के बजट में बाधा है। इन क्षेत्रों में सुधार किए जाएं तो आय व सम्पत्ति की असमानता घटेगी और कर-राजस्व बढ़ेगा, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन रोकने के क्षेत्रों में निवेश के लिए महत्वपूर्ण हैं। टिकाऊ विकास की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक प्रयास विफल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समझौते व्यापकता और गुणवत्ता, दोनों ही नजरियों से नाकाफी हैं। निजी क्षेत्र के वित्त पोषण से सार्वजनिक क्षेत्र को लाभ पहुंचाने वाला विजन भी काल्पनिक ही रहा है। आज वैश्विक सार्वजनिक निवेश का मॉडल अपनाने की जरूरत है, जिसमें सभी देश साझा सार्वजनिक चीजों के लिए अपनी क्षमता के अनुरूप योगदान दें। इसके लिए सबसे पहले आईएमएफ और विश्व बैंक में मौलिक बदलाव करने होंगे। आवश्यकता है कि दोनो संस्थाएं लीक से हट कर दृष्टिकोण अपनाएं, जिसमें अन्य पूंजिगत हितों से ऊपर जनता को रखा जाए। मौटे तौर पर बहुपक्षीय बैंकों को सामाजिक, विकासात्मक और पर्यावरण संबंधी जरूरतों के? लिए उधार सीमा को बढ़ाना चाहिए और इसके लिए उन्हें टिकाऊ फंडिंग की जरूरत है। इसमें बड़ी बाधा यह है कि आईएमएफ और विश्व? बैंक में ऐसे बड़े निर्णयों के लिए 85फीसदी वोटों का बहुमत चाहिए और इसमें से 16फीसदी मतों के साथ अमेरिका स्पष्ट तौर पर वीटो लगा सकता है। ?बगैर सुधारों के ऐसे संस्थान दिखावटी बनकर रह जाएंगे। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय नियामकों को मजबूत किया जाना चाहिए। निजी क्षेत्र को सामाजिक लक्ष्यों के प्रति जवाबदेह बनाना चाहिए, अन्यथा उनके खिलाफ दंड का प्रावधान हो। वैश्विक पूंजीवाद के दौर में भी ऐसे उपाय किए जा चुके हैं।

अपना स्टेटस बनाने के लिए डिजाइनर लेबल की जरूरत नहीं

एक फैशन शो की रील पर मेरी नजर पड़ी, जिसमें मॉडल्स ने अजीबोगरीब कपड़े पहने थे। लेकिन पैरों में कोल्हापुरी चप्पल। जी हां, अपने शुद्ध देसी फुटवियर का स्टेटस बदल गया है। आम आदमी की चहेती यह चप्पल अब आम नहीं, खास है। देखिए, कीचड़-करकट में हमें ना ले जाइए। बस स्टैंड, रिक्शा, ट्रेन- इनमें सफर करना हमें अच्छा नहीं लगता। एसी गाड़ी में तो सफर होना ही चाहिए। आप हमें तभी पहनिए जब किसी सहूलियत वाली जगह पर जाना हो। जैसे मॉल, 5 स्टार क्लब। क्या? क्लब में चप्पल के साथ एंट्री अलाउड नहीं है? छी,छी छी, कितनी पुरानी सोच। देखिए, मैं प्रादा ब्रांड की बेटी हूं, जो इटली में बहुत फेमस है। वैसे तो यह चप्पल इंडिया में 300 की बिकती है, लेकिन हमारा लेबल चिपकाते ही, देखो जादू। अब लोग इसे 30 हजार में खरीदेंगे। जादू हम करते हैं आइटम पर नहीं, कस्टमर के दिमाग पर। मैगजीन में, होर्डिंग पर और रील्स में हम सपनों की दुनिया दिखाते हैं। जहां ग्वारफली के आकार की लड़कियां हमारे कपड़े-जूते पहन कर रैम्प वॉक करती हैं। सपना इसलिए कि एक साल तक सिर्फ ग्वारफली खाओगे, तब भी मॉडल जैसे पतले ना हो पाओगे। दादी इनकी शक्ल देख कर कहेगी, हड्डी-हड्डी व्हे री यो छोरी। ईने म्हारे कने लइजे, एक हफ्तो में खिला-पिला के थोड़ो तो शरीर बनेगो। पर दादी क्या जाने, यही तो आज का फैशन है। भरपूर आहार के जमाने में अकाल पीड़ित जैसा दिखना कोई मामूली बात नहीं! खैर, अब इस डिजाइनर चप्पल के साथ का लुक कम्प्लीट करने के लिए हमारे इटालियन, फ्रेंच और जापानी दिग्गजों ने खूब सोचा। कौन-सा दूसरा प्रोडक्ट मार्केट में लाया जाए। काफी विचार-विमर्श के बाद उन्हें एक ऐसी चीज मिली, जिसके बारे में सुनकर आप हक्के-बक्के रह जाएंगे। इंट्रोड्यूसिंग द हाइट ऑफ लग्जरी- थाइली टोटे बैग। जूट का यह बैग ना केवल सस्टेनेबल, बल्कि मिनिमलिस्टिक भी है। मतलब इंडिया में मिनिमम दाम पर मिलता है, तो हमारा प्रॉफिट एक लाख प्रतिशत। ये वो बैग हैं जो किराने की दुकान वाले फ्री में देते हैं, जिस पर रमेश नमकीन या चेतक स्वीट्स का नाम एक किलोमीटर की दूरी से भी दिखता है। दादी बोली, आयो होगो कोई गोरो, वणी ने बैग पसंद आयो, ले गयो वापिस। ईने कोई पूछ्यो होगो किधर लियो यो बैग। तो वणी सोचियो, ये आईटम बेचनो चइये। दादी सेंट परसेंट करेक्ट। तो अब थाइली बैग बिक रहा है, अमेरिका के नॉर्डस्ट्रोम में, 48 डॉलर यानी 4 हजार रुपए में। 4 हजार रुपए में तो एक परिवार का महीने का राशन मिल जाता है। अरे याद आया, सपनों की दुनिया में राशन की जरूरत कहां। तो सिर्फ बैग के साथ काम चल जाएगा। ज्यादा भूख लगी तो अपने नाखून को चबाना अलाउड है, और आस-पास वालों का दिमाग खाना भी। दादी बोली, आजकल कणी दवाई मिले, पतलो होनो वास्ते। ओह दादी, आपको भी पता है ओजेम्पिक के बारे में। क्या बताएं, एक दिन इंसान नॉर्मल दिखता है, दो महीने बाद एक सूखे पत्ते की तरह हवा में उड़ता हुआ। मुम्बई पुलिस ने तो करण जौहर को नोटिस भेजा, मरीन ड्राइव पर चलना आपको सख्त मना है। ना दादी ना, तेरे को चिंता करने की जरूरत नहीं। मैं ना तो यह दवा लेने वाली हूं, और ना कोई खाने से परहेज। वो भी आपके हाथ का। गरम-गरम तड़के वाली दाल, घी वाले चावल, अचार-पापड़ और आपका प्यार। मेरे सपनों की दुनिया तो यही है। जहां रही चप्पल की बात, मैं खरीदूंगी उसी कोलाबा कॉज-वे की दुकान से, जहां सालों से जाती हूं। अब तो नए-नए रंग आ गए हैं, और बेहतर सोल भी। अगर कोई मुझे कहे, लो 30 हजार रुपए, डिजाइनर चप्पल खरीद लो, तो मैं उन पैसों से 300 लोगों को भरपेट खाना खिला दूंगी। मुझे अपना स्टेटस, अहमियत, पहचान बनाने के लिए किसी डिजाइनर लेबल की जरूरत नहीं। मैं इंडिया में इंडियन हाथों से बनी हुई चप्पल पहनकर गर्व महसूस करती हूं, रमेश नमकीन के नमकीन खाकर तृप्ति पाती हूं। शायद मेरा आकार लौकी, गाजर या बैंगन से मिलता हो, कोई बात नहीं। छोटे शॉर्ट्स में नहीं तो साड़ी में हर कोई खूबसूरत दिखता है! (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आर्थिक विषमता और दुर्बल लोकतंत्र में गहरा संबंध है

किसी भी देश में आर्थिक असमानता कुछ हद तक एक उपयोगी भूमिका जरूर निभाती है, क्योंकि यह इनोवेशन और कड़ी मेहनत के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है। उद्यमियों को अकसर नए उपक्रमों में निवेश करने के लिए जोखिम उठाना पड़ता है। यदि उपक्रम सफल होता है, तो उन्हें जोखिम के लिए उचित मुआवजा मिलेगा। इसी तरह, जो व्यक्ति कड़ी मेहनत करना चुनता है, उसे उन लोगों की तुलना में अधिक आय मिलनी चाहिए, जो अधिक आरामदायक जीवन शैली अपनाते हैं। यही वे प्रोत्साहन हैं, जो किसी देश की आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाते हैं। इसलिए, एक निश्चित स्तर की आर्थिक असमानता स्वाभाविक है और अर्थव्यवस्था के बढ़ते रहने के लिए जरूरी भी। हालांकि, आज दुनिया में जिस स्तर की आर्थिक असमानता देखने को मिल रही है, वह जितनी होनी चाहिए, उससे कहीं ज्यादा है। ऑक्सफैम द्वारा 20 मई 2025 को प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया के 10 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति में एक साल में 365 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। यह तंजानिया की पूरी आबादी (लगभग 6.6 करोड़) द्वारा एक वर्ष में अर्जित कुल आय से चार गुना अधिक है। मान लें कि सबसे अमीर लोगों की सालाना आय उनकी कुल संपत्ति की 5इ है तो आज दुनिया के तीन सबसे अमीर व्यक्तियों- मस्क, जकरबर्ग और बेजोस की कुल आय नेपाल की पूरी आबादी यानी 2.96 करोड़ लोगों की आय के बराबर है। अगर हम सब-सहारन अफ्रीका के देशों की बात करें तो इतनी आय वहां की और बड़ी आबादी के बराबर होगी। हम जानते हैं ब्रिटिश राज के समय भारत में बहुत असमानता थी। आजादी के बाद भी रही, लेकिन यह न केवल अंग्रेजों के दौर, बल्कि दुनिया के कई और देशों के मुकाबले भी काफी कम थी। जब मैं कोलकाता और दिल्ली में पढ़ाई कर रहा था, तो अकसर पाकिस्तान के उन 22 परिवारों की बातें सुनता था, जो अपनी दौलत के जरिए पूरे देश को चलाते थे। हम फिलीपींस और कई मध्य-पूर्वी देशों में क्रोनी कैपिटलिज्म (मिलीभगत वाले पूंजीवाद) के बारे में पढ़ते थे, जहां कुछ गिने-चुने लोग देश और सरकार को अपने कब्जे में लिए रहते थे। उस दौर में भारत इन सबसे अलग लगता था। लेकिन हालिया अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में अब क्रोनीवाद तेजी से बढ़ रहा है। थॉमस पिकेटी और उनके सह-लेखकों द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार भारत में आर्थिक असमानता उस स्तर तक पहुंच चुकी है, जो ब्रिटिश राज के दौर में देखी गई थी। इस तरह की असमानता दुनिया के किसी भी हिस्से में ठीक नहीं मानी जाती, लेकिन यहां मैं एक नई और गंभीर समस्या की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं : आर्थिक असमानता और लोकतंत्र के कमजोर पड़ने के बीच का संबंध। आज की दुनिया में असमानता का असर कुछ अलग ही रूप ले रहा है, और इसकी एक बड़ी वजह है डिजिटल कनेक्टिविटी का बढ़ना, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का उभरना। पहले के समय में जो लोग बहुत अमीर होते थे, उनके पास कई घर, कारें और जेवर होते थे। आज भी उनके पास ये सब कुछ है, लेकिन इसके अलावा अब उनके पास प्लेटफॉर्म्स पर नियंत्रण और ऐसा प्रभाव डालने की ताकत भी है, जो पहले मुमकिन नहीं थी। भारतीय ग्रामीण जीवन पर काम करने वाले मानवशास्त्रियों ने लिखा है कि गांव की बैठकों में जब आम लोग खुलकर अपनी बातें रख रहे होते थे, तो जैसे ही गांव का कोई अमीर जमींदार आता था, सब चुप हो जाते थे। आज जब पूरी दुनिया एक तरह से डिजिटल रूप से एक ही बड़ी बैठक में जुड़ी हुई है, तो वही बात वैश्विक स्तर पर हो रही है। कुछ अरबपतियों के हाथों में जब असर डालने के सारे साधन आ जाते हैं, तो आम लोगों की आवाज दब जाती है। और यही लोकतंत्र को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है। उद्यमिता और लाभ कमाने की प्रेरणा मानव-प्रगति के दो बड़े स्रोत हैं। हमें बाजार को काम करने देना चाहिए, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि उस मुनाफे का एक उचित हिस्सा गरीबों की भलाई के लिए इस्तेमाल किया जाए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

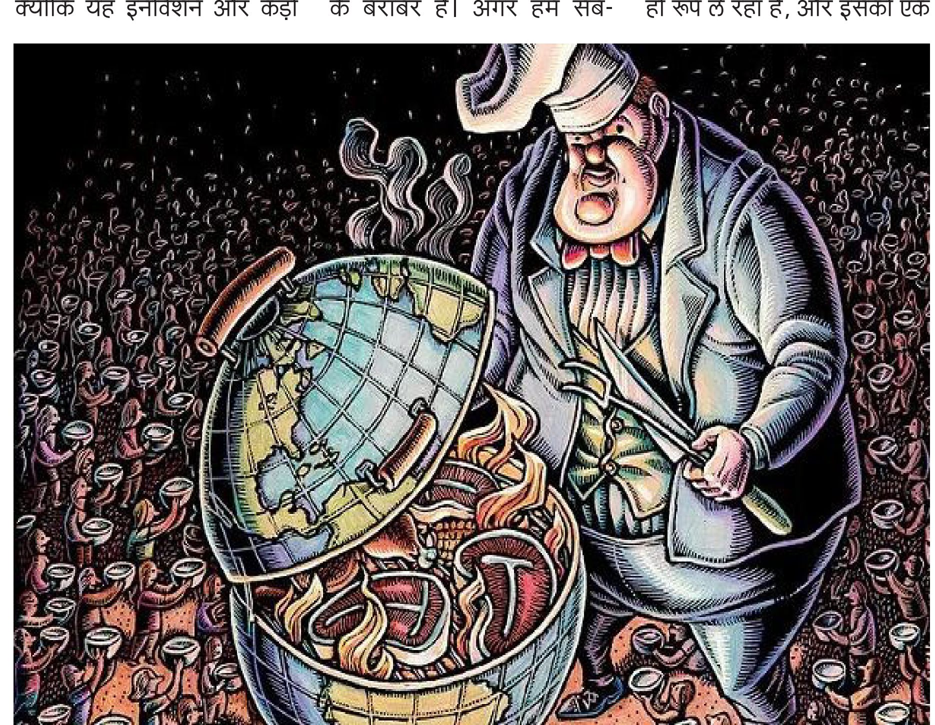

सवाल है कि- हम भारत के लोग बाहर क्यों निकलते हैं

'लोग हाईवे पर निकलते ही क्यों हैं? जाम तो लगेगा ही।' एनएचएआई की तरफ से एक वकील ने मध्यप्रदेश हाई कोर्ट में कहा। इंदौर से देवास जाने वाले बायपास पर 20-20 घंटे के जाम लगे। इलाज के लिए ले जाए जा रहे दो लोगों की एंबुलेंस में मौत हो गई। हताश, निराश लोगों ने कोर्ट में जनहित याचिकाएं लगाईं, जिन पर वकील ने विस्तृत रूप से यह जवाब दिया- 'लोग निकलते क्यों हैं इतनी जल्दी? जाम तो लगेगा ही। लोगों को बायपास से मॉल, मल्टीप्लेक्स, होटल जाना है। ट्रैफिक लोड बढ़ रहा है। बायपास पर गड्ढे खुल गए। होटल, रेस्टोरेंट और मैरिज गार्डन भी हैं। कई टाउनशिप हैं।' लगता है देश की सबसे बड़ी समस्या हैं- लोग। वे बाहर निकलते ही क्यों हैं? जाम लग जाता है। ट्रेनों में यात्रा क्यों करते हैं? फुल हो जाती हैं। आखिर कितनी स्पेशल ट्रेनें चलाए भारतीय रेल? हवाई चप्पल पहने लोग क्यों हवाई जहाज में चढ़ते हैं? दिल्ली में एयर ट्रैफिक इतना बढ़ जाता है कि मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। दुर्घटना होती है तो मौतों का आंकड़ा भी इतना बड़ा हो जाता है कि दुनिया का ध्यान चला जाता है। पता नहीं लोग इतने बीमार भी क्यों पड़ते हैं? अस्पतालों में डॉक्टर और बेड कम पड़ जाते हैं। तो सवाल है कि घर क्यों नहीं बैठे रहते लोग? बाहर निकलते ही क्यों हैं? कुछ लोगों ने वकील का बयान पढ़ने के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि लोगों को मर ही जाना चाहिए। समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी। यह ठीक विचार नहीं है। नकारात्मकता है इसमें। लोगों को जिंदा रहना चाहिए। लेकिन घर में रहना चाहिए। कोविड में रहे थे ना! सड़कों पर कितनी शांति थी। कुछ लोगों को डराती थी, लेकिन थी तो। बालकनी में थाली बजाने से डर भागा भी तो था। डेढ़ जीबी प्रतिदिन का डेटा 289 रुपए में उपलब्ध है। घर में रहकर रील बनानी चाहिए। पनीर की नई रेसिपी बनाने की। बस पनीर लेने बाहर मत जाइएगा। 10 मिनट में डिलीवरी वाली ऐप है। पलक झपकते ही पनीर आएगा। अगर आप थोड़े विचारवान 'लोग' हैं तो रील बनाने की जगह विचारोत्तेजक टिप्पणी पोस्ट कीजिए। अमेरिका की सड़कों पर ड्राइवरलेस कार चलाने वाले इलॉन मस्क की ऐप पर। बारिश में बह रही देश की सड़कों को लेकर। टोल के ठेकेदारों की नाजायज वसूली पर। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर। देश के मुद्दों पर टिप्पणी करने से जाम नहीं लगता और लोग देश के लिए समस्या नहीं बनते। आपके विचारों से देश आगे भी बढ़ता है। जल्द ही ?जनगणना शुरू होने वाली है, हम कुल कितने और किस जाति के लोग हैं यह जानकारी घर से ही ले ली जाएगी। जैसा कि वकील ने कहा, बड़ी तादाद में हम लोग मॉल, मल्टीप्लेक्स, होटल और मैरिज गार्डन जाते हैं। बहुत खर्चा भी करते हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत 2026 तक अमेरिका और चीन के बाद सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने वाला है। 2030 तक मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग के कारण उपभोक्ता खर्च 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। डिजिटल भुगतान ने जो सुविधा दी है, उससे हम खर्चों में और बेतकल्लुफ हो गए हैं। साल 2024 तक वित्त वर्ष में खुदरा डिजिटल भुगतान 14 हजार 726 करोड़ हो गया, जो वर्ष 2013 में 162 करोड़ ही था। गर्व का विषय बनी हमारी 4.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी में उत्पादों, सेवाओं की मांग और उपभोक्ता का खर्च सबसे महत्वपूर्ण है। यह सब ठीक है। बाहर निकलने से अर्थव्यवस्था वंदे भारत की रफ्तार से दौड़ती है लेकिन जामष्ठ। घर में रहिए। 15 अगस्त करीब आ रहा है। घर-घर तिरंगा सजाइए। सड़क पर जाम मत लगाइए, भारत के लोगो।

भारत में डिजिटल-क्रांति का एक दशक 'नरेंद्र मोदी'

दस साल पहले हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था। जहां दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे कि नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया।जहां दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया। जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है। यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ। 2014 में इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं। आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है। 2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है। भारत का 5जी रोलआउट विश्व में सबसे तेज रोलआउट्स में से एक है और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख तक पहुंच चुका है।इंडिया स्टैक- जो हमारा डिजिटल बैकबोन है- ने यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गई है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपए की लीकेज रोकी गई है। स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है। ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है, जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है। जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) आमजन को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है। कल्पना कीजिए, आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं।

800 साल पुरानी ममी को गर्लफ्रेंड बनाया,जांच में निकला पुरुष,वर्ल्ड वॉर के डर से घर में बंकर बनवाया

नयी दिल्ली। पेरू के जूलियो

सीजर 800 साल पुरानी ममी (लाश जिसे ममी बनाया गया) को गर्लफ्रेंड मानकर 30 सालों से साथ रह रहे हैं। जूलियो इसे अपनी स्पिरिचुअल गर्लफ्रेंड कहते हैं। बीते दिन जूलियो अपने दोस्तों को ममी दिखाने पार्क गया था, जहां पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। जूलियो ने बताया कि इंसानी अवशेषों में दिलचस्पी के चलते उनके पिता ने 30 साल ममी को घर लाए थे। वह इसी पुराने मानव अवशेष के साथ बड़ा हुआ। जूलियो ने इसका नाम जुआनिता रखा था। शख्स को पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद ममी को आर्कियोलॉजी वालों को सौंप दिया है। इसे देखते ही पेरू के संस्कृति मंत्रालय के एक्सपर्ट्स ने ममी की सच्चाई बताई। उन्होंने कहा- यह ममी जुआनिता नहीं, जुआन है। यह एक पुरुष था, जिसकी मृत्यु करीब 45 साल की उम्र में हुई थी।आपने सुना होगा कि सरकारें अपने नेताओं के लिए बंकर बनवाती हैं, लेकिन क्या कोई आम इंसान भी अपने घर में 'वर्ल्ड वॉर' के लिए बंकर बना सकता है? ब्रिटेन के डर्बीशायर के रहने वाले 44 साल के डेव बिलिंग्स ने अपने घर के बगीचे में एक ज़मीन के नीचे वाला (भूमिगत) बंकर बनाया है। इस बंकर पर उन्होंने अब तक रु50 लाख (500,000 पाउंड) खर्च किए हैं। यह प्रोजेक्ट 10 साल पहले शुरू हुआ था। इसे बनाने के लिए डेव को मशहूर

हॉलीवुड फिल्म 'द ग्रेट एस्केप' से प्रेरणा मिली थी। अब तीसरे विश्व युद्ध की आशंका के चलते बंकर को मजबूत बनाने के लिए रु12 लाख लगाकर रेनोवेशन करवा रहा है। डेव ने बताया कि 35 फीट लंबी सुरंग में कई कमरे हैं। इसमें एक जिम, शौचालय और सिंक भी है। यहां तक कि इसमें लिफ्ट, खाने-पीने का सामान ले जाने का रास्ता भी अलग से है।

40 साल की महिला टीचर ने किया स्टूडेंट का यौनशोषण,मुंबई के आलीशान होटलों में ले गई, शराब पिलाकर संबंध बनाए; पॉक्सो केस में गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के एक स्कूल की

महिला टीचर को 16 साल के स्टूडेंट का बार-बार यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह महिला स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाती थी। लेकिन नाबालिग को मुंबई के आलीशान होटलों में ले गई, जहां उसने छात्र के साथ दुर्व्यवहार किया। एफआईआर के मुताबिक टीचर अक्सर लड़के को शराब पिलाकर उसका शोषण करती थी। जब नाबालिग स्टूडेंट को यह सब ठीक नहीं लगा तो टीचर ने उसे एंटी-एंजाइटी दवाएं भी दीं।पुलिस ने बताया कि पिछले सप्ताह हिरासत में ली गई महिला टीचर नाबालिग के प्रति इतनी आसक्त थी कि उसने इस साल स्कूल से निकलने के बाद भी उससे संपर्क करने की कोशिश की। फिलहाल मुंबई पुलिस ने महिला टीचर पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण पोस्को अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और किशोर न्याय अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।दिसंबर 2023 में स्कूल के एनुअल फंक्शन के सिलसिले में स्कूल में कई मीटिंग होती थीं। इसी दौरान आरोपी महिला टीचर अपने स्टूडेंट की ओर आकर्षित हुई। उसने जनवरी 2024 में पहली बार यौन संबंध बनाने की कोशिश की। आरोपी महिला के एक दोस्त ने उस समय 10वीं में पढ़ने वाले स्टूडेंट को अवैध संबंध स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उसने नाबालिग से कहा कि आजकल बड़ी उम्र की महिलाओं और किशोर लड़कों के बीच संबंध काफी आम हो गए हैं।लड़के के परिवार को शोषण के बारे में तब पता चला जब उन्होंने उसके व्यवहार में बदलाव देखा। हालांकि, उन्होंने चुप रहना सही समझा, क्योंकि उन्हें लगा कि वह कुछ महीनों में स्कूल खत्म कर लेगा और मामला खत्म हो जाएगा। लड़के ने कुछ महीने पहले अपनी 10वीं की परीक्षा पास की और स्कूल छोड़ दिया, लेकिन वह अवसाद में चला गया। मामला यहीं नहीं रुका। कुछ समय आरोपी महिला ने फिर से अपने घरेलू कर्मचारियों के जरिए लड़के को उससे मिलने के लिए मैसेज भेजा। इसके बाद नाबालिग के परिवार ने बोलने का फैसला किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना:जम्मू में एलजी मनोज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाई, अब तक 3.5 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के लिए बुधवार को पहला जत्था जम्मू से रवाना

हो गया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भगवती नगर बेस कैंप से जत्थे को झंडी दिखाई। इस दौरान श्रद्धालु 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारे लगाते रहे। आधिकारिक तौर पर यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से होगी। वहीं, पंजाब के पठानकोट से भी यात्रियों के जत्थे को रवाना किया गया। यहां से श्रद्धालु बालटाल होकर बाबा बर्फानी की गुफा पहुंचेंगे। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। पहलगाम रूटः इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन लगते हैं, लेकिन ये रास्ता आसान है। यात्रा में खड़ी चढ़ाई नहीं है। पहलगाम से पहला पड़ाव चंदनवाड़ी है। ये बेस कैंप से 16 किमी दूर है। यहां से चढ़ाई शुरू होती है। तीन किमी चढ़ाई के बाद यात्रा पिस्सू टॉप पहुंचती है। यहां से पैदल चलते हुए शाम तक यात्रा शेषनाग पहुंचती है। ये सफर करीब 9 किमी का है। अगले दिन शेषनाग से यात्री पंचतरणी जाते हैं। ये शेषनाग से करीब 14 किमी है। पंचतरणी से गुफा सिर्फ 6 किमी रह जाती है। 2. बालटाल रूटः वक्त कम हो, तो बाबा अमरनाथ दर्शन के लिए बालटाल रूट से जा सकते हैं। इसमें सिर्फ 14 किमी की चढ़ाई चढ़नी होती है, लेकिन एकदम खड़ी चढ़ाई है, इसलिए बुजुर्गों को इस रास्ते पर दिक्कत होती है। इस रूट पर संकरे रास्ते और खतरनाक मोड़ हैं। यात्रा के दौरान किन बातों का ध्यान रखें... यात्रा के दौरान मेडिकल सर्टिफिकेट, 4 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, आरएफआईडी कार्ड, ट्रैवल एप्लिकेशन फॉर्म अपने साथ रखें। फिजिकल फिटनेस के लिहाज से हर रोज 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलने की प्रैक्टिस करें। सांस वाला योग जैसे प्राणायाम और एक्सरसाइज करें। यात्रा में ऊनी कपड़े, रेनकोट, ट्रैकिंग स्टिक, पानी बॉटल और जरूरी दवाओं का बैग अपने साथ रखें।अमरनाथ यात्रा का बालटाल रूट से निकला श्रद्धालुओं का काफिला सोमवार को सुरक्षित रूप से गांदरबल स्थित बेस कैंप पहुंच गया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यहां से आगे श्रद्धालु अमरनाथ गुफा की ओर रवाना होंगे।अमरनाथ यात्रियों का पहला जत्था अनंतनाग जिले के काजीगुंड पहुंच गया है। स्थानीय लोगों ने तीर्थयात्रियों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया, साथ ही सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दीं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। स्थानीय लोग भी इसमें सहयोग कर रहे हैं।

मीडिया के सवालों पर भड़के सिद्धारमैया:बोले-अगले 5 साल मैं ही कर्नाटक का मुख्यमंत्री,शिवकुमार ने कहा- मुझे आपत्ति नहीं, मेरे पास विकल्प क्या है

चिकबल्लापुर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि वे पूरे पांच साल तक सीएम पद पर बने रहेंगे। चिकबल्लापुर में मीडिया ने जब उनसे पूछा कि क्या वे पांच साल तक सीएम रहेंगे, इसके जवाब में दिग्गज नेता ने कहा, 'हां, मैं रहूंगा। आपको इसमें संदेह क्यों है?' भाजपा और जेडी(एस) के इस दावे पर कि सीएम को बदला जाएगा, सिद्धारमैया ने पलटवार करते हुए कहा- क्या वे हमारे हाईकमान हैं। उन्होंने पूछा, 'आर अशोक, बीवाई विजयेंद्र, चलवडी नारायणस्वामी भाजपा के आदमी हैं। अगर वे ऐसी बातें कहते हैं तो क्या आप लिखेंगे। आपको इसकी पुष्टि करनी चाहिए या नहीं। इधर, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और वे सिद्धारमैया का साथ देंगे। उनका समर्थन करेंगे। डीके ने संकेत दिया कि उनके पास सिद्धारमैया का साथ देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।इसके पहले भी शिवकुमार ने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस में कोई असंतोष नहीं है और जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री हैं, तो नेतृत्व के मुद्दे पर किसी तरह के विवाद की कोई जरूरत नहीं है।

पार्टी अनुशासन महत्वपूर्ण है, मैंने किसी से खुद को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। शिवकुमान ने यह चेतावनी भी दी कि सीएम बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक बयान देने वाले नेताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे।मई 2023 में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी, और कांग्रेस ने बाद में उन्हें मनाने में कामयाबी हासिल की और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया। उस समय कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रोटेशनल चीफ मिनिस्टर फॉर्मूले के आधार पर समझौता हो गया था, जिसके मुताबिक शिवकुमार ढाई साल बाद सीएम बनेंगे, लेकिन पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की थी।

हेमंत खंडेलवाल एमपी भाजपा अध्यक्ष बने:चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने ऐलान किया, कल 5 राज्यों को अध्यक्षों की घोषणा हुई थी

नयी दिल्ली। हेमंत खंडेलवाल बुधवार को मध्य प्रदेश भाजपा के निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिए गए। हुआ था। गोशामहल से विधायक टी राजा ने विरोध करते हुए 30 जून को पार्टी से इस्तीफा दे दिया

चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने इसकी घोषणा थी। खंडेलवाल ने सोमवार शाम नामांकन भरा था। उनके अलावा किसी अन्य ने नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरा था बीते दिन पांच राज्यों हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना के अध्यक्ष भी निर्विरोध चुने गए थे। हिमाचल में राजीव बिंदल को तीसरी बार कमान दी गई। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। महाराष्ट्र में रवींद्र चव्हाण, आंध्रप्रदेश में पीएनवी माधव और तेलंगाना में रामचंदर राव को पहली बार चुना गया है। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद था। नए प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ हो जाएगा। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50फीसदी राज्यों में चुनाव होने के बाद ही हो सकता है।मध्य प्रदेश के मध्य क्षेत्र से दूसरी बार किसी नेता को प्रदेश भाजपा संगठन के नेतृत्व का मौका मिला है। हेमंत खंडेलवाल (सामान्य) शिवराज के बाद दूसरे नेता हैं। प्रदेश का सीएम बनने से पहले शिवराज सिंह चौहान (ओबीसी) मई 2005 से फरवरी 2006 तक भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रहे।

यूपी के कांवड़ियों का ट्रक टिहरी में पलटा...3 की मौत:बुलंदशहर से गंगोत्री जल भरने जा रहे थे, पुलिस और एसडीआरएफ रेस्क्यू में जुटी; 14 घायल

टिहरी। यूपी के कांवड़ियों का ट्रक उत्तराखंड में पलट गया। हादसे में तीन

लोगों की मौत हो गई, 14 घायल हैं। शिव शक्ति कांवड़ सेवा ट्रस्ट के लोग कांवड़ियों के लिए भंडारा लगाने जा रहे थे। बुधवार सुबह करीब 10 बजे नरेंद्र नगर के पास ऋषिकेश-टिहरी मार्ग पर जाजल फकोट के पास ट्रक पलट गया।सभी 21 लोग ट्रक के नीचे दब गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक सड़क किनारे पलटा था, अगर खाई में गिर जाता तो बड़ा हादसा हो जाता। हादसे की सूचना पर स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची है। रेस्क्यू अभियान चलाकर बचाव कार्य में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र नगर संजय मिश्रा ने बताया- एक चार साल का बच्चा भी ट्रक में आगे फंसा था, जिसको पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। घटना के बाद टिहरी की डीएम नीतिका खंडेलवाल भी मौके पर पहुंचीं। 2 घायलों को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है, जबकि अन्य का नरेंद्र नगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है।कांवड़िए बुलंदशहर के सिकंद्राबाद के हैं। ये सभी मोहल्ला कास्तवाडा के सैनियों की बड़ी चौपाल में रहते हैं। बताया कि मोहल्ले के ही करीब 21 लोग ट्रक संख्या यूपी-13-बीटी-8739 से गंगोत्री के लिए जा रहे थे। ये लोग हर साल वहां जाते हैं। अचानक ट्रक ऋषिकेश-टिहरी मार्ग पर जाजल फकोट के पास पलट गई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान विक्की (30), सुनील और संजय के रूप में हुई है।ईश्वर सैनी (49), अतर सिंह (60), रवि (30), कुलदीप गिरी (35), झम्मन सिंह (70), बनवारी (55), मुकेश (59), प्रेम सिंह (50), जुगनू (35), तुषार (17), भजन लाल (45), लेखराज (40), टिंकू (49), मूलचंद (40), राहुल (28), नकुल (04), बिशन (34), विनीतसमिति से जुड़े धन सिंह प्रजापति ने बताया कि बुलंदशहर के सिकन्दराबाद का शिव शक्ति कांवड़ सेवा ट्रस्ट 8 साल से भंडारे का आयोजन कर रहा है।

इस देश में राष्ट्रपति और पीएम दोनों महिलाएं भारतीय मूल के हैं स्पीकर समेत तीनों नेता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के न्योते पर पीएम नरेंद्र मोदी जिस कैरेबियाई देश त्रिनिदाद एंड टोबैगो का दौरा कर रहे हैं वो भारत के लिहाज से बेहद

अहम है. इस देश में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और स्पीकर तीनों भारतीय मूल के नेता हैं और साथ ही तीनों ने वकालत की पढ़ाई की है.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने सबसे लंबे विदेश दौरे के लिए रवाना हो गए हैं. इस दौरे के दौरान वह 5 देशों का दौरा करेंगे. शुरुआत घाना से करेंगे और फिर इसके बाद त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया भी जाएंगे. पीएम जिन 5 देशों के दौरे पर जा रहे हैं उसमें एक देश ऐसा भी है जहां पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और स्पीकर तीनों अहम पदों पर भारतीय मूल के लोगों का कब्जा है. वहां पर राजनीतिक जगत में भारतीय मूल का खासा दबदबा भी माना जाता है.बात कर रहे हैं त्रिनिदाद और टोबैगो की. इस कैरेबियाई देश का भी पीएम मोदी दौरा करने वाले हैं. घाना 2 दिन रुकने के बाद वह त्रिनिदाद और टोबैगो जाएंगे. किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 1999 के बाद यह पहली त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा है. फरवरी 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोर्ट ऑफ स्पेन का दौरा किया था.26 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का त्रिनिदाद और टोबैगो जाना इस मायने में बेहद खास है क्योंकि 15 लाख से थोड़े अधिक आबादी वाले इस छोटे से देश में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ही अहम पदों पर महिला नेता विराजमान हैं. साथ ही ये दोनों नेता भारतवंशी भी हैं. पीएम मोदी प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के निमंत्रण पर त्रिनिदाद के दौरे पर जा रहे हैं. त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू भारतीय मूल की नेता और वकील हैं. वह देश की 7वीं राष्ट्रपति हैं और इस पद पर 2023 से काबिज हैं. इससे पहले वह त्रिनिदाद और टोबैगो के सीनेट की प्रमुख रही हैं. वह देश की अकेली ऐसी नेता हैं जो त्रिनिदाद और टोबैगो संसद के ऊपरी सदन सीनेट की प्रमुख और उपप्रमुख दोनों रही हैं.20 मार्च 2023 को त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति पद संभालने वाली क्रिस्टीन देश की दूसरी महिला नेता हैं. वह देश की पहली महिला राष्ट्रपति पाउला मेई वीक्स को हटाकर राष्ट्रपति बनी हैं. उन्होंने वकालत के क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने के बाद साल 2001 में राजनीति के मैदान में पहली कामयाबी हासिल की और सांसद चुनी गई थीं. क्रिस्टीन कार्ला कंगालू ने साल 2018 में अपने पति के साथ ईसाई धर्म (रोमन कैथोलिक) अपना लिया था. वह कार्लाइल और बारबरा कंगालू की बेटी हैं. उनका नंबर 7 बच्चों में से पांचवां हैं. क्रिस्टीन कार्ला कंगालू के अलावा कमला प्रसाद-बिसेसर भी देश की प्रमुख राजनीतिक हस्ती हैं और यहां की प्रधानमंत्री हैं. पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे. वह 1 मई 2025 को इस पद पर काबिज हुईं.कमला प्रसाद-बिसेसर का पूरा नाम कमला सुशीला प्रसाद बिसेसर है. वह भी राजनीति में आने से वकालत कर चुकी हैं. राष्ट्रपति क्रिस्टीन की तरह कमला प्रसाद-बिसेसर ने भी एलएलबी की पढ़ाई की है. कमला दूसरी बार त्रिनिदाद एंड टोबैगी की प्रधानमंत्री बनी हैं. इससे पहले वह साल 2010 में पहली बार प्रधानमंत्री बनी थीं और 2015 तक पद पर रही थीं. वह देश की कद्दावर नेताओं में शुमार की जाती हैं. प्रधानमंत्री बनने के अलावा वह 3 बार विपक्ष की नेता भी रही हैं. कमला प्रसाद-बिसेसर 26 मई 2010 में जब त्रिनिदाद एंड टोबैगी की प्रधानमंत्री बनीं तो वह दुनिया में किसी देश की महिला प्रधानमंत्री बनने वाली भारतीय मूल की पहली महिला नेता बनी थीं. तब वह 5 साल तक पद पर रही थीं, करीब 10 साल के इंतजार के बाद वह मई में दूसरी बार प्रधानमंत्री चुनी गई हैं.कमला प्रसाद-बिसेसर के माता-पिता दोनों ही भारतीय मूल के हिंदू ब्राह्मण थे. देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पद पर भारतीय मूल के 2 महिलाओं के काबिज होने के अलावा यहां की संसद के स्पीकर भी भारतीय मूल के नेता जगदेव सिंह हैं. जगदेव सिंह ने भी वकालत की है. वह भी कमला प्रसाद की तरह इसी साल संसद के निचले सदन के स्पीकर चुने गए हैं. देश की 13वीं संसद के गठन के बाद जगदेव सिंह 23 मई को स्पीकर बने. भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच संबंध बहुत पुराने हैं. त्रिनिदाद एंड टोबैगो में भारतीय प्रवासियों के आगमन की इस साल 180वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है. 30 मई, 1845 को 225 भारतीय गिरमिटिया मजदूरों को लेकर पहला जहाज त्रिनिदाद के तट पर पहुंचा. तब से लेकर लगातार भारतीय लोग वहां ले जाए गए. अब वहां 42 फीसदी से अधिक भारतीय मूल के लोग रहते हैं.

वर्चुअल सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट ने बीयर पी:गुजरात हाईकोर्ट का मामला, वकील पर कोर्ट की अवमानना का मामला शुरू

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई के

दौरान एक सीनियर एडवोकेट के बीयर पीने का वीडियो सामने आया है। मामले का नोटिस लेते हुए हाईकोर्ट ने सोमवार को वकील के खिलाफ अदालत की अवमानना ??की कार्यवाही शुरू कर दी। वीडियो 26 जून का है। इसमें सीनियर एडवोकेट भास्कर तन्ना जस्टिस संदीप भट्ट के सामने मग से बीयर पीते दिख रहे हैं। अवमानना कार्यवाही कर रही जस्टिस एएस सुपेहिया और जस्टिस आरटी वच्छानी की बेंच ने तन्ना के आचरण को अपमानजनक बताया। अवमानना कार्यवाही के दौरान तन्ना बेंच के सामने वर्चुअली पेश न हों, कोर्ट ने इसके लिए भी आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि आदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने रखा। अगर वे अनुमति देते हैं तो इसे अन्य बेंचों के पास भी भेजा जाएगा। बेंच ने तन्ना को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस तरह की हरकतों का असर नए वकील पर पड़ता है, क्योंकि वे सीनियर वकीलों को रोल मॉडल और गाइड के रूप में लेते हैं। तन्ना का व्यवहार उन्हें दिए गए सीनियर एडवोकेट के विशेषाधिकार को अपवित्र करता है। उन्हें दिए गए सीनियर वकील के पदनाम पर पुनर्विचार की जरूरत है। कोर्ट ने रजिस्ट्री को रिपोर्ट तैयार करके अगली सुनवाई में पेश करने और वीडियो सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।कुछ दिन पहले एक शख्स गुजरात हाईकोर्ट की वर्चुअल सुनवाई के दौरान टॉयलेट में बैठा था। एक चेक बाउंस मामले में जस्टिस निर्जर एस देसाई सुनवाई कर रहे थे। वर्चुअल सुनवाई में समद बैटरी नाम से एक शख्स टॉयलेट सीट पर बैठा दिखा। एक मिनट के इस वीडियो में यह शख्स मोबाइल जमीन पर रखकर टॉयलेट करता दिखा था। इस साल की शुरुआत में भी एक शख्स टॉयलेट से गुजरात हाईकोर्ट की वर्चुअल सुनवाई में शामिल हुआ था। तब कोर्ट ने उस पर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था। कोर्ट ने उसे दो हफ्तों तक हाईकोर्ट के बगीचों की सफाई की 'कम्युनिटी सर्विस' करने का भी आदेश दिया था। वहीं, 2020 में गुजरात हाईकोर्ट ने एक वकील पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था, क्योंकि वह वर्चुअल सुनवाई के दौरान सिगरेट पी रहा था।

संसद सुरक्षा चूक केस-दिल्ली हाईकोर्ट से 2 आरोपियों को जमानत:हफ्ते में 3 दिन थाने में हाजिरी देंगे; इंटरव्यू, सोशल मीडिया पोस्ट की मनाही

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने संसद की सिक्योरिटी तोड़ने के मामले में नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दे दी। कोर्ट ने बुधवार को उन्हें 50 हजार रुपए के निजी बॉण्ड पर जमानत दे दी। मंजूर की गई। निचली अदालत ने दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने जमानत आदेश के तहत सख्त शर्तें भी लगाई हैं। आरोपियों को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने, इंटरव्यू देने या घटना के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर रोक लगाई गई है।इसके अलावा दोनों व्यक्तियों को हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे संबंधित पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने और दिल्ली एनसीआर से बाहर न जाने का भी निर्देश दिया हैपुलिस ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त और पुख्ता सबूत हैं। पुलिस का तर्क था कि जमानत देने से इनके भागने, गवाहों को प्रभावित करने और सबूतों से छेड़छाड़ करने का जोखिम है। पुलिस ने आरोपियों को शक्तिशाली और प्रभावशाली बताते हुए कहा कि इनकी रिहाई जांच में बाधा डाल सकती है।

शेफाली जरीवाला के निधन पर पूर्व पति हरमीत सिंह बोले:तलाक के बाद भी रिश्ते अच्छे रहे, जब भी मिलते थे एक-दूसरे का सम्मान करते थे

नयी दिल्ली। शेफाली जरीवाला का 27 जून को निधन हो गया। उनके अचानक हुए निधन से हर कोई हैरान और दुखी है। इसी बीच उनके पहले पति हरमीत सिंह ने शेफाली के निधन पर बात की है और उनके साथ हुई आखिरी बातचीत को भी याद किया है। विक्की लालवानी से बातचीत में हरमीत सिंह ने कहा, मुझे याद है कि मैं करीब दो-तीन साल पहले एक शो के लिए बांग्लादेश गया था। सनी लियोनी और शेफाली भी वहां थीं। हम तीनों एक प्राइवेट प्लेन से साथ में वापस आए थे और शेफाली और मैं साथ में बैठे थे। हां, हमारी काफी लंबी बातचीत भी हुई थी।हरमीत ने आगे कहा, शादी टूटने और तलाक होने के बाद भी हम दूसरे का

सम्मान करते थे। जब भी हम किसी पार्टी या फिर इवेंट्स में मिलते थे, जो बड़े अच्छे से एक-दूसरे का स्वागत किया करते थे। हालांकि, ये सच है कि शेफाली अब नहीं रही, ये दिल दहला देने वाला है। बता दें, शेफाली जरीवाला की निधन की खबर पर हरमीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसमें उन्होंने लिखा था, शेफाली के अचानक और असमय निधन की खबर सुनकर मैं बिल्कुल टूट गया हूं और विश्वास नहीं कर पा रहा हूं। हमने कुछ खूबसूरत साल साथ बिताए, जो हमेशा मेरे दिल के करीब रहेंगे। साथ ही उन्होंने उनके माता-पिता, पति पराग त्यागी और बहन शिवानी के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त कीं, और कहा कि दूर होने के कारण दुख और भी कठिन हो गया है।शेफाली जरीवाला ने 2004 में मीत ब्रदर्स जोड़ी के संगीतकार हरमीत सिंह से शादी की थी। 2009 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद 2015 में एक्टर पराग त्यागी से शादी कर ली थी।शेफाली ने अपने करियर की शुरुआत 19 साल की उम्र में म्यूजिक वीडियो 'कांटा लगा' से की थी, जिसने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इस गाने में उनके बोल्ड अंदाज और डांसिंग स्टाइल ने लोगों का ध्यान खींचा था।

वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं तारा सुतारिया?:एक साथ इटली में मना रहे हैं वेकेशन; साथ रैंप वॉक करने पर शुरू हुए थे डेटिंग रूमर्स

नयी दिल्ली। तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में दोनों स्टार्स की लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट्स के बाद डेटिंग की खबरें और भी तेज हो गई हैं। हालांकि, इस मामले में तारा और वीर की तरफ से अब तक कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। वीर पहाड़िया ने मंगलवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह इटली के एक यॉट पर पोज देते हुए नजर आ रहे थे। उनके पीछे एक बड़ा सा पहाड़ दिखाई दे रहा था।इसके कुछ ही देर बाद तारा सुतारिया ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें पहाड़ और समुद्र का खूबसूरत नज़ारा दिखाई दे रहा था। इन दोनों पोस्ट्स के सामने आने के बाद फैंस कयास लगाने लगे कि तारा और वीर साथ में वेकेशन पर गए हैं।बता दें, इससे पहले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया ने लैक्मे फैशन वीक के दौरान एक साथ रैंप वॉक किया था। इसके बाद दोनों को एक पॉश रेस्टोरेंट में डिनर करते हुए स्पॉट किया गय। यहीं से दोनों के डेटिंग रूमर्स की शुरुआत हो गई।बता दें, रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' के सेट से बादशाह और तारा सुतारिया के बीच डेटिंग की खबरें शुरू हुईं। जब शिल्पा शेट्टी ने मजाकिया अंदाज में तारा सुतारिया का नाम लेकर बादशाह को चिढ़ाया था। इस पर रैपर शर्मा गए, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर कयास लगाए जाने लगे कि तारा और बादशाह एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।बता दें, तारा सुतारिया ने पहले एक्टर आदर जैन को डेट किया था। दोनों चार साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। हालांकि, साल 2023 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इसके बाद आदार ने अलेखा आडवाणी के साथ शादी कर ली थी, जो पहले तारा की बेस्ट फ्रेंड थीं।महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के नाती वीर पहरिया सारा अली खान को डेट कर चुके हैं। 2018 में एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में सारा अली खान ने इस रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। सारा ने इंटरव्यू में कहा था, वह (वीर) इकलौता लड़का है, जिसे मैंने डेट किया है। उनके अलावा मेरी जिंदगी में कोई ब्वॉयफ्रेंड नहीं रहा।

पहलाज निहलानी ने गोविंदा को कहा इनसिक्योर:बोले- भाई-बहन की जिम्मेदारी थी, उसे लगता था बस कहीं से पैसे आ जाएं, वहमी हो गया था

नयी दिल्ली। कहा जाता है कि एक समय में गोविंदा में इतना नेगेटिव एटीट्यूड था कि कई प्रोड्यसूर्स और डायरेक्टर ने उनके साथ काम करने

से इनकार कर दिया था। अब गोविंदा की फिल्म शोला और शबनम, आंखें जैसी फिल्में प्रोड्यूसर कर चुके पहलाज निहलानी ने कहा है कि वो बेहद इनसिक्योर थे और पैसों में उलझे रहते थे। यही वजह है कि उनमें एटीट्यूड आ गया था। पहलाज निहलानी ने लर्न फ्रॉम द लीजेंड के पॉडकास्ट में गोविंदा पर बात करते हुए कहा है, 'फिल्म आंधी तूफान के बाद मैं मिथुन चक्रवर्ती और शत्रुघ्न के साथ एक फिल्म बनाना चाहता था। लेकिन उस समय मिथुन और शत्रुघ्न 4-4 शिफ्ट करते थे। इस वजह से हमारी नहीं बनी। फिर रीक्कू राकेश, गोविंदा को मेरे पास लेकर आए। फोटोग्राफ भी लेकर आए, लेकिन मुझे पसंद नहीं आए। उसका लुक पसंद नहीं आया। अगले दिन वो मेरे पास वीडियो कैसेट लेकर आया, जिसमें उसके डांस थे। उस समय ब्रेक डांस माइकल जैक्सन की वजह से पॉपुलर थे। उसने मुझे कैसेट दिखाया, तो मैंने पूछा क्या-क्या आता है। मुझे उसका चेहरा पसंद नहीं था, लेकिन उसका डांस और एक्शन पसंद आया। मेरी स्टोरी पूरी एक्शन थी, तो मैंने उससे एक दिन मांगा। मैं लंदन जा रहा था, तो मैं उससे कहकर गया कि तुम अपनी तैयारी करो।'आगे उन्होंने कहा, 'लंदन में छुट्टियों के समय मैंने कहानी पूरी की। फिर मैंने उसमें डांस डाला। आज की डेट में उसके जितना टैलेंटेड कोई एक्टर नहीं है। हालांकि उस समय वो एडवोकेट के रोल में, इंसपेक्टर के रोल में फिट नहीं होता था, हाइट की वजह से। लेकिन अब वो स्टार हो गया, स्टार से तो कुछ भी करवा लो।'बातचीत में पहलाज निहलानी ने आगे कहा, जब उसके पास काम नहीं था, जब शोला और शबनम हमने शुरू की तो उससे पहली बार कॉमेडी रोल करवाया। फिर जब काम नहीं था उसके बाद तब फिल्म आंखें करवाई। दोनों फिल्मों में एकदम अलग रोल था। फिल्म आंखें में हमने उसे दिलीप कुमार और महमूद की तरह दिखाना चाहा। आप फिल्म देखेंगे तो कहीं वो दिलीप कुमार जैसा लगेगा, कहीं महमूद जैसा। जब पहलाज निहलानी से पूछा गया कि क्या गोविंदा के नेगेटिव एटीट्यूड की वजह से कई प्रोड्यूसर और डायरेक्टर उनके साथ काम नहीं करना चाहते थे, तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, जब सक्सेस मिलती है, तो आदमी हर दर्द सह लेता है, लेकिन जब सक्सेस की सीढ़ी से नीचे उतरते हैं तो तकलीफ होती है। गोविंदा में वो प्रॉब्लम शुरू से थी। क्योंकि वो खुद को इनसिक्योर मानता था। उसके पिता बहुत बड़े हीरो रहे हैं महबूब खान के। बड़ी-बड़ी पिक्चरें की, अच्छे प्रोड्यूसर भी रहे, नुकसान हुआ। इसके बाद उसने इतना दर्द सहा, बहुत सारी चीजें उसके हाथ से निकल गईं, स्ट्रगल करना पड़ा। वो सारी चीजें उसके अंदर थीं। वो इनसिक्योरिटी रहती हैं। उसे था कि कहीं से पैसे आ जाएं। उसके पास भाई-बहन की जिम्मेदारियां थीं। वो पैसे में उलझा रहता था, उसे करना भी सब था। इस वजह से उसका एटीट्यूड ऐसा हो गया था। जब काम और प्रेशर बहुत हो जाता है, तो आप छोड़ नहीं सके, तो चीजें बढ़ गईं। फिर आदत बन गई, वहमी हो गया। जब नहीं चलता आदमी तो सब उसे डैमेज करते हैं, वर्ना गोविंदा जैसा हीरो ढूंढने पर नहीं मिलेगा।

फरदीन खान और नताशा अलग हो गए हैं... मुमताज ने बेटी और दामाद के तलाक पर तोड़ी चुप्पी, बताया कहां आ रही दिक्कत

नयी दिल्ली। वेटरन एक्ट्रेस मुमताज ने बेटी नताशा और फरदीन खान के तलाक के बारे में बात की है। मुमताज ने कहा कि दोनों अलग हो चुके हैं पर वह नहीं चाहतीं कि उनका तलाक हो। फरदीन और नताशा के बीच कहां दिक्कत आई, इस पर भी बोलीं।साल 2023 में खबरें आई थीं कि फरदीन खान और उनकी पत्नी नताशा तलाक ले रहे हैं। दोनों अपनी 18 साल की शादी को खत्म करने वाले हैं। यह भी कहा गया कि फरदीन और नताशा के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। अब फरदीन की सास और एक्ट्रेस मुमताज ने तलाक की खबरों पर रिएक्ट किया है, और सच बताया है। मुमताज ने यह भी कहा कि फरदीन और नताशा को बच्चों की खातिर तलाक नहीं लेना चाहिए। मुमताज ने यह भी बताया है कि फरदीन खान और मुमताज के बीच क्या दिक्कते हैं

और कैसे परेशानियां आनी शुरू हुईं। मुमताज ने हमारे सहयोगी ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया कि फरदीन खान और नताशा का तलाक नहीं हुआ है, पर वो अलग हो गए हैं।एक्ट्रेस मुमताज दामाद और बेटी के तलाक के पक्ष में नहीं हैं, और चाहती हैं कि वो अपने फैसले पर विचार करें। मुमताज बोलीं, 'वो कह रहे हैं कि वो अलग हो रहे हैं, लेकिन अभी भी उनका तलाक नहीं हुआ है। मैं फरदीन से बहुत प्यार करती हूं। वह मेरे सामने ही पैदा हुआ था। वो अभी भी पति-पत्नी हैं।'फरदीन खान और नताशा के बीच कहां कुछ गलत हुआ, यह जानने के लिए क्या मुमताज ने उनके साथ बैठकर बात की? इस बारे में मुमताज ने कहा, 'कुछ भी सीरियस जैसा नहीं हुआ है। शायद अब वो साथ नहीं रहते। हर शादी में उतार-चढ़ाव आते हैं। दोनों अब काफी बड़े हो गए हैं और मेरी बात नहीं सुनते। अब उनकी बात नहीं सुनते।''कभी-कभी लोगों की एक-दूसरे के साथ नहीं पट पाती, जिससे बहस होती है। नताशा और फरदीन को तलाक नहीं लेना चाहिए क्योंकि उनके बच्चे हैं। मैंने देखा है कि फरदीन एक अच्छा पिता है। वह बच्चों के शेड्यूल के हिसाब से अपनी शूटिंग के दिन भी आगे-पीछे कर लेता है। वह आज भी मेरी इज्जत करता है। पता नहीं वो (फरदीन और नताशा) क्या करना चाहते हैं। अगर उनका तलाक हो भी गया, तो भी वो बच्चों की वजह से अलग नहीं होंगे।'फरदीन और नताशा से साल 2005 में शादी की थी, और काफी मुश्किलों से आईवीएफ के जरिए एक बेटी और एक बेटे के पैरेंट्स बने थे। बेटी के जन्म के बाद फरदीन ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था।

सुनील शेट्टी ने परेश रावल की वापसी पर दी प्रतिक्रिया:'हेरा फेरी 3' को लेकर बोले- मैंने भी सुना है फाइन ट्यूनिंग हो गई है

नयी दिल्ली। एक्टर सुनील शेट्टी ने परेश रावल की फिल्म 'हेरा

फेरी 3' में वापसी को लेकर कहा कि मैंने भी सुना है फाइन ट्यूनिंग हो गई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अब 'हेरा फेरी 3' की रिलीज के समय पर ही इस पर बात करेंगे। दरअसल, हाल ही में सुनील शेट्टी शिरडी गए और साई बाबा के दर्शन किए।यूट्यूब चैनल साई सफर से बातचीत में फिल्म को लेकर सुनील ने कहा, 'शायद वो एक फिल्म जहां आप सब मिलकर एक साथ देख सकते हो। अगर एक बार आप टीवी चालू कर देते हो तो उसके बाद आपको टेंशन लेने की जरूरत नहीं है, शर्माने की जरूरत नहीं है। आपको पता है कि लोग सिर्फ (फिल्म देखकर) हंसने वाले हैं। ' बता दें कि 'हेरा फेरी 3' का लोग काफी दिनों से इंतजार कर रहे हैं। मई के महीने में परेश रावल ने पहले इसे छोड़ने का ऐलान किया था। इस खबर से फैंस को निराशा हुई, लेकिन हाल ही में परेश रावल ने हेरा फेरी 3 का विवाद खत्म करते हुए फिल्म में वापसी का कन्फर्मेशन दे दिया है। कुछ समय पहले ही क्रिएटिव डिफरेंस के चलते परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 छोड़ दी थी, जिससे फैंस काफी निराश थे।परेश रावल से हिमांशू मेहता के पॉडकास्ट में हेरा फेरी 3 से जुड़े विवाद पर सवाल किया गया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'नहीं कॉन्ट्रोवर्सी कुछ नहीं है। मुझे लगता है कि जब कोई चीज लोगों को इतनी ज्यादा भाती है तो आपको एक्स्ट्रा केयरफुल रहना होता है। ऑडियंस के प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारियां हैं। ऑडियंस ने आपको बहुत सराहा है। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उनको दो। इसलिए मेरा मानना था कि सब हाथ में आएं, मेहनत करें और कुछ नहीं।' बातचीत में जब परेश से पूछा गया कि क्या अब वो फिल्म में नजर आएंगे। इसके जवाब में एक्टर ने कहा है, 'पहले भी आने ही वाली थी, लेकिन हमें खुद को और बेहतर बनाना था। आखिर में सब बहुत क्रिएटिव हैं, चाहे प्रियदर्शन हों, अक्षय हों या सुनील। वो मेरे सालों से दोस्त हैं।'परेश रावल के अचानक फिल्म छोड़ने की खबर आने के बाद फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे अक्षय कुमार की टीम ने उन्हें लीगल नोटिस भेजा था। अक्षय की वकील पूजा तिडके ने कहा था कि प्रोडक्शन कंपनी ने फिल्म पर काफी पैसा खर्च किया है, इसलिए इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। विवाद बढ़ने पर परेश रावल ने फिल्म का साइनिंग अमाउंट 11 लाख रुपए 5 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटा दिया था।फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने मिड डे को दिए इंटरव्यू में कहा- अक्षय कुमार का फिल्म के साथ भावनात्मक लगाव है। जब उनको जब परेश के फिल्म छोड़ने के फैसले के बारे में पता चला तो वे इमोशनल हो गए। वे रोने लगे और मुझसे पूछा- परेश ऐसा क्यों कर रहे हैं? अगर परेश फिल्म नहीं करना चाहते हैं तो इसकी वजह से अक्षय कुमार को पैसों का नुकसान नहीं होना चाहिए। मैं समझता हूं कि अक्षय ने नोटिस भेजने का कदम क्यों उठाया है? परेश को जो भी फैसला लेना था, एक बार हमसे बात करते। हम सब सालों से दोस्त हैं, एक कॉल पर सारी बात बताई और समझी जा सकती थी।

फातिमा पर बोले आमिर- मैं उसका असल बॉयफ्रेंड नहीं:बताया ठग्स ऑफ हिंदोस्तान में क्यों मेकर्स ने दोनों के रोमांटिक सीन पर जताया था ऐतराज

नयी दिल्ली।आमिर खान ने हाल ही में फातिमा की दंगल के बाद ठग्स ऑफ हिंदुस्तान में कास्टिंग होने पर बात की है। आमिर ने बताया है कि आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण जैसी कई एक्ट्रेस ने फिल्म करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद फातिमा को फिल्म में साइन किया गया था। आमिर उनके साथ रोमांटिक रोल करना चाहते थे, लेकिन फिल्म के मेकर्स ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था। उनका मानना था कि दंगल में आमिर ने फातिमा के पिता का रोल किया है, अगर अब दोनों रोमांटिक रोल करेंगे, तो ऑडियंस रिजेक्ट कर देगी। आमिर ने लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में फातिमा की कास्टिंग पर कहा, 'जब हम लोग कास्टिंग कर रहे थे, तो किसी एक्ट्रेस ने फिल्म के लिए हां नहीं बोला। दीपिका ने न बोल दिया, आलिया ने न बोल दिया, श्रद्धा ने न बोल दिया। वो फिल्म पूरी इंडस्ट्री को ऑफर की गई थी, लेकिन वो रोल लॉक ही नहीं हो रहा था। विक्टर और आदी (आदित्य चोपड़ा, फिल्म के प्रोड्यूसर) ने कहा कि फातिमा का टेस्ट बहुत अच्छा है, लेकिन आपके साथ हम उसका रोमांस नहीं रखेंगे। क्योंकि उसमें (दंगल में) आपकी बेटी बनी है, इसमें आपकी गर्लफ्रेंड कैसे बन सकती है। ऑडियंस रिजेक्ट कर देगी इस बात को।'आगे आमिर ने कहा, 'मैं ये सब चीजें नहीं मानता हूं। मैं असल में थोड़ी उसका बाप हूं और न असल में उसका बॉयफ्रेंड हूं। हम लोग फिल्म बना रहे हैं। जैसे बच्चन (अमिताभ बच्चन) ने राखी के लवर और बेटे का रोल किया है, वहीदा जी के साथ किया है। ये तो कई दफा होता है, जब एक एक्टर दूसरे एक्टर के साथ काम करता है, कभी बेटा बनता है, कभी भाई बनता है, कभी हसबैंड। ऑडियंस इतनी बेवकूफ थोड़ी है कि कहेगी यही है बाप। हम ऑडियंस को कम आंकते हैं। मैं नहीं मानता कि शाहरुख और एक एक्ट्रेस में रोमांटिक रोल हुआ है, तो वो अब मां-बाप का रोल नहीं कर सकते, या दूसरा कोई रिश्ता उनका नहीं हो सकता।'एक समय में आमिर खान और फातिमा सना शेख के बीच अफेयर की अफवाहें थीं। हालांकि सुर्खियों में आने के बाद फातिमा ने खुद फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में इसे बेबुनियाद बताया था। एक्ट्रेस ने कहा था कि उन्हें ऐसी खबरों से बहुत ठेस पहुंचती है।

पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट से बैन हटा!मावरा होकैन, युमना जैदी समेत कई सेलेब्स की इंस्टा प्रोफाइल फिर एक्टिव, हानिया आमिर, माहिरा अब भी रिस्ट्रिक्ट

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही सभी पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट भारत से रिस्ट्रिक्ट कर

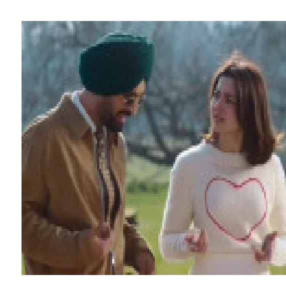

दिए गए थे। हालांकि अब उनके सोशल मीडिया अकाउंट से बैन हट चुका है। हालांकि हानिया आमिर और माहिरा खान जैसे कई सेलेब्स ऐसे भी हैं जिनके अकाउंट अब भी रिस्ट्रिक्ट हैं।बॉलीवुड फिल्म सनम तेरी कसम में नजर आ चुकीं पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा होकैन का इंस्टाग्राम अब भारत में एक्टिव दिख रहा है। उनके अलावा सबा कमर, युमना जैदी, दानिश तैमूर, अहद रजा मिर जैसे कलाकारों के अकाउंट भी एक्टिव हो चुके हैं।दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म सरदार जी 3 में नजर आईं एक्ट्रेस हानिया आमिर का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में रिस्ट्रिक्ट है। अकाउंट खोलने पर लिखा मिलेगा, अकाउंट भारत में मौजूद नहीं है। इन कंटेंट को लीगल रिक्वेस्ट के चलते रिस्ट्रिक्ट किया जा रहा है। हानिया के अलावा फवाद खान, माहिरा खान, अली जफर और आतिफ असलम के अकाउंट भी उपलब्ध नहीं हैं।बताते चलें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की लीगल रिक्वेस्ट के चलते पाकिस्तानी कलाकारों के अकाउंट रिस्ट्रिक्ट किए गए थे। इसके अलावा गृह मंत्रालय की सिफारिश पर भारत सरकार ने 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर बैन लगा दिया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इन चैनलों पर भारत, भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ, सांप्रदायिक और भ्रामक खबरें फैलाने का आरोप थे।साल 2016 में हुए उरी अटैक के बाद सभी पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने पर बैन लगा दिया गया था। यही वजह रही कि माहिरा खान, फवाद खान जैसे कलाकारों को भारत की कई फिल्में छोड़नी पड़ी थीं। साल 2023 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन लगाए जाने की याचिका खारिज करते हुए कहा कि कलाकारों को पॉलिटिकल टेंशन के चलते सजा नहीं दी जा सकती।2023 में बैन हटने के बाद पाकिस्तानी कलाकारों को फिर हिंदी सिनेमा में काम दिया जाने लगा। हानिया आमिर को दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म सरदार 3 में काम मिला, वहीं फवाद खान फिल्म अबीर गुलाल से बॉलीवुड कमबैक करने वाले थे। हालांकि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद फवाद की फिल्म अबीर गुलाल की रिलीज रोक दी गई, जो 9 मई को रिलीज होनी थी। वहीं दूसरी तरफ फिल्म सरदार जी 3 भारत की बजाय ओवरसीज रिलीज हुई है। हालांकि हानिया के साथ काम करने पर दिलजीत पर देशद्रोह के आरोप लगाए जा रहे हैं। उनकी नागरिकता रद्द किए जाने की भी मांग हो रही है।मावरा होकैन फिल्म सनम तेरी कसम 2 में नजर आ सकती थीं, हालांकि विवाद के बाद फिल्म के लीड एक्टर हर्षवर्धन राणे ने ऐलान कर दिया कि अगर मावरा फिल्म में रहीं, तो वो इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनेंगे। फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एम्प्लॉयज ने हाल ही में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को लेटर लिखकर साफ किया है कि अगर कोई भी भारतीय पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम करेगा, तो उस पर देशद्रोह का केस होगा। साथ ही पाक कलाकारों के साथ काम करने वाले शख्स को इंडियन इंडस्ट्री से बैन कर दिया जाएगा।

'क्या मजबूरी थी ईशानी?' राधिका मदान लगीं बदली-बदली तो टूटा फैंस का दिल, बिदक कर बोले- चेहरे का सत्यानाश कर लिया

नयी दिल्ली। राधिका मदान के फैंस ये दावा कर रहे हैं कि वो

काफी बदल गई हैं। उनका कहना है कि वो ईशानी वाले लुक में ज्यादा क्यूट लगती थीं और पहले ज्यादा अच्छी दिखती थीं। राधिका के पोस्ट पर भी यूजर्स लुक को लेकर कॉमेंट्स कर रहे हैं।टीवी से एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली राधिका मदान को फैंस आज भी प्यार से 'ईशानी' बुलाते हैं। उन्होंने 'मेरी आशिकी तुमसे ही' में ईशानी पारेख का रोल निभाया था और अपनी दमदार एक्टिंग से घर-घर में फेमस हो गई थीं। इसके बाद उन्होंने सपनों की उड़ान भरी और बॉलीवुड में कदम रखा। वो अब तक कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। पर हाल ही में उनके 'बदले' हुए लुक को देखकर फैंस चौंक गए। उन्होंने दावा किया कि अपने लुक को चेंज करने के लिए राधिका ने सर्जरी या फिलर्स करवाए हैं। राधिका के ज्यादातर पोस्ट को देख फैंस बिदक रहे हैं और पहले वाले लुक को क्यूट बता रहे हैं। एक फैन ने राधिका मदान की पहले की और अभी की फोटोज को साथ में कोलाज बनाकर एक्स पर पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, 'क्या मजबूरी थी ईशानी'। उनकी नैचुरल आइब्रो हर किसी का सपना होती थीं, उन्होंने इसे बर्बाद कर दिया।' 30 साल की राधिका ने इंस्टाग्राम पर ब्लू कलर के स्वेटर में अपनी कुछ फोटोज पोस्ट की थीं। इस पर एक यूजर ने लिखा, 'आप पहले तो अच्छे थे... आपने सर्जरी क्यों करवाई?' एक और दुखी फैन ने पूछा, 'सर्जरी कराई है ना वापस से?' एक और ने लिखा, 'बिना सर्जरी के ही बेस्ट दिखती थी।' एक और फैन ने गुजारिश करते हुए कहा, 'मेरी आशिकी तुमसे ही वाली ईशानी चाहिए फिर से।' अन्य ने लिखा, 'आपने ऐसा क्यों किया? हम पुरानी गॉर्जियस राधिका को मिस करते हैं।' एक और कॉमेंट करते हैं, 'भगवान ने हमें सबसे अच्छा बनाया है लेकिन प्लास्टिक सर्जरी..।' दूसरे फैन ने कहा, 'पूरे चेहरे का सत्यानाश करवा लिया।'राधिका ने 2018 में 'पटाखा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वो 'मर्द को दर्द नहीं होता', 'अंग्रेजी मीडियम', 'कच्चे लिंबू', 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो' जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। अब उन्हें 'सूबेदार' और 'रुमी की शराफत' में देखा जाएगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।